आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा-खून से सने हैं सीईसी के हाथ
- 12

केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6 प्रतिशत पर सीजीए ने जारी किए आंकड़े
- 12

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज
- 13

भारतीय टीम को अब सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा
- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष नवमी 11:15 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 29 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 279, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

भारत की जीडीपी ने भरी रफ्तार, दूसरी तिमाही में 8.2%, डेढ़ साल में सबसे तेज

नई दिल्ली, एजेंसी

- विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से अर्थव्यवस्था को मिली ग्रोथ

देश की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि अनुमान से अधिक रही जिसमें जीएसटी दरों में कटौती से खपत बढ़ने की उम्मीद की अहम भूमिका है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जारी आंकड़ों से पता चलता है कि कारखाना उत्पादन में तेजी और सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन ने कृषि क्षेत्र की सुस्ती को निष्प्रभावी कर दिया। पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 5.6 प्रतिशत

थी। इस साल की अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी। जुलाई-सितंबर तिमाही की यह वृद्धि दर पिछली छह तिमाहियों में सबसे अधिक है। इससे पहले उच्चतम वृद्धि 8.4 प्रतिशत थी, जो 2023-24 की जनवरी–मार्च तिमाही में दर्ज की गई थी।

सुधारों को आगे बढ़ाते रहेंगे : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमशीलता को बताती है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2% की जीडीपी वृद्धि दर बहुत उत्साहजनक है। यह हमारी वृद्धि-समर्थक नीतियों और सुधारों के प्रभाव को बताती है। हमारी सरकार सुधारों को आगे बढ़ाती रहेगी और प्रत्येक के जीवन को आसान बनाने के लिए काम करती रहेगी।

नया भारत रक्षा करने से न पीछे हटता, न हिचकिचाता

उडुपी (कर्नाटक), एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने उडुपी में 14वीं-15वीं शताब्दी के संत-दार्शनिक कनकदास को पुष्पांजलि अर्पित की
- कहा- शांति और सत्य की स्थापना के लिए अत्याचारियों का अंत आवश्यक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पिछली सरकारें आतंकी हमले के बाद प्रतिक्रिया देने में भले ही हिचकिचाती रही हों, लेकिन नया भारत अपने लोगों की रक्षा करने से न तो पीछे हटता है है और न ही हिचकिचाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मूल मंत्र सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखना है, साथ ही धर्म की रक्षा के लिए खड़ा होना भी है।

कर्नाटक के उडुपी में लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, पिछली सरकारें आतंकी हमलों के बाद हाथ पर हाथ धरे बैठी रहती थीं। मोदी यहां लक्ष कंठ गीता पारायण में भाग लेने आए थे, जहां एक लाख लोगों ने श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया। यह कार्यक्रम उडुपी में स्थित श्री कृष्ण मठ ने आयोजित किया था। मोदी ने कहा, गीता हमें शांति और सत्य के लिए प्रयास करने और अत्याचार करने वालों को कुचलने की शिक्षा देती है। हम वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करते हैं और धर्मो रक्षति रक्षितः का जाप भी करते हैं।

कर्नाटक के उडुपी में श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ करते प्रधानमंत्री मोदी व अन्य।

जनता को दिलाए नौ संकल्प

मोदी ने जनता को नौ संकल्प दिलाए जिनमें- जल संरक्षण, देश में एक पेड़ मां के नाम, एक गरीब का जीवन सुधारने का प्रयास और स्वदेशी, पांचवां संकल्प प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, छठा स्वस्थ जीवनशैली अपनाना, सातवां योग को जीवन का हिस्सा बनाना, आठवां पांडुलिपियों के संरक्षण में सहयोग और नौवां देश के 25 ऐसे स्थानों का दर्शन करना है।

गोवा में भगवान श्रीराम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

पणजी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का व्यापक जीर्णोद्धार और उज्जैन में महाकाल महालोक का विस्तार देश की 'चेतना' को दर्शाते हैं। श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ के 550 वर्ष पूरे होने पर आयोजित समारोहों के तहत गोवा में भगवान राम की 77 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करने के बाद मोदी जनसभा को संबोधित किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

ब्रीफ न्यूज

10 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में 'पूना मारगेम: पुनर्वास से पुनर्जीवन'' पहल के अंतर्गत दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) के वरिष्ठ सदस्य चैतू उर्फ श्याम दादा समेत कुल 65 लाख रुपये के इनामी 10 माओवादियों ने शुक्रवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले डीकेएसजेडसी सदस्य चैतू उर्फ श्याम दादा के सिर पर 25 लाख तथा डिविजनल कमेटी सदस्य सरोज उर्फ मल्कू सोढ़ी के सिर पर आठ लाख रुपये का इनाम है।

सूर्यघर योजना में यूपी ने रचा इतिहास

लखनऊ। बिजली की दरों में बढोत्तरी न किए जाने और उदार बिजली बिल राहत योजना लागू किए जाने के बीच उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश ने 27 नवंबर को एक गीगावाट अर्थात 1000 मेगावाट रूफटॉप सोलर क्षमता का लक्ष्य पूरा कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ प्रदेश में अब तक 2.90 लाख घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्रों की सफल स्थापना की जा चुकी है। इससे न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूती मिली है बल्कि लगभग चार हजार एकड़ भूमि की भी बचत हुई है, जिसका उपयोग अब अन्य विकास और जनहित कार्यों में किया जा सकेगा।

दिव्य-भव्य और सुरक्षित होगा 2027 हरिद्वार कुंभ : धामी

14 जनवरी 2027, मकर संक्रांति से शुरू होगा मेला, 3 शाही अमृत स्नान सहित 10 तिथियां घोषित

- हरिद्वार में मुख्यमंत्री और अखाड़ा परिषदों के बीच हुई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: हरिद्वार में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाला कुंभ दिव्य, भव्य और सुरक्षित होगा। इस ऐतिहासिक महापर्व के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को हरिद्वार में गंगा किनारे सभी 13 अखाड़ों के आचार्यों एवं संतों के साथ बैठक कर सुझावों के साथ ही मार्गदर्शन प्राप्त किया। बैठक में कुंभ अमृत स्नान सहित महत्वपूर्ण तिथियां घोषित की गईं। 14 जनवरी, 2027 को मकर संक्रांति से कुंभ शुरू होगा। पहला शाही स्नान छह मार्च को महाशिवरात्रि पर, अंतिम 20 अप्रैल चैत्र पूर्णिमा को होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ से जुड़े सभी निर्णयों में संतों की परम्पराओं, आवश्यकताओं एवं सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। संतों की प्रेरणा, सुझाव और आशीर्वाद के बिना इस महायोजना की पूर्णता की कल्पना भी संभव नहीं है। हमारा प्रयास है कि सभी के अमूल्य सुझावों से कुंभ 2027 की तैयारियों को और अधिक व्यापक, सुव्यवस्थित और संत समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का आह्वान किया है। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए सरकार कुंभ 2027 को भव्य, दिव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

सीएम ने कहा कि, वर्ष 2021 में आयोजित कुंभ कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण केवल अल्प अवधि के लिए आयोजित किया गया था और शाही स्नान भी प्रतीकात्मक रूप से ही संपन्न हुआ था, लेकिन वर्ष 2027 में होने वाला हरिद्वार कुंभ कई दृष्टियों से ऐतिहासिक और विशेष महत्व का होगा। इस बार श्रद्धालुओं की संख्या वर्ष 2010 और वर्ष 2021 के कुंभ की तुलना में कई गुना अधिक होने की संभावना है। सरकार ने कुंभ 2027 को दिव्य, भव्य और सुरक्षित बनाने के लिए अभी से व्यापक तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं। इस अवसर पर अखाड़ों के आचार्य एवं संतों ने संस्कृति के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री धामी द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए कहा कि भव्य एवं दिव्य कुंभ के आयोजन के लिए संत समाज द्वारा राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग दिया जाएगा।

कुंभ मेला तिथियों की औपचारिक घोषणा के दौरान संतों के साथ मुख्यमंत्री धामी।

मुख्य पर्व स्नान

- 14 जनवरी – मकर संक्रांति
- 06 फरवरी – मौनी अमावस्या
- 11 फरवरी – बसंत पंचमी
- 20 फरवरी – माघ पूर्णिमा
- 20 अप्रैल – चैत्र पूर्णिमा

शाही अमृत स्नान

- 06 मार्च – महाशिवरात्रि
- 08 मार्च – सोमवती अमावस्या
- 14 अप्रैल – मेष संक्रांति

दो विशेष तिथियां

- 07 अप्रैल – नव संवत्सर
- 15 अप्रैल – श्रीराम नवमी

मासिक धर्म का सबूत मांगने को लेकर दायर याचिका पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है
- याचिका पर अगली सुनवाई 15 दिसंबर को निर्धारित

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उस याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा जिसमें आरोप लगाया गया है कि हरियाणा में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में महिला सफाई कर्मचारियों को अपने निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा गया था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने केंद्र तथा अन्य को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, यह मानसिकता को दर्शाता है। कर्नाटक में वे मासिक धर्म के लिए छुट्टी दे रहे हैं। इसे पढ़ने के बाद मैंने सोचा कि क्या वे छुट्टी देने के लिए सबूत मांगेंगे। उन्होंने कहा, यह लोगों की मानसिकता को दर्शाता है। यदि उनकी अनुपस्थिति के कारण कोई भारी काम नहीं किया जा सका तो किसी और को तैनात किया जा सकता था। हमें उम्मीद है कि इस याचिका से कुछ अच्छा होगा। सुनवाई के दौरान 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) के अध्यक्ष और वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा कि यह एक गंभीर आपराधिक मामला है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। याचिका पर अब अगली सुनवाई के लिए 15 दिसंबर की तारीख तय की गयी है।

एमडीयू का है मामला

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) से जुड़े तीन लोगों पर 31 अक्टूबर को यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। महिला सफाई कर्मचारियों से उनके निजी अंगों की तस्वीरें दिखाकर यह साबित करने के लिए कहा था कि उन्हें मासिक धर्म हो रहा है। विश्वविद्यालय ने में कहा था कि उसने दो पर्यवेक्षकों को निलंबित कर दिया है, जिन्हें हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड के माध्यम से अनुबंध पर नियुक्त किया था और घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

सीबीआई ने पेपर लीक मामले में असिस्टेंट प्रोफेसर को किया गिरफ्तार

- सरकार ने सीबीआई को सौंपी थी जांच सीबीआई के अनुसार, आरोपी ने प्रश्नपत्र का कुछ हिस्सा हल करने में मदद की

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को शहीद हंसा धनाई राजकीय महाविद्यालय, अगरोरा (धार मंडल), टिहरी गढ़वाल की सुमन नाम की एक असिस्टेंट प्रोफेसर को चर्चित उत्तराखंड ग्रेजुएट लेवल परीक्षा पेपर लीक मामले में दो अन्य आरोपी प्राइवेट व्यक्तियों (भाई व बहन) के साथ साजिश का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए प्राइवेट व्यक्तियों के नाम मोहम्मद खालिद और उसकी बहन सबीहा हैं।

पूर्व में उत्तराखंड सरकार द्वारा ट्रांसफर किए जाने पर सीबीआई ने यह मामला अपने हाथ में ले लिया था। सीबीआई ने आरोपी प्राइवेट व्यक्ति और उसकी बहन को पुलिस हिरासत में लिया था और विस्तार में जांच की थी। पुलिस हिरासत में आरोपी और उसकी बहन की पूरी जांच और मोबाइल फोन और दूसरे सबूतों की जांच के बाद, असिस्टेंट प्रोफेसर की भूमिका जांच के घेरे में आई इसलिए, असिस्टेंट प्रोफेसर को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और आरोपी को मेडिकल जांच के बाद तय कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीबीआई के अनुसार, अब तक की जांच से पता चला है कि असिस्टेंट प्रोफेसर ने परीक्षा के दौरान अपनी बहन के जरिए मिले प्रश्न पत्र के कुछ हिस्से को हल करने में आरोपी प्राइवेट व्यक्ति की मदद की थी और उत्तर को परीक्षा में बैठे आरोपी प्राइवेट व्यक्ति को भेजा था। जांच दैनिक स्तर पर जारी है।

आयुर्वेद विवि गड़बड़ी में विजिलेंस को खुली जांच

- 13.10 करोड़ का भुगतान, सीएम धामी ने दी स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रशासकीय व वित्तीय अधिकारों के दुरूपयोग के मामले में सख्त कदम उठाते हुए उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय से संबंधित मामले की सतर्कता विभाग (विजिलेंस) से खुली जांच कराए जाने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री ने इस मामले में पत्रावली पर भी अनुमोदन प्रदान कर दिया हैं। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय में विगत वर्षों में 13.10 करोड़ के भुगतान में प्रशासकीय व वित्तीय अधिकारों के दुरुपयोग होने का मामला सामने आया था। शासन के द्वारा इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच कराए जाने का निश्चय किया गया था। इससे संबंधित प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदन प्रदान कर सतर्कता विभाग से खुली जांच कराये जाने के निर्देश दे दिए गए हैं।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन 4 दिसंबर से दो दिन की भारत यात्रा पर

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति पुतिन प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता के लिए चार दिसंबर से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं। इस शिखर वार्ता से द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी पुतिन का स्वागत करेंगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री प्रकाश का निधन

- 81 वर्ष के दिग्गज कांग्रेस नेता को दिल का दौरा पड़ा

कानपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय कोयला राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार देर शाम दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं।

कांग्रेस के दिग्गज नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री जायसवाल 1989 में कांग्रेस से कानपुर के महापौर बने थे। तब सभासद मेयर का चुनाव करते थे। 1999, 2004, 2009 में वे कांग्रेस से कानपुर के सांसद रहे। 2014 के लोकसभा के चुनाव में भाजपा के डॉ. मुरली मनोहर जोशी से वे हार गए थे। 2019 में उन्हें भाजपा के सत्यदेव पचौरी ने हराया था। 4 दिसंबर 2000 को सलमान खुर्शीद के स्थान पर उन्हें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। वे 2002 तक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहे। मई 2004 में मनमोहन सिंह सरकार में उन्हें केंद्रीय गृहराज्य मंत्री बनाया गया था। 2009 में उन्हें कोयला राज्यमंत्री का पदभार दिया गया। 2014 तक वे इस पद पर रहे।

आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में आजम खां बरी

रामपुर। पूर्व सांसद और सपा नेता अमर सिंह और उनके परिजनों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आजम खां को कोर्ट से राहत मिली है। शुक्रवार दोपहर बाद आजम खां वीसी के जरिए कोर्ट में पेश हुए। जहां कोर्ट ने उन्हें साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल तैनात रहा। लखनऊ के गोमती नगर थाने में सपा नेता अमर सिंह ने 17 अक्टूबर 2018 में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम के खिलाफ दर्ज कराए केस में आरोप लगाया था कि आजम ने जौहर विवि में उन्हें, दो बेटियों सहित पूरे परिवार पर आपत्ति जनक टिप्पणी करते हुए बहू-बेटियों को तेजाब से जलाने की धमकी दी थी। जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिा था।

खगोल चिज्ञान | यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की घोषणा, निरंतर निगरानी में क्षुद्रग्रह, भविष्य में कुछ बन सकते हैं पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा

क्षुद्रग्रहों के रूप में 40 हजार खतरे मंडरा रहे पृथ्वी के पास

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: खगोलविदों ने पृथ्वी के चारों ओर मंडराते 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों की खोज कर ली है। बड़े स्तर पर पृथ्वी के नजदीक घूम रहे ये क्षुद्रग्रह धरती के लिए बड़ा खतरा हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने अभी तक खोजे गए इन पिंडों की घोषणा करते हुए कहा कि इनसे निकट भविष्य में तो नहीं लेकिन भविष्य में कुछ क्षुद्रग्रह पृथ्वी के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

क्षुद्रग्रहों की अनदेखी कतई नहीं की जा सकती है। अतीत में दिए इनके घावों को भुलाया नहीं जा सकता है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, वर्तमान में नासा समेत दुनिया की कई दूरबीनों से इनकी निरंतर निगरानी की जा रही है। क्षुद्रग्रह अंतरिक्ष की चट्टानें हैं, जिनका आकार कुछ मीटर से लेकर कई किलोमीटर तक होता हैं।

इनकी कक्षाएं कुछ ऐसी होती हैं, जो उन्हें पृथ्वी के नजदीक ले लाती हैं और पृथ्वी से टकराने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। पृथ्वी के निकट घूमते इन क्षुद्रग्रहों की उत्पत्ति पृथ्वी के जन्म के साथ ही हुई है जिनकी उम्र भी पृथ्वी के बराबर यानी चार अरब साल मानी जाती है। ये सौर मंडल के निर्माण से बचा हुआ चट्टानी अवशेष है जिनमें अधिकांश मंगल और बृहस्पति के बीच सूर्य की परिक्रमा करते हैं। निकट-पृथ्वी क्षुद्रग्रह उन्हें कहा जाता है, जिसकी कक्षा पृथ्वी की कक्षा के करीब 45 मिलियन किमी के भीतर लाती है। ये दूरी बेहद खतरनाक मानी जाती है, जिसके चलते इनके पृथ्वी से टकराने का खतरा बढ़ जाता है।

अंतरिक्ष में विचरते क्षुद्रग्रहों की तस्वीर।

1898 में पहले क्षुद्रग्रह 'इरोस' की खोज

खगोलविदों ने वर्ष 1898 में पहले क्षुद्रग्रह इरोस की खोज की थी। इनकी भयावहता की गंभीरता को समझते हुए खगोल वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के चारों ओर नजर रखनी शुरू की। समय के साथ तकनीक व आधुनिक दूरबीनों की सुविधाएं बढ़ने से इनकी खोज वर्ष 1990 में अधिक होने लगी। करीब तीन दशक में सर्वाधिक 10 हजार से ज्यादा क्षुद्रग्रहों को खोजा गया और अभी तक 40 हजार से अधिक क्षुद्रग्रहों को खोजा जा सका है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार, इसमें दोराय नहीं कि पृथ्वी के पास घूमते क्षुद्रग्रहों की संख्या हजारों में जा पहुंची है, जो धरती के लिए बड़े खतरे हैं। इन पर सतत निगरानी रखे जाने की जरूरत है।

स्टेट ब्रीफ

चमोली में हादसा, दो युवकों की मौत

गोपेश्वर : चमोली में बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मोटरसाइकिल की एक कार से भिडंत हो जाने से दो युवकों की मृत्यु हो गयी। पुलिस ने बताया कि हादसा चमोली और पीपलकोटी के बीच बिरही के समीप गुरुवार देर रात हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कार से टक्कर के बाद मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक बुरी तरह जख्मी हो गए और उन्हें तत्काल गोपेश्वर में जिला चिकित्सालय भेजा गया जहां उपचार के दौरान दोनों की मृत्यु हो गयी। मृतकों की पहचान जिले के नंदानगर क्षेत्र के रामणी गांव के रहने वाले कमल सिंह (27) और राहुल सिंह (28) के रूप में हुई है।

188.90 करोड़ की विकास योजनाओं का अनुमोदन

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित कार्यों के लिए 188.90 करोड़ रुपये की लागत की स्वीकृतियां प्रदान की हैं। इनमें नैनीताल में गर्जिया-मुक्तेश्वर मोटर मार्ग के पुनर्निर्माण कार्य, कुम्भ मेला-2027 के अन्तर्गत सुधारीकरण एवं सौन्दर्यीकरण, किच्छा में नगला-किच्छा मोटर मार्ग फोरलेन, रुद्रपुर स्मार्ट वेंडिंग जोन, नगर निकायों में पार्कों के सौन्दर्यीकरण, चमोली, नैनीताल, उत्तरकाशी, चम्पावत को धनराशि स्वीकृत की गई है।

अखाड़ा परिषद के महामंत्री को धमकी

हरिद्वार : अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरी को फोन पर जाने से मारने की धमकी मिलने के बाद वह अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी से मुलाकात के लिए शुक्रवार को उनकी कुटिया पहुंचे। महंत रवींद्र पुरी ने इस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि महंत हरि गिरी सनातन धर्म और समाज के लिए लगातार कार्यरत हैं। कुंभ जैसे महत्वपूर्ण आयोजन से ठीक पहले इस प्रकार की धमकियां बेहद चिंताजनक हैं। कहा कि इस मामले की विस्तृत जांच आवश्यक है और वह इसकी जानकारी मुख्यमंत्री तक भी पहुंचाएंगे, ताकि सुरक्षा के दृष्टिकोण से उचित कदम उठाए जा सकें। अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरी ने बताया कि उन्हें फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दे दी गई है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि धमकी देने वाले की मंशा क्या थी और इसके पीछे क्या उद्देश्य छिपा है।

प्रतिनिधिमंडल ने सीएम धामी से की शिष्टाचार भेंट, ब्रोशर भेंट किया, दून में 13-15 दिसंबर तक राष्ट्रीय जनसंपर्क अधिवेशन

पीआरएसआई का सीएम को राष्ट्रीय अधिवेशन का आमंत्रण

- 'विकसित भारत@2047 में जनसंपर्क की भूमिका' है विषय

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के डेलीगेशन ने राज्यसभा सांसद डॉ. नरेश बंसल के नेतृत्व में शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की।

आगामी 13, 14 एवं 15 दिसंबर को देहरादून में आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय जनसंपर्क अधिवेशन के लिए मुख्यमंत्री को औपचारिक आमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अधिवेशन का ब्रोशर भेंट करते हुए संस्था की गतिविधियों एवं उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इस वर्ष अधिवेशन का मुख्य विषय 'विकसित भारत @2047 में जनसंपर्क की भूमिका' निर्धारित किया गया है। सम्मेलन में देश भर के विभिन्न राज्यों से 300 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष के आलोक में अधिवेशन में राज्य की विकास यात्रा, उपलब्धियों तथा भविष्य की संभावनाओं पर विशेष सत्र भी आयोजित होंगे। इस अवसर पर पीआरएसआई देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष रवि बिजारनिया, सचिव अनिल सती, कोषाध्यक्ष सुरेश भट्ट, संयोजक सिद्धार्थ बंसल, सदस्य वैभव गोयल, अनिल वर्मा, अजय डबराल, संजय भार्गव और प्रियांक वशिष्ठ भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ब्रोशर भेंट करते पीआरएसआई देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष रवि बिजारनिया एवं पदाधिकारी।

जनसंपर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण: सीएम

मुख्यमंत्री धामी ने देहरादून में राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित विकसित भारत @ 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में जनसंपर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उत्तराखंड के पर्यटन, संस्कृति एवं स्थानीय उत्पादों की प्रभावी ब्रांडिंग की दिशा में जनसंपर्क माध्यम अहम योगदान दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग, जनता से सतत संवाद, फेक न्यूज की रोकथाम तथा मीडिया-जनसंपर्क क्षेत्र में एआई के बढ़ते प्रभाव पर भी मंथन की आवश्यकता पर जोर दिया।

नैनीताल में सूखी ठंड का प्रकोप

नैनीताल: सरोवर नगरी में सुबह और शाम सूखी ठंड निरंतर जारी है। अलबत्ता दिन में तीखी धूप असहनीय हो रही है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रात का तापमान चार डिग्री पहुंचने लगा है, जबकि निचले क्षेत्रों में आठ डिग्री सेल्सियस जा रहा है। शुक्रवार सुबह कड़ाके की ठंड रही। दिन चढ़ने के साथ मौसम गरमाता गया और दोपहर में धूप में बैठना मुश्किल हो गया। सांझ होते ही पाला गिरना शुरू हो गया और ठंड में खासी बढ़ोतरी हो गई। मौसम विभाग ने मौसम शुष्क रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। बारिश की हालांकि अभी कोई उम्मीद नहीं है। अधिकतम तापमान 19 व न्यूनतम आठ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आद्रता अधिकतम 80 व न्यूनतम 60 प्रतिशत रही।

हरिद्वार, पंतनगर व औली में स्थापित किए जाएंगे अत्याधुनिक मौसम पूर्वानुमान रडार

दून में शुरू हुआ विश्व आपदा प्रबंधन, विज्ञान व प्रौद्योगिकी सम्मेलन, सीएम ने वैज्ञानिकों को सम्मानित किया

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में देहरादून स्थित ग्राफिक एरा सिल्वर जुबली कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन एवं 20वें उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन-2025 में बतौर विशिष्ट अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर एनडीएमए के सदस्य डॉ. दिनेश कुमार असवाल की पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वालीं प्रतिभाशाली महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यभर के विभिन्न शोध एवं शैक्षणिक संस्थानों से चयनित वैज्ञानिकों को यंग वुमन साइंटिस्ट अचीवमेंट अवार्ड-2025 तथा यूकास्ट यंग वुमन साइंटिस्ट एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान, अनुसंधान और तकनीक आधारित नवाचार आपदा प्रबंधन को सशक्त और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उत्तराखंड की युवा महिला वैज्ञानिकों का शोध कार्य न केवल राज्य बल्कि देश और विश्व के लिए प्रेरणादायक है।

सम्मानित वैज्ञानिकों में यंग वुमन साइंटिस्ट अचीवमेंट अवार्ड-2025 (45 वर्ष तक) के अंतर्गत डॉ. अंकिता राजपूत, डॉ. गरिमा पुनेठा, डॉ. ममता आर्या, डॉ. हर्षित पंत, डॉ. प्रियंका शर्मा और डॉ. प्रियंका पांडे शामिल रहीं। वहीं, यूकॉस्ट यंग वुमन साइंटिस्ट एक्सीलेंस अवार्ड (30 वर्ष तक) के अंतर्गत डॉ. प्रियंका उनियाल, पलक कंसल, राधिका खन्ना, स्तुति आर्या तथा देवयानी मुंगल को सम्मानित किया गया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस विश्व आपदा सम्मेलन के आयोजन के लिए उत्तराखंड से बेहतर स्थान और कोई नहीं हो सकता। अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय संस्थानों के सहयोग से आयोजित यह सम्मेलन आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक दूरदर्शी और अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने घोषणा की कि हरिद्वार, पंतनगर और औली में अत्याधुनिक मौसम पूर्वानुमान रडार स्थापित किए जाएंगे, जो राज्य में मौसम संबंधी चेतावनी तंत्र को और अधिक मजबूत बनाएंगे। डॉ. सिंह ने 'सिलक्यारा विजय अभियान' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान ने सिद्ध किया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, मजबूत नेतृत्व और वैज्ञानिक दक्षता किसी भी जटिल चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर सकती है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न हिमालयी राज्यों के प्रतिनिधि तथा देश-विदेश से आए वैज्ञानिक और शोधकर्ता हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तृत विचार-विमर्श करेंगे। साथ ही, तकनीकी नवाचार, अनुसंधान सहयोग तथा वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस रणनीतियां बनाई जाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सम्मेलन से प्राप्त सुझाव और समाधान न केवल उत्तराखंड, बल्कि पूरे विश्व के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। इस दौरान राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, सचिव नितेश झा, यूकॉस्ट महानिदेशक दुर्गेश पंत, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय के चेयरमैन कमल घनशाला, विभिन्न देशों के राजदूत, केंद्र एवं राज्य सरकार के अधिकारी, देश-विदेश से आए शोधकर्ता, विषय विशेषज्ञ मौजूद रहे।

समारोह में विमोचन करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं अन्य अतिथि।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एलबीएसए मसूरी पहुंचे

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर शुक्रवार शाम देहरादून पहुंचे। वह लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) मसूरी में विशेष समारोह को संबोधित करेंगे।

शाम करीब चार बजे विशेष विमान से जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुंचे रक्षा मंत्री का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि उत्तराखंड आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। कुछ देर बाद रक्षा मंत्री एमआई 17 हेलीकॉप्टर से मसूरी के लिए रवाना हुए। एलबीएसएनएए

- सिविल सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को करेंगे संबोधित

मसूरी स्थित पोलो ग्राउंड में सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रक्षा मंत्री का स्वागत किया। जानकारी के अनुसार, रक्षा मंत्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में प्रशिक्षु सिविल सेवा अधिकारियों को संबोधित करेंगे। समारोह के बाद रक्षा मंत्री दोपहर करीब 1:30 बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट से वापस दिल्ली को रवाना होंगे। वहीं, रक्षा मंत्री के आगमन पर मसूरी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

तीस सदस्यीय चुनाव समिति गठित रविन्द्र बिष्ट बने निर्वाचन सलाहकार

विधि संवाददाता, नैनीताल

- अनुभवी अधिवक्ताओं को सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पद पर अधिकृत किया

अमृत विचार: हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए नियुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी कुर्बान अली ने 30 सदस्यीय चुनाव समिति गठित की है, जिसमें रविन्द्र बिष्ट को कमेटी का निर्वाचन सलाहकार बनाया गया है।

चुनाव के प्रबंधन और व्यवस्था के लिए अन्य अनुभवी अधिवक्ताओं को सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पद पर अधिकृत किया गया है। इन अधिकारियों में वरिष्ठ और युवा अधिवक्ताओं का संतुलित मिश्रण शामिल है, जिनमें प्रमुख रूप से कमलेश तिवारी, चन्द्र मौली साह, मोहिन्दर बिष्ट, योगेश पांडे, भास्कर जोशी, मनोज मोहन, राजेश जोशी, गोपाल के. वर्मा, वीरेंद्र कपरूवान, मेनका त्रिपाठी, पंकज कपिल, प्रभा नैथानी, शीतल सेलवाल, देविका तिवारी, वन्दना सिंह, संगीता अधिकारी पाटनी के अलावा राजेश शर्मा, श्याम सुन्दर चौधरी, डीके बनकोटी, कार्तिकेय हरि गुप्ता, मनीष बिष्ट, सहायक चुनाव अधिकारी भूपेंद्र रावत, भूपेश कांडपाल, रवि जोशी, रजनी सुप्याल, राघव सिंघम, अक्षित गुरुरानी, चित्रार्थ कांडपाल, विश्वकेतु वैद्य के नाम शामिल हैं।

मुख्य चुनाव अधिकारी कुर्बान अली ने सभी अधिकृत सदस्यों से आग्रह किया है कि वे बार एसोसिएशन के चुनाव को सफल बनाने के लिए अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें। इस गठन से यह सुनिश्चित हो गया है कि हाईकोर्ट बार एसोसिएशन नैनीताल में चुनाव की प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। उन्होंने बार एसोसिएशन के सभी सदस्यों से 3 दिसम्बर से पूर्व सदस्यता शुल्क व चैंबर शुल्क जमा करने को कहा है। चुनाव समिति ने विभिन्न पदों के लिये आयु सीमा सहित अन्य अहर्ताएं भी निर्धारित कर दी हैं।

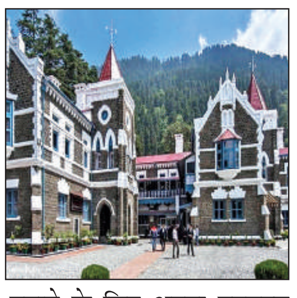

टाइगर कंजर्वेशन प्लान पेश करें कॉर्बेट निदेशक

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने दिए निर्देश

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने कॉर्बेट नेशनल पार्क में पर्यटक जिप्सियों के संचालन के मामले में सुनवाई करते हुए कॉर्बेट के निदेशक साकेत बडोला को निर्देश दिए कि वह अगली सुनवाई पर टाइगर कंजर्वेशन प्लान पेश करें और नई गाइडलाइंस का अध्ययन करें।

मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में शुक्रवार को कार्बेट के निदेशक बडोला अदालत में वर्चुअल पेश हुए और कहा कि ढिकाला जोन को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। कार्बेट पार्क में पर्यटक जिप्सियों का संचालन निर्धारित गाइडलाइन के तहत किया जाता है। वहन क्षमता के आधार पर इसकी संख्या निर्धारित है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की गाइड लाइन के तहत निश्चित फार्मूला तय है और पार्क के अंदर प्रशिक्षित चालक को ही जिप्सी संचालन की अनुमति दी जाती है। तय फार्मूले से अधिक संख्या में जिप्सियों का संचालन नहीं किया जा सकता है। इसके लिए कोर और बफर ज़ोन चिन्हित हैं। उन्होंने अदालत के सवाल के जवाब में कहा कि कार्बेट पार्क के अंदर निजी होटल और रिसॉर्ट मौजूद नहीं हैं। वह साइलेंट जोन से बाहर निजी या राजस्व भूमि पर मौजूद हैं। अदालत ने कहा कि रोजगार के बजाय पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीव संरक्षण महत्वपूर्ण है। अब अगली सुनवाई पांच दिसंबर को नियत की गई है।

एसएसपी व सदस्य हाईकोर्ट में तलब

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने नैनीताल में जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव में बवाल और सदस्यों के कथित अपहरण मामले में शुक्रवार को सुनवाई की।

खंडपीठ ने एसएसपी नैनीताल को आगामी तिथि तक की गई जांच प्रगति रिपोर्ट के साथ कोर्ट में पेश होने के निर्देश के अलावा कथित तौर पर अपहरण किए गए जिला पंचायत के पांचों सदस्यों को तलब किया है। अगली तिथि 3 दिसंबर नियत की गई है। मामले के अनुसार, इसी साल 14 अगस्त को नैनीताल के जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान उनके सदस्यों का कथित तौर पर अपहरण करने के मामले का हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें कई जीते हुए सदस्यों ने न्यायालय की शरण ली थी। बीडीसी सदस्य पूनम बिष्ट ने हाईकोर्ट में एक अन्य याचिका दायर कर कहा कि नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव में एक मतपत्र में ओवर राइटिंग कर क्रमांक 1 को 2 कर अमान्य घोषित कर दिया गया। याचिका में हाईकोर्ट से पुनः मतदान कराए जाने की प्रार्थना की गई, जिसका संज्ञान लेकर खंडपीठ जनहित याचिका के रूप में सुनवाई कर रही है।

प्रति उत्तर शपथ पत्र पेश करें

नैनीताल : हाईकोर्ट ने अपात्र विकलांगता प्रमाण पत्रों के ज़रिए शिक्षा विभाग में आरक्षण का लाभ ले रहे दर्जनों कार्मिकों के प्रमाण पत्रों की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। शुक्रवार को सम्बन्धित विभाग के निदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश हुए। उनके द्वारा अब तक की कार्यवाही के सम्बंध में शपथपत्र पेश किया गया, जिस पर कोर्ट ने उसका अवलोकन करके याचिकाकर्ता से कहा कि उस पर अपना प्रतिउत्तर शपथपत्र एक सप्ताह में पेश करें।

शिक्षकों को दें सभी पदोन्नति के लाभ

नैनीताल : हाईकोर्ट में शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में प्रदेश के एलटी शिक्षकों और प्रवक्ताओं की पदोन्नति के मामले पर दायर कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई हुई। खंडपीठ ने सरकार से कहा कि इनकी एक अंतिम वरिष्ठता सूची पेश करें। साथ ही, उनको सभी पदोन्नति के लाभ दें। सुनवाई पर राज्य सरकार की तरफ से वरिष्ठता सूची पेश की गई, जिस पर कोर्ट ने कहा कि एक अंतिम वरिष्ठता सूची बनाकर कोर्ट में पेश करें। अगली सुनवाई हेतु खंडपीठ ने आने वाले मंगलवार की तिथि नियत की है।

बैठक

महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने जिला सूचना अधिकारियों के साथ किया निदेशालय में संवाद, दिए निर्देश

पेशेवर दक्षता के साथ काम करें सूचना अधिकारी : डीजी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: महानिदेशक (डीजी) सूचना बंशीधर तिवारी ने जिला सूचना अधिकारियों (डीआईओ) को सरकार की जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रभावी संचार रणनीति बनाकर पेशेवर दक्षता के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मीडिया से बेहतर समन्वय बनाए रखने और पत्रकारों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के भी निर्देश दिए।

सूचना निदेशालय में आयोजित बैठक में डीजी तिवारी ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार को सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी व कर्मचारी समन्वित रूप से कार्य करें। सुनिश्चित करें कि योजनाओं से संबंधित सभी सूचनाएं स्पष्ट, सटीक और समय पर जनता तक पहुंचें। निर्देश दिए कि सोशल मीडिया के माध्यम से सरकारी कार्यक्रमों और उपलब्धियों की जानकारी व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाई जाए। सरकारी योजनाओं से जुड़ी सक्सेस स्टोरीज और रोचक लेखों का नियमित प्रकाशन सुनिश्चित करें। विभागीय सोशल मीडिया पेजों पर प्रकाशित की जाने वाली सामग्री पूर्णतः तथ्यात्मक, संतुलित और सकारात्मक हो तथा किसी भी अपुष्ट जानकारी के प्रसारण से पूरी तरह बचा जाए। बैठक में संयुक्त निदेशक केएस चौहान, डॉ. नितिन उपाध्याय, वरिष्ठ वित्त अधिकारी शशि सिंह, उप निदेशक रवि बिजारनियां, मनोज श्रीवास्तव सहित जिला सूचना अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

विभागीय पुनर्गठन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया

डीजी तिवारी ने कहा कि नए दौर की संचार आवश्यकताओं के अनुरूप विभागीय कार्यों की दक्षता बढ़ाने को आवश्यक सुविधाओं से लैस करने के साथ ही विभाग को सशक्त बनाने के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। विभागीय पुनर्गठन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। खाली पदों को भरने के लिए अधियाचन भेजा गया है। उन्होंने जिला सूचना कार्यालयों के कार्यों की प्रगति एवं व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी लेते हुए कहा कि कार्यालयों को शासकीय कार्यों के संपादन के लिए बजट की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने जिला सूचना कार्यालयों के भवन निर्माण के लिए भूमि तलाश करने के भी निर्देश दिए।

जिला सूचना कार्यालयों की भूमिका महत्वपूर्ण, समन्वय करें मजबूत

डीजी तिवारी ने कहा कि जिला सूचना कार्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए जिला स्तर पर मीडिया से समन्वय को और अधिक मजबूत किया जाए। निर्देशित किया कि डीआईओ सभी सरकारी कार्यक्रमों और जनहितकारी गतिविधियों की समयबद्ध कवरेज सुनिश्चित करें तथा स्थानीय स्तर पर सकारात्मक संचार वातावरण तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। आपदा सहित अन्य महत्वपूर्ण की घटनाओं की कवरेज की व्यवस्थाओं के संबंध में एसओपी तैयार करें। प्रेस सेवा पोर्टल एवं फिल्म शूटिंग की अनुमति के लिए सिंगल विंडो सिस्टम से संबंधित कार्य भी समयबद्ध ढंग से संपादित किए जाएं।

पतंजलि घी के निर्माता व वितरक पर जुर्माना

पिथौरागढ़: पिथौरागढ में पतंजलि घी के नमूने विफल होने पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट की अदालत ने पतंजलि घी के निर्माता, वितरक और खुदरा विक्रेता पर राज्य और केंद्रीय प्रयोगशाला में घी के नमूने विफल होने के बाद क्रमशः 1.25 लाख और 15,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। पिथौरागढ़ के सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त आरके शर्मा ने बताया कि एडीएम पिथौरागढ़ की अदालत में तीनों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 46/4 के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसने 19 नवंबर को फैसला सुनाया, जिसकी प्रति हमें आज मिली। शर्मा के अनुसार, अक्टूबर 2020 में घी के नमूने एकत्र किये गये और रुद्रपुर स्थित राज्य खाद्य प्रयोगशाला में भेजे गए, जहां नमूना विफल रहे।

पिथौरागढ़ में भूस्खलन युवक की दबने से मौत

संवाददाता, पिथौरागढ़

- पहाड़ी से निकले मलबे से मकान हुआ जमींदोज

अमृत विचार: क्षेत्र के रसगाड़ी में शुक्रवार तड़के भूस्खलन होने से एक मकान ध्वस्त हो गया। भीतर सो रहे युवक की मलबे में दबने से मौत हो गई। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। राजस्व और पुलिस विभाग की टीम ने शव को मलबे से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मिली जानकारी के मुताबिक, घटना तड़के करीब चार बजे हुई। रसगाड़ी के ओजपाली तोक में अचानक भूस्खलन होने से नीचे बना ललित मोहन जोशी का मकान ध्वस्त हो गया। मकान की छत गिर गई और पहाड़ी से निकला और मलबा और बोल्डर दीवार तोड़ते हुए भीतर घुस गया। भीतर सो रहा ललित मोहन जोशी का पुत्र भुवन जोशी (22) मलबे में दब गया। परिजनों के लिए भारी मात्रा में डंप मलबे को हटाना असंभव था। ग्रामीणों ने घटना की सूचना राजस्व विभाग और पुलिस को दी। दोनों विभागों की टीम ने मौके पर पहुंचकर बमुश्किल मलबा हटाया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। युवक भुवन जोशी की मलबे में दबने से मौत हो चुकी थी। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। तहसीलदार पिंकी आर्या ने बताया कि मृतक के परिजनों को सहायता राशि दी गई है।

सिटी ब्रीफ

अल्मोड़ा से दिल्ली जा रहे युवक की मौत

हल्द्वानी : अल्मोड़ा से दिल्ली के लिए निकले एक युवक की रास्ते में मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक अल्मोड़ा के डुंगर-भनोली, दन्या निवासी 30 वर्षीय त्रिलोक सिंह पेशे से पेंटर था। गुरुवार को वह किसी काम से दिल्ली जा रहा था। बताया जा रहा है कि भवाली पहुंचने से पहले ही रोडवेज बस में उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे हल्द्वानी के बेस अस्पताल लाए जहां डॉक्टर ने त्रिलोक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि परिजनों ने पूछताछ में बताया है कि वह कुछ समय से बीमार चल रहा था। उसकी दवाइयां चल रही थी। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, बचे लोग

हल्दूचौड़ : हल्दूचौड़ गन्ना सेंटर से चीनी मिल किच्छा की ओर जा रही गन्ने से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली सोमवार शाम हाईवे स्थित मुख्य चौराहे पर पलट गई। चौराहे पर खड़े ई-रिक्शा और ऑटो चालक ट्रॉली की चपेट में आने से बाल-बाल बचे। मौके पर मौजूद ई-रिक्शा एवं ऑटो चालकों ने ट्रॉली को अपनी ओर गिरते देख भागकर किसी तरह जान बचाई। हल्दूचौड़ से किच्छा के बीच ओवरलोड गन्ना ट्रॉलियों की आवाजाही पूर्व में भी दुर्घटनाओं का कारण बन चुकी है, जिससे स्थानीय लोगों में रोष है। हादसे के बाद हाईवे पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

चोरगलिया में धान खरीद में घटतौली पर जांच के आदेश

हल्द्वानी : उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ लिमिटेड के चोरगलिया लाखनमंडी सहकारी समिति के मैदान में धान तुलाई के दौरान बड़े पैमाने पर घटतौली का मामला सामने आया है। किसानों की शिकायत पर दोबारा की गई तुलाई में यह गड़बड़ी पकड़ी गई, जिसके बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया। अब जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। आरोप है कि प्रति ट्रॉली धान में 10 कट्टों तक की चपत लगाई जा रही थी। इस खुलासे के बाद आक्रोशित किसानों ने तत्काल धान क्रय केंद्र को बंद करा दिया। इस मामले में भुवन पोखरिया व अन्य ग्रामीणों ने शुक्रवार को जिलाधिकारी को शिकायत पत्र सौंपा। उन्होंने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को मामले की जांच के निर्देश जारी कर दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

यातायात व्यवस्था के मद्देनजर झालर ट्रॉली पर बैन, बारात घर से जनवासे की दूरी हो सिर्फ 200 मीटर

बैंड-बाजा बजाएं पर संभलकर, बारात पर पुलिस की नजर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

बैंड-बाजा और बैंक्वेट हॉल मालिकों के साथ बैठक करते एसएसपी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : न शादियों पर रोक है और न शादी के जश्न पर, लेकिन अगर शादी में बैंड-बाजा भी बजाना है तो जरा संभल कर। क्योंकि अगर बारात में हाई बेस बजा तो खैर नहीं। इसके साथ पुलिस ने उन झालर ट्रॉली पर बैन लगा दिया है, जिसकी वजह से यातायात प्रभावित होता है। साथ ही जनवासे और बारात घर के बीच की दूरी पर सीमित कर दी गई है। रात 10 बजे के बाद बारात के शोर-शराबे पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इसको लेकर बुधवार को एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी पहले ही चेतावनी जारी कर दी थी। साथ ही गुरुवार को इसको लेकर बैंड-बाजा और बैंक्वेट हॉल मालिकों के साथ हल्द्वानी कोतवाली सभागार में एक बैठक आयोजित की। जिसमें बताया गया कि सुगम यातायात व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्तमान में चल रहे शादी सीजन और लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव को लेकर उन्होंने सभी अधिकारियों, थाना और चौकी प्रभारियों व यातायात निरीक्षकों को कड़े निर्देश हैं। ताजा निर्देशों के तहत अब सभी वेडिंग पॉइंट, बैंक्वेट हॉल और वेडिंग आयोजनों पर पुलिस निगरानी रखेगी। वेडिंग हॉल संचालकों, डीजे संचालकों, बड़े व्हील लाइटिंग झालरों के संचालकों के साथ बैठक कर नियमों की जानकारी और नियमों का पालन कराना होगा। बारात में पहियों वाले बड़ी-बड़ी लाइटिंग झालर पूरी तरह प्रतिबंधित हैं और उल्लंघन पर जब्ती की जाएगी।

इसके अलावा केवल हाथ से पकड़कर चलाए जाने वाले लाइटिंग झालर की अनुमति होगी। बारात घर/वेन्यू के गेट से बारात की लंबाई अधिकतम 200 मीटर तक ही होगी, ताकि यातायात प्रभावित न हो। बारात की हेड और टेल को अनुशासित तरीके से संचालित किया जाएगा। शादी समारोह में सड़कों में हाई बेस बड़े-बड़े डीजे पर प्रतिबंधित लगा दिया गया है। इसके साथ ही, जनता, बुजुर्गों की शांति और बच्चों की पढ़ाई में बाधा को देखते हुए रात 10 बजे के बाद डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। यदि 10 बजे के बाद भी डीजे बजा तो कार्रवाई होगी। नियमों के उल्लंघन की सूचना कंट्रोल रूम के नंबर 9411112979 या 112 पर दी जा सकती है।

नैनी झील में जल मुर्गियां बनी आकर्षण का केंद्र

नैनीताल, अमृत विचार : सरोवर नगरी की नैनी झील में जल मुर्गियां इन दिनों सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। शुक्रवार को दर्जन भर से अधिक जल मुर्गियां झील में तैरती हुई देखी गईं। नैनी झील में अधिकांश जलमुर्गियां अक्टूबर व नवंबर माह में देखी जा सकती हैं। मगर इस बार गत वर्षों की तुलना में इनकी संख्या अधिक हो चली है। झील में नौका विहार करने वाले सैलानियों की नजर जब भी इन पर जाती है तो रोमांचित हो जाते हैं। जल मुर्गियों का भोजन मछली होती हैं। ये झील के भीतर गोता लगाकर मछली पकड़ लेती हैं और उन्हें अपना निवाला बनाती हैं।

राहत की बात: बेटियों की जन्मदर में बढ़त, चिकित्सा कर्मी भी खुश

राजकीय महिला अस्पताल में इस वित्तीय वर्ष में चार माह बेटों से अधिक पैदा हुईं बेटियां

नरेन्द्र देव सिंह, हल्द्वानी

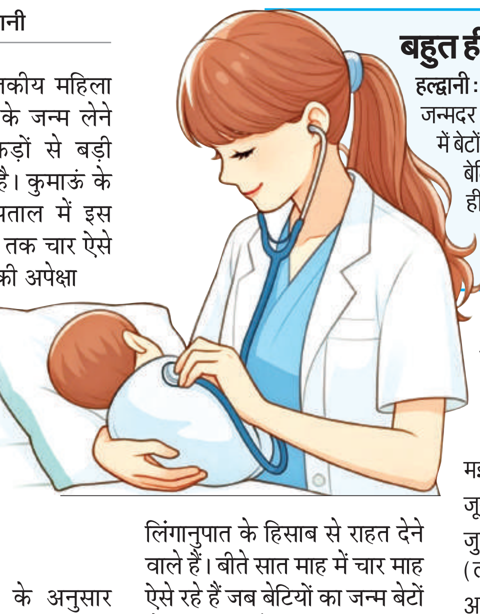

अमृत विचार: राजकीय महिला अस्पताल में बच्चों के जन्म लेने वाले माहवार आकड़ों से बड़ी खुशखबरी आ रही है। कुमाऊं के प्रमुख महिला अस्पताल में इस साल अप्रैल से अभी तक चार ऐसे महीने रहे जब बेटों की अपेक्षा बेटियों का जन्म अधिक हुआ। यही नहीं अभी तक पिछले सात माह में जन्म लेने वाले शिशुओं में बेटियों की संख्या लगभग बेटों के ही बराबर रही है।

उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार साल वित्तीय वर्ष 2024–2025 में केवल एक माह का ऐसा था जन्म लेने वाले शिशुओं में बेटों की संख्या बेटियों से कम रही। तब एक साल में महिला अस्पताल हल्द्वानी में 1904 बेटों का जन्म हुआ तो वहीं 1728 बेटियों का जन्म हुआ जो आंकड़ा कम ही था। लेकिन इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभी तक जो आंकड़े सामने आए हैं वो लिंगानुपात के हिसाब से राहत देने वाले हैं। बीते सात माह में चार माह ऐसे रहे हैं जब बेटियों का जन्म बेटों से ज्यादा रहा है।

यही नहीं इस साल सात माह में महिला अस्पताल में जहां 917 बेटों का जन्म हुआ है तो वहीं 904 बेटियों का जन्म हुआ है। इस वित्तीय वर्ष में अभी तक मई, जून, अगस्त और सितंबर माह ऐसे रहे हैं जब बेटियों का जन्म बेटों से अधिक हुआ है। इस खबर से अस्पताल प्रशासन भी खुश है।

बहुत ही राहत देने वाले हैं ये आंकड़े: सीएमएस

हल्द्वानी : अस्पताल की सीएमएस डॉ. उषा जंगपांगी ने बताया कि इस साल बेटियों की जन्मदर करीब-करीब बेटों के आसपास चल रही है जो यह बताता है कि अब लोगों में बेटों और बेटियों का भेद कम हो रहा है जबकि नेचर भी ऐसा है कि बेटों का जन्म बेटियों की अपेक्षा ज्यादा होता है। बेटियां हर क्षेत्र में नाम रोशन कर रहीं हैं। साथ ही अब परिवार नियोजन को अपनाने वाले माता-पिताओं की संख्या भी काफी बढ़ रही है। यह आंकड़ा बढ़ता रहे और लोगों की समझ बढ़ती रहे जिससे बेटियों की जन्म लेने की संख्या बढ़ती रही।

महिला अस्पताल में प्रसव के मासिक आंकड़े

साल 2024–2025 के मासिक आंकड़े

माह	लड़के	लड़कियां
अप्रैल	114	92
मई	148	125
जून	150	144
जुलाई (लड़कियां अधिक)	147	155
अगस्त	200	196
सितंबर	210	179
अक्टूबर	183	156
नवंबर	162	157
दिसंबर	129	137
जनवरी	192	135
फरवरी	134	143
मार्च	135	109

(कुल : लड़के – 1904, लड़कियां – 1728)

साल 2025–2026 के उपलब्ध मासिक आंकड़े

माह	लड़के	लड़कियां
अप्रैल	111	79
मई	105	121
जून	97	117
जुलाई	144	122
अगस्त	159	169
सितंबर	152	157
अक्टूबर	149	139

कुल (अप्रैल–अक्टूबर) : लड़के – 917, लड़कियां – 904

अस्पतालों का निरीक्षण करते चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. अजय आर्या। ● अमृत विचार

कैंसर संस्थान में हर 15 दिन में करें कार्यों की मॉनिटरिंग: डॉ आर्या

संवाददाता, हल्द्वानी

- चिकित्सा शिक्षा निदेशक ने दिए निर्देश
- टीबी और चेस्ट विभाग व कैंसर संस्थान का किया निरीक्षण

अमृत विचार: चिकित्सा शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. अजय आर्या ने शुक्रवार को स्वामी राम कैंसर संस्थान और टीबी चेस्ट विभाग का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभागाध्यक्षों से संस्थान की वर्तमान स्थिति, उपचार सुविधाओं तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान डॉ. आर्या ने राज्य कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. केसी पांडे से राज्य कैंसर संस्थान और टीबी चेस्ट विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरजी नौटियाल से विभागीय व्यवस्थाओं पर चर्चा की। उन्होंने कैंसर वार्ड, टीबी वार्ड, उपलब्ध उपकरणों और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं को देखा।

उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों से आईसीयू और ऑपरेशन थियेटर के चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति जानी और निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। कहा कि निर्माण एजेंसी विभागाध्यक्षों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य को समयबद्ध रूप से पूरा करें। साथ ही उन्होंने डॉ. केसी पांडे को हर 15 दिन में निर्माण कार्यों की मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। डॉ. आर्या ने कहा कि हल्द्वानी का कैंसर हॉस्पिटल कुमाऊं तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मरीजों के लिए वरदान सिद्ध हो रहा है। जल्द ही स्पेशलिटी एवं सुपर स्पेशलिटी चिकित्सकों की कमी दूर की जाएगी, जिससे मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिलेंगी। निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल, डॉ. निर्दोष पंत, डॉ. जलज गौड़, डॉ. ललित, डॉ. नलिन गोयल, पंकज बोरा, हिमांशु आदि रहे।

मांस प्रकरण: तीन को मिली जमानत

संवाददाता, रामनगर

आरोपियों के अधिवक्ता दीपक जोशी व अन्य अधिवक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: रामनगर के चर्चित मांस प्रकरण में शुक्रवार एक बड़ा अपडेट सामने आया है। बीती 23 अक्टूबर को रामनगर के ग्राम छोई क्षेत्र में हुए इस मामले में रामनगर स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने तीन आरोपियों को जमानत दे दी है। जेल में बंद इन तीनों आरोपियों की जमानत मंजूर होने पर परिजनों में राहत और खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है।

मामले की जानकारी देते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दीपक जोशी ने बताया कि यह पूरा प्रकरण नूरजहां द्वारा दी गई तहरीर से जुड़ा है।

इस मामले में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष मदन जोशी को मुख्य आरोपी बनाया गया था, जो फिलहाल जेल में बंद हैं। वहीं तीन अन्य आरोपी करन उर्फ कपिल बिष्ट, विकास उर्फ विकास, और श्याम सिंह उर्फ संजू जेल में थे, जिनकी जमानत आज अदालत ने मंजूर कर ली है। अधिवक्ता दीपक जोशी ने बताया कि जमानत याचिका दायर करने के बाद अदालत ने सभी तथ्यों पर विचार करते हुए तीनों आरोपियों की जमानत मंजूर की। जमानत शर्त के अनुसार प्रत्येक आरोपी को एक-एक लाख रुपये के जमानती कोर्ट में पेश करने होंगे। उन्होंने कहा कि यह आदेश भविष्य में अन्य आरोपियों की जमानत पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, क्योंकि अब मामला पैरिटी बेस पर देखा जा सकता है।

सड़क हादसे में मौत पर स्कूटी चालक पर केस

हल्द्वानी : सड़क हादसे में महिला की मौत के मामले में पुलिस ने स्कूटी चालक हिमांशु सागर पुत्र मदन लाल सागर के खिलाफ पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाली में दी तहरीर में लाइन नंबर 12 आजाद नगर निवासी अंकित पाल पुत्र कृष्ण कुमार पाल ने लिखा, बीती 25 नवंबर को उनकी मां आशा पाल दवा लेकर घर लौट रही थीं और धर्मपुरा बरेली रोड पर सड़क पार करने के लिए सड़क किनारे खड़ीं थी कि तभी तेज रफ्तार स्कूटी ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर से आशा डिवाइडर से जा टकराईं। उन्हें फौरन एसटीएच पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस ारोपी को तलाश रही है।

भाकपा (माले) नेता राजा बहुगुणा का निधन

संवाददाता, हल्द्वानी

राजा बहुगुणा। (फाइल फोटो)

- लिवर कैंसर से थे पीड़ित, दिल्ली के अस्पताल में ली अंतिम सांस
- आज रानीबाग स्थित विद्युत शवदाह गृह में होगा अंतिम संस्कार

अमृत विचार: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी- लेनिनवादी) लिबरेशन के केंद्रीय कंट्रोल कमीशन के अध्यक्ष कॉमरेड राजा बहुगुणा का दिल्ली के एक अस्पताल में शुक्रवार को निधन हो गया। 78 वर्षीय बहुगुणा वर्ष 2023 से लिवर कैंसर से पीड़ित थे। उनके निधन पर विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को रानीबाग स्थित विद्युत शवदाह गृह में किया जाएगा।

राजा बहुगुणा का राजनीतिक जीवन, उनके कॉलेज काल के शुरुआती दिनों में नैनीताल से शुरू हुआ। पहले वह युवा कांग्रेस से जुड़े लेकिन 1970 के दशक में आपातकाल विरोधी आंदोलन और वन आंदोलन (चिपको आंदोलन) से जुड़ गए। 70 के दशक के उत्तरार्द्ध में वे उत्तराखंड संघर्ष वाहिनी में शामिल हो गए। अस्सी के दशक के शुरुआती वर्षों में वह भाकपा (माले) में जुड़ गए। राज्य निर्माण के आंदोलन में भी वह सक्रिय रहे। राजा बहुगुणा इंडियन पीपल्स फ्रंट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष थे। उन्होंने बिंदुखत्ता में भूमिहीनों को भूमि वितरण के आंदोलन और तराई के क्षेत्र में महिला उत्पीड़न के खिलाफ महतोष मोड़ जैसे आंदोलनों का भी नेतृत्व किया। वो पार्टी के उत्तराखंड राज्य सचिव, केंद्रीय कमेटी सदस्य, ट्रेड यूनियन एक्टू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और एआईपीएफ की केंद्रीय कार्यकारिणी के सदस्य थे। पटना में 2023 में हुए 11 वें पार्टी महाधिवेशन में वे केंद्रीय कंट्रोल कमीशन के अध्यक्ष चुने गए। भाकपा माले के जिला सचिव डॉ. कैलाश पांडे ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार शनिवार को रानीबाग में होगा।

विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने जताया शोक

हल्द्वानी : देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल व राज्य आंदोलनकारी समाज संगठन ने कामरेड राजा बहुगुणा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। संस्थापक अध्यक्ष हुकम सिंह कुंवर ने कहा कि राजा बहुगुणा जनसंघर्षों की मिसाल थे, उनका राज्य आंदोलन में भी बड़ा योगदान था। इस दौरान जगमोहन चिलवाल, बृज मोहन सिजवाली, नरेश चंद्र भट्ट, केदार पलड़िया, बालम सिंह बिष्ट, भुवन तिवारी, पंकज सुयाल, विनोद घड़ियाल थे।

बीएसएनएल की ई-सिम सेवा का सफल परीक्षण

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बीएसएएल ने देशभर में अपनी ई-सिम सेवा शुरू कर दी है, जिसके बाद ग्राहकों को बिना फिजिकल सिम के भी मोबाइल नेटवर्क की सुविधा मिल सकेगी। यह सुविधा प्रीपेड और पोस्टपेड दोनों ग्राहकों के लिए उपलब्ध है।

हल्द्वानी में इस सेवा का सफल परीक्षण किया गया, जहां कॉल और इंटरनेट की क्वालिटी साफ, स्थिर और भरोसेमंद पाई गई। सेवा को लेकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है और कई लोग इसे अपनाने के इच्छुक नजर आए। बीएसएनएल के उपमंडलीय अभियंता, सीसीएन हल्द्वानी सुरेश चंद्रा ने बताया कि ई-सिम कन्वर्जन फिलहाल केवल बीएसएनएल कार्यालय या अधिकृत फ्रैंचाइजी के माध्यम से ही कराया जा सकता है। ई-सिम सुविधा का लाभ वही ग्राहक ले सकते हैं जिनका मोबाइल फोन ई-सिम सपोर्टेड हो।

ई-सिम के ये होते हैं फायदे

- खोने या चोरी का खतरा नहीं क्योंकि यह मोबाइल डिवाइस के अंदर एम्बेडेड रहती है।
- मोबाइल गुम होने की स्थिति में ई-सिम को निकालना या उसका दुरुपयोग करना संभव नहीं होता।
- ई-सिम सपोर्ट वाले मोबाइल में एक फिजिकल सिम और एक ई-सिम का उपयोग कर सकते हैं।
- क्यूआर कोड स्कैन करके ई-सिम को आसानी से सक्रिय किया जा सकता है।
- कॉल और इंटरनेट की क्वालिटी साफ, स्थिर और बेहतर रहती है।

नई पहल

शहर की यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार कर रही पुलिस

शहर के बाहर से होगा वॉल्वो बसों का संचालन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

बस मालिकों के साथ बैठक करते टीआई महेश चंद्रा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए पुलिस मास्टर प्लान के साथ कड़े कदम उठा रही है और इसी के तहत प्राइवेट वॉल्वो बसों को शहर से बाहर कर दिया गया। इंटरसिटी और सिडकुल की बसों पर जल्द फैसला लिया जाना है। इसको लेकर शुक्रवार को टीआई ने बस मालिकों के साथ बैठक की है।

हल्द्वानी कोतवाली सभागार में हुई बैठक में टीआई महेश चंद्रा ने बस मालिकों से कहा, बड़े वाहनों की वजह से शहर का यातायात प्रभावित हो रहा है और खासतौर पर बसों की वजह से। रोडवेज, केमू और इंटरसिटी बसों के अलावा शहर से प्राइवेट वॉल्वो बसें संचालित होती हैं, जो लखनऊ, दिल्ली, राजस्थान आदि शहर व राज्यों के लिए सवारियां ले जाती हैं। शुक्रवार को तय किया गया है कि यह वॉल्वो बसें अब शहर से संचालित नहीं होंगी। सवारियों को अब यह बसें नरीमन तिराहे और बरेली रोड पर हॉडा तिराहे से मिलेंगी। इन बसों को अब शहर के पार जाने के लिए गौला बाईपास का इस्तेमाल करना होगा। टीआई ने बताया कि इसमें सिडकुल की बसों को भी शामिल किया गया था, लेकिन इसमें कई दिक्कतें आ रही हैं। मसलन, सिडकुल की कंपनियों में काम करने वालों को एक स्थान से ले जाना संभव नहीं है। क्योंकि सिडकुल कर्मी शहर के कोने-कोने में रहते हैं और सबका एक स्थान पर एकत्र होना संभव नहीं है। टीआई का कहना है कि इस पर उच्चाधिकारी जल्द फैसला लेंगे।

बस मालिकों-चालकों के लिए व्हाट्सएप ग्रुप

हल्द्वानी : टीआई के मुताबिक, किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए अब एक व्हाट्सएप ग्रुप बना दिया गया है, जिसमें बस मालिकों और चालकों को जोड़ा जा रहा है। इस ग्रुप में सिडकुल, केमू, रोडवेज और प्राइवेट बस के मालिक, चालक होंगे। शहर में होने वाले बड़े आयोजनों के लिए जारी होने वाला रूट डायवर्जन इस ग्रुप में डाल दिया जाएगा। ताकि कोई यह न कह सके कि उन्हें डायवर्जन की जानकारी नहीं थी। हालांकि पुलिस मीडिया के जरिये ऐसी सूचनाएं पहले ही प्रकाशित करा देती है।

खुद को कैंची घोंपने वाले अधेड़ की 6 दिन बाद मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : छह दिन पहले हल्द्वानी कोतवाली के राजपुरा क्षेत्र में किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अनबन हो गई। बात इतनी बढ़ी कि पति ने पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमलाकर दिया, लेकिन बेटा बीच में आ गया। जिसके बाद आक्रोशित पति ने अपने ही पेट में कैंची घोंप ली। पिछले छह दिनों से उसका उपचार चल रहा था और शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजेंद्रनगर गली नंबर-2 राजपुरा निवासी राकेश सक्सेना (47 वर्ष) उर्फ टीटू पेशे से दर्जी था और घर के पास ही उसकी दुकान थी। बीती 23 नवंबर की रात राकेश का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। नाराज राकेश ने पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला किया, लेकिन बेटा बीच में आ गया। जिसके बाद पत्नी अपने कमरे में और बच्चे बाहर चले गए। इसी बीच गुस्से में आकर राकेश ने कपड़े काटने वाली बड़ी कैंची से अपने पेट पर एक के बाद तीन बार वार कर लिए।

कैंची के लगातार तीन वार से राकेश बुरी तरह लहूलुहान हो गया। आनन-फानन में परिजन राकेश को लेकर डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय पहुंचे, जहां लंबे चले उपचार के बाद शुक्रवार भोर में उसकी मौत हो गई। एसएसआई एसएस सागर ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिटी ब्रीफ

छात्रों का वनस्पति विज्ञान विभाग में शैक्षिक भ्रमण

नैनीताल : एसओएस हरमन माइनर डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने डीएसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान विभाग में शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने हर्बेरियम, ग्लास हाउस सहित विभिन्न दुर्लभ पौधों का अवलोकन कर विषय से जुड़े महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी, पंतनगर विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति चतुर्वेदी, डॉ. कपिल, डॉ. सुषमा, डॉ. नीलू और डॉ. नवीन ने विद्यार्थियों को हर्बेरियम संग्रह दिखाया और हर्बेरियम तैयार करने की संपूर्ण प्रक्रिया समझाई। उन्होंने पौधों के संरक्षण, वर्गिकी तथा अध्ययन के वैज्ञानिक तरीकों पर भी विस्तृत जानकारी दी। भ्रमण के दौरान छात्रों ने जिनको सेफलोटेक्स समेत कई महत्वपूर्ण और दुर्लभ प्रजातियों के पौधों को करीब से देखा। शिक्षकों ने छात्रों को इन पौधों की विशेषताओं, उपयोगिता और वैज्ञानिक महत्व के बारे में भी बताया।

विमर्श के तृतीय संस्करण का लोकार्पण

नैनीताल : कुमाऊं विवि नैनीताल की छात्र पत्रिका न्यूजलेटर विमर्श के तृतीय संस्करण का लोकार्पण कुलपति प्रो. दिवान एस. रावत ने किया। उन्होंने बताया कि विमर्श के प्रथम अंक का औपचारिक विमोचन जून माह में कुलाधिपति एवं उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किया था। इसके शिक्षक संपादक प्रो. रीतेश साह व छात्र संपादक मंडल में नंदिनी जोशी, आस्था और पदमा शामिल हैं। छात्र संपादक मंडल ने सामग्री संग्रह, डिजाइन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विधि महोत्सव में तीस विभूतियों को मिला उत्तराखंड गौरव सम्मान

टैक्स बार ने आयोजित किया विधि महोत्सव, पद्मश्री डॉ. माधुरी बड़थ्वाल रहीं मुख्य अतिथि

संवाददाता, रामनगर

कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. माधुरी बड़थ्वाल के साथ अधिवक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: टैक्स बार द्वारा आयोजित विधि महोत्सव में नगर की विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली प्रतिष्ठित हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. माधुरी बड़थ्वाल ने उपस्थित लोगों से कहा कि राज्य की बेहतरी के लिए अपने अपने क्षेत्र में लोगों को सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक करने का प्रयास जरूर करे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि चंद्रशेखर जोशी, निदेशक वासुदेव कॉलेज ऑफ लॉ हल्द्वानी ताराचंद्र घिंडियाल, संयोजक नेकी की दीवार, राहुल अग्रवाल, निदेशक ओम साई कंप्यूटर, पीरूमदारा एवं हरीमान अध्यक्ष होटल एसोसिएशन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधि महोत्सव की अध्यक्षता एडवोकेट पूरन चंद्र पांडे ने की तथा संचालन उपसचिव मनु अग्रवाल, फ़िरोज़ अंसारी के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में संविधान दिवस एवं विधि महोत्सव पर विशेष चर्चा की गई। इसी क्रम में रामनगर क्षेत्र में सामाजिक सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 30 नागरिकों को 'उत्तराखंड गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, नरेन्द्र शर्मा, भुवन डंगवाल, प्रेमचंद्र जोशी, हेम चंद्र पांडे, शिशुपाल सिंह रावत, दीप रजवार, इमरान अहमद खान, विनीत रिखाड़ी, मोहित अग्रवाल, सुबोध चमोली, राम भरोसे लाल, मालवी दुआ, रुचिका रानी, दिनेश जोशी, कपिल कुमार, एडवोकेट विक्रम भट्ट, नसीम अहमद, दीप गुणवंत, हरीश सनवाल, तहसीन रजा आदि शामिल रहे।

इसके अलावा डॉ. गिरीश घुघुतीयाल, याना खान, पंकज रावत, हेमचंद्र भट्ट, घनश्याम गोला, प्रदीप पुठिया, खस्ती नंदन जोशी, हाईकोर्ट के अक्षय लटवाल, सौरभ अधिकारी का सम्मान उनकी अनुपस्थिति में बार के सचिव द्वारा ग्रहण किया गया। कार्यक्रम में पूनम गुप्ता, शबाना सैफी, इंदु ध्यानी, पूजा पटवाल, एडवोकेट प्रबल बंसल, गौरव गोला, विशाल रस्तोगी, गुलरेज रजा, लईक अहमद, सागर भट्ट, मनोज बिष्ट, जिशान मलिक, शोभित अग्रवाल, फैजुल हक, संजीव अग्रवाल, भोपाल रावत, नावेद सैफी, राज्य कर विभाग से असिस्टेंट कमिश्नर अनिल सिन्हा, राज्य कर अधिकारी अजय प्रकाश, केंद्रीय जीएसटी इंस्पेक्टर मोनिका पंत, तथा वरिष्ठ खाद्य संरक्षा अधिकारी असलम खान सहित कई अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में अरहीन, इमरान और गायत्री रिखाड़ी द्वारा मनमोहक संगीत प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

यौन उत्पीड़न निवारण पर संगोष्ठी आयोजित

हल्दूचौड़: लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हल्दूचौड़ में प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सीमा श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में यौन उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डीएलएसए में पैनल अधिवक्ता हेमलता उप्रेती ने यौन उत्पीड़न रोकथाम को विद्यार्थियों के साथ विधिक जानकारियों को साझा किया। एसआई. कोतवाली लालकुआं वंदना चौहान ने विद्यार्थियों को समाज में फैली विभिन्न बुराइयों से आगाह करते हुए इनके बचाव एवं साथ ही पास्को एक्ट, नशे के दुष्प्रभावों और बीएनएस की विभिन्न धाराओं से अवगत कराया। डॉ. बिपिन चन्द्र जोशी ने महाविद्यालय में महिला उत्पीड़न निवारण एवं जाति भेदभाव समिति के कार्यक्रमों से अवगत कराया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों से वक्ताओं द्वारा दी गई कानून, नशा उन्मूलन और संविधान की जानकारी को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. बीना मथेला, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. ललित मोहन पाण्डे, डॉ. गीता तिवारी पाण्डे, डॉ. सरोज पंत, डॉ. चंद्रकांता, डॉ. हेम चन्द्र पाण्डे, डॉ. सुनीता भंडारी, डॉ. मनोज पंत, डॉ. मनोज जोशी, डॉ. राजेन्द्र कुमार सनवाल, डॉ. नीलम कनवाल, डॉ. कमलेश्वर त्रिपाठी डॉ. कल्पना साह समेत अन्य प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नैनीताल में छापेमारी करती खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम। ● अमृत विचार

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने की छापेमारी

- दर्जनभर से अधिक रेस्टोरेंट व दुकानों में चला स्वच्छता अभियान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नगर के गाड़ी पड़ाव क्षेत्र में शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया। अचानक हुई इस छापेमारी से होटल-रेस्टोरेंट संचालकों में हड़कंप मच गया।

टीम ने दर्जनभर से अधिक रेस्टोरेंट व खाद्य दुकानों की जांच कर स्वच्छता मानकों का आकलन किया। एसडीएम नैनीताल नवाजिश खालिक के निर्देश पर चली इस कार्रवाई में अधिकारियों ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, किचन की सफाई, स्टोरेज व्यवस्था और कर्मचारियों के हाइजीन से जुड़े मानकों की जांच की। कई स्थानों पर अव्यवस्थाएं मिलने पर संचालकों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए।

टीम ने खाद्य व्यवसायियों को साफ-सफाई बनाए रखने और खाद्य सुरक्षा अधिनियम का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी भी दी। अभियान के दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय कुमार सिंह, एएस रावत, अमित चौधरी सहित विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि शहर में स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

विधायक भगत ने 40 वर्षों बाद बनी सड़क का किया लोकार्पण

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: शुक्रवार को नगरपालिका में वार्ड नंबर 6 में 38 लाख रुपए की धनराशि से बनी सड़क का विधायक बंशीधर भगत व नगर पालिका अध्यक्ष रेखा कत्यूरा लोकार्पण कर नगर वासियों को समर्पित किया। बताते चलें 40 वर्षों से 125 से अधिक परिवारों को सड़क के अभाव में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विधायक बंशीधर भगत ने वार्ड नं 6 में स्थित रास्ते का एसडीएम, पुलिस प्रशासन के साथ निरीक्षण कर समाधान कर मार्ग के निमार्ण कार्य शुरू करने के निर्देश दिये थे।

फीता काटकर सड़क का लोकार्पण करते विधायक बंशीधर भगत। ● अमृत विचार

नगरवासी जीवन तिवारी, नारायण सिंह, त्रिलोक सिंह रावत, भूपाल सिंह मेहरा, धीरज सिंह, केदार पांडे, हरीश गुरो, भोपाल सिंह मेहरा, गंगा सिंह बिष्ट, भास्कर गुणवंत, खीम सिंह दसोनी, गिरीश पांडे कमल शर्मा जगत सती राजू तिवारी ने विधायक बंशीधर भगत का आभार जताया। इस दौरान ईओ अभिनव कुमार, विधायक प्रतिनिधि विकास भगत, मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल, हरीश मेहरा, राजेंद्र सिंह जलाल, कुंदन जंतवाल, रोहित बुढ़लाकोटी, भगवान कुमटिया, पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती टम्टा आदि मौजूद रहे।

डिग्री कालेज 47वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आगाज

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को 47वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह का शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय परिसर स्थित क्रीड़ा मैदान में शुरू हुए इस दो दिवसीय समारोह में छात्र–छात्राओं के उत्साहपूर्ण सहभाग ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।

क्रीड़ा प्रभारी डॉ. योगेश चन्द्र ने बताया कि ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स के तहत विभिन्न प्रतिस्पर्धाएं छात्र और छात्रा वर्ग के लिए अलग-अलग आयोजित की जा रही हैं। पहले ही दिन प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला और मैदान में खेल भावना का शानदार प्रदर्शन नजर आया। कार्यक्रम में स्पीड और सहनशक्ति की कई दौड़ें आयोजित की जा रही हैं, जिनमें 100 मीटर, 200 मीटर, चार सौ मीटर, आठ सौ मीटर, 15 सौ मीटर, 5 हजार मीटर व 10 हजार मीटर शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित किया।

प्रक्षेपण एवं कूद की स्पर्धाओं में भी खिलाड़ी पूरे जोश के साथ भाग ले रहे हैं। इनमें तार गोला (शॉट पुट), चक्का फेंक (डिस्कस थ्रो), भाला फेंक (जैवलिन थ्रो), ऊंची कूद (हाई जंप), लंबी कूद (लॉन्ग जंप), त्रिकूद (ट्रिपल जंप) शामिल हैं। कई प्रतिभागियों ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों और निर्णायकों को प्रभावित किया।

नैनी झील किनारे दीवार निर्माण से पहले मिट्टी की जांच का काम शुरू

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनी झील के किनारे पुरानी सुरक्षा दीवारों की मजबूती एवं पुनर्निर्माण से पहले लोअर माल रोड की मिट्टी की भार-वहन क्षमता का परीक्षण किया जा रहा है। सिंचाई विभाग ने शुक्रवार से लोअर मालरोड़ मे सुचना विभाग से बोट हाउस क्लब के समीप मिट्टी परीक्षण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

उत्तराखंड एग्रीकल्चर मड टेस्टिंग लैब की टीम लोअर माल रोड पर बोट स्टैंड से लेकर तल्लीताल फांसी गधेरे तक कुल सात स्थानों से मिट्टी के नमूने एकत्र कर जांच कर रही है। रिपोर्ट के आधार पर झील किनारे दीवारों के सुधार एवं निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। सिंचाई विभाग के एई ललित कश्यप ने बताया कि झील की सुरक्षा दीवारें काफी पुरानी हैं और इनके निर्माण विधि तथा झील किनारे की मिट्टी के प्रकार को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विस्तृत परीक्षण आवश्यक है। बताया कि मिट्टी की रिपोर्ट आने के बाद भार-वहन क्षमता के अनुसार दीवारों की मरम्मत एवं मजबूतीकरण का प्लान तैयार किया जाएगा। झील किनारे कई स्थानों पर रॉक स्ट्रक्चर की भी जांच की जाएगी।

दीवार निर्माण से पहले मिट्टी की जांच करती उत्तराखंड एग्रीकल्चर मड टेस्टिंग लैब की टीम।

ग्रामीण क्षेत्रों में प्राधिकरण पर रोक लगाने की मांग

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद अजय भट्ट से मुलाकात कर ग्रामीण क्षेत्रों में प्राधिकरण की वजह से हो रही परेशानियों से अवगत कराया है। शुक्रवार को भाजपा नेता विपिन कांडपाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सांसद अजय भट्ट से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि क्षेत्र में कोई व्यक्ति अपना निजी निवास या गोशाला भी बना रहा है तो उसमें भी प्राधिकरण नोटिस दे रही है। जिसकी वजह से लोगों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि अगर कोई व्यावसायिक गतिविधियां व रिजॉर्ट बनता है तो उसमें प्राधिकरण नक्शा पास करता है तो उसमें उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में प्राधिकरण पर रोक लगाने की मांग की है। सांसद अजय भट्ट ने मामला संज्ञान लेते हुए कहा कि वह इस विषय पर मुख्यमंत्री धामी से वार्ता कर उन्हें समस्याओं से अवगत कराएंगे। ज्ञापन देने वालों में मयंक अधिकारी, कैलाश चंद तिवारी, मोहन चंद्र तिवारी, अनिल कंबोज व पीतांबर तिवारी आदि मौजूद रहे।

सांसद भट्ट को ज्ञापन देते विपिन कांडपाल।

वैज्ञानिक डॉ. भाकुनी ने छात्रों को सफलता के लिए दिए टिप्स

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी कैंपस में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान में प्रख्यात वैज्ञानिक, उद्यमी और लेखक तथा कैंपस के पूर्व छात्र डॉ. रूप सिंह भाकुनी ने फोंड मेमोरीज़ फ्रॉम द कॉरिडोर ऑफ डीएसबी कैंपस शीर्षक से अपने जीवन के अनमोल पलों और शोध यात्रा की कहानी सुनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने की।

डीएसबी कैंपस में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथि।

अपने भावुक संबोधन में डॉ. भाकुनी ने बताया कि डीएसबी कैंपस की कक्षाएं, प्रयोगशाला और हॉस्टल की वो शामें ही थीं जिन्होंने उन्हें एक साधारण पहाड़ी छात्र से विश्व स्तर के वैज्ञानिक और उद्योगपति बनाया। बताया कि कैसे कैंपस के प्रोफेसरों की प्रेरणा और साथियों की मित्रता ने उनकी जिज्ञासा को वैज्ञानिक दिशा दी। पॉलीमर साइंस और टायर टेक्नोलॉजी में विश्व प्रसिद्धि प्राप्त डॉ. भाकुनी ने अपने 70 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पेटेंट, हुंडई स्टील (दक्षिण कोरिया) में उच्च पद पर कार्यकाल और भारत में कई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की सफलता गाथा सुनाई। यहां कुलपति प्रो डीएस रावत, प्रो. चित्रा पांडे, डॉ. नीता बोरा शर्मा, प्रो. एचसीएस. बिष्ट, प्रो. रितेश शाह, प्रो. एनजी साहू, डॉ. सुहेल जावेद, प्रो. महेश चंद्र आर्या, डॉ. मनोज धौनी, डॉ. पैनी जोशी, डॉ. ललित मोहन आदि रहे।

संकुल स्तरीय संघ की वार्षिक बैठक

भीमताल : विकासखण्ड ओखलकांडा न्याय पंचायत डालकंडिया पतलोट लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस में नव ज्योति संकुल स्तरीय संघ की वार्षिक आम सभा की बैठक हुई। ब्लाक प्रमुख केडी रूबाली की अध्यक्षता में हुई बैठक में समाज कल्याण अधिकारी ने समाज कल्याण संबंधी जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से ग्रामीणों को अवगत कराया गया। इस दौरान सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई और उद्यम अपना स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया। ब्लॉक प्रमुख ने लाभार्थियों को चेक वितरित किए। ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य व महिला समूह के पदाधिकारी रहे।

हल्द्वानी-भीमताल मोटर मार्ग में लगे जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

हल्द्वानी-भीमताल मोटर मार्ग पर लग रहा लंबा जाम

भीमताल : हल्द्वानी-भीमताल मोटर मार्ग पर इन दिनों डामरीकरण का कार्य चल रहा है। पूर्व में उचित यातायात व्यवस्था न किए जाने के कारण कार्य स्थल के दोनों ओर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। इससे पर्वतीय क्षेत्र से मैदानी क्षेत्र की ओर जाने वाले यात्री, तथा मैदानी क्षेत्रों से पर्वतीय क्षेत्र को जा रहे लोग घंटों तक परेशान रहे। मालूम हो कि मैदानी क्षेत्र से टैक्सी की गाड़ियों से लोग धारचूला तक जाते हैं। ऐसे में दिन के समय चलने वाले वाहन लगभग डेढ़ घंटा यातायात जाम में फंसे रहे। अन्य वाहनों में बैठे लोग भी खासे परेशान दिखे। इस दौरान जाम में फंसे लोगों ने अवगत कराया की डामरीकरण का कार्य नितांत आवश्यक है पर वही इस कार्य को करने के लिए यदि पूर्व से प्लानिंग की जाए और एक-एक करके वाहनों को कभी ऊपर से और कभी नीचे से छोड़ जाए तो यातायात जाम से निजात मिल सकती है। स्थानीय प्रभावित वाहनों चालकों ने भी कार्यदायी संस्था से प्लानिंग के तहत डामरीकरण का कार्य गुणवत्ता के साथ करवाने की मांग की है।

खेल-खिलाड़ी

राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण के साथ समापन

खो-खो में नैनीताल, बागेश्वर, दून व पिथौरागढ़ चैंपियन

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: ज्ञान प्रकाश इंटर कॉलेज धमोला में आयोजित राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का समापन हो गया है। प्रतियोगिता में अंडर-14 बालक वर्ग में देहरादून तथा बालिका वर्ग में बागेश्वर, अंडर-17 बालक वर्ग में नैनीताल तथा बालिका वर्ग में बागेश्वर, वहीं अंडर-19 बालक वर्ग में बागेश्वर और बालिका वर्ग में पिथौरागढ़ चैंपियन बना। ओवरऑल चैंपियनशिप पर बागेश्वर ने कब्जा जमाया। शुक्रवार को प्रतियोगिता के तीसरे दिन अंडर-14 बालक वर्ग के फाइनल में देहरादून ने टिहरी को एक अंक से हराकर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। नैनीताल ने ऊधमसिंह नगर को 21-14 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विजेता टीम को ट्राफी देते मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष कत्यूरा।

बालिका वर्ग में बागेश्वर ने नैनीताल को 16-9 से हराकर खिताब जीता, जबकि देहरादून ने पौड़ी को 18-13 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अंडर-17 बालक वर्ग में नैनीताल ने पौड़ी को 15-13 से हराकर चैंपियनशिप जीती। देहरादून ने अल्मोड़ा को 10-7 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में बागेश्वर ने नैनीताल को 9-3 से हराकर चैंपियनशिप जीती, जबकि पौड़ी ने देहरादून को 6-5 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 बालक वर्ग में बागेश्वर ने नैनीताल को 15-10 से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। देहरादून ने पौड़ी को 7-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

बालिका वर्ग में पिथौरागढ़ ने देहरादून को 16-9 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया, जबकि नैनीताल ने अल्मोड़ा को 2-1 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रेखा कत्यूरा तथा स्कूल के प्रबंधक फादर साबू ने विजेता टीमों और खिलाड़ियों को चैंपियनशिप ट्रॉफी व पुरस्कार प्रदान किए। निर्णायक मंडल में नवीन जोशी, प्रकाश चंद्र, जितेंद्र ऐरणा, राजेंद्र नेगी, मनमोहन सिंह बसेड़ा, प्रभाकर रावत, टेक सिंह राणा, अनिल नेगी, दिनेश सिंह, राजेश कुमार, लक्ष्मी काला, पूजा, कृष्णा बिष्ट, गंभीर सिंह बोरा, जटे सिंह, मनोज नेगी, मौ. आरिफ, शिवराज सिंह, बीना फुलारा शामिल रहे। इस दौरान जिला खेल समन्वयक संजय वर्मा, राहुल पवार, मनीष पवार, सुरेंद्र अधिकारी, प्रेम प्रकाश गरजोला, मनोज कुमार, पूरन सिंह नयाल, सुरेंद्र अधिकारी तथा बीरेन्द्र मटेला उपस्थित रहे।

माइंड पावर विवि में स्पीक मैके के सहयोग से संगीतमय संतूर की प्रस्तुति

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: माइंड पावर विश्वविद्यालय में स्पीक मैके उत्तराखंड चैप्टर के सहयोग से एक शानदार, भावपूर्ण और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध संतूर प्रस्तुति का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम विवि के कुलाधिपति डॉ. योगेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय संगीत की आत्मा को जीवंत करने वाले सुप्रसिद्ध संतूर वादक एवं संगीतकार, सूफी और लोक संगीत के लिए देशभर में प्रसिद्ध पंडित अभय रुस्तम सोपोरी (संतूर) ने अपनी प्रस्तुति दी। वे माइंड प्राइड ऑफ इंडिया अवॉर्ड (2015) और भारत शिरोमणि अवॉर्ड (2009) प्राप्तकर्ता हैं। मृदंग गौरव पुरस्कार (2019) से सम्मानित डॉ. अंकित पारिख (पखावज)ने भी शानदार प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध किया। सचिन शर्मा (तबला), जो देश के प्रतिष्ठित और उच्च कोटि के तबला वादकों में से एक हैं, ने भी अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। विवि के केडी. सिंह ने बताया कि स्पीक मैके का यह कार्यक्रम न केवल भारत की अमर संगीत परंपराओं का अद्भुत प्रदर्शन था, बल्कि इसने विद्यार्थियों को शास्त्रीय कलाओं की सुंदरता, अनुशासन और हमारी सांस्कृतिक विरासत को अपनाने को प्रेरित भी किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते पंडित अभय रुस्तम सोपोरी व अन्य। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

नीब करौरी के प्राकट्य दिवस पर विशाल भंडारा

हल्द्वानी : बाबा नीब करौरी अक्षय पात्र सेवा ट्रस्ट हल्द्वानी की ओर से शुक्रवार को उनके 125वें प्राकट्य दिवस के अवसर पर कोतवाली स्थित संकट मोचन मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से शुरू हुआ यह भंडारा पूरे दिन चलता रहा, जिसमें नैनीताल रोड से गुजर रहे हजारों भक्तों ने मंदिर में पहुंचकर दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ट्रस्ट के पदाधिकारियों और सेवादारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर उमेश मेलकानी, सौरभ मेहरा, निर्मल तिवारी, नवीन बचखेती, पूरन सिंह मोलिया, गौरव जोशी, ललित जोशी, मुकेश मेहरा और होशियार सिंह बोरा सहित कई भक्त व सेवादार मौजूद रहे।

पैडमैन का किया स्वागत

वीरेन दवे का स्वागत करते संस्था के लोग।

हल्द्वानी : पैडमैन वीरेन दवे का हल्द्वानी में स्वागत किया। एनसीडब्ल्यूडीसी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपा त्रिपाठी, संयुक्त सचिव चंपा चिलवाल, राष्ट्रीय सचिव उषा नरेंद्र जैन ने उनका स्वागत किया। वीरेन ने कहा कि महिलाओं को माहवारी के समय में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। कहा कि हमारी टीम ग्रामीण क्षेत्र में जाती है और माहवारी के समय में किस तरीके से महिलाओं को अपने खान-पान और स्वास्थ्य का ध्यान रखना इसके विषय में जागरूक करती है। इस दौरान बिंग की राष्ट्रीय सचिव दीप्ति चुफाल और समाजसेवी डिंपल पांडे रहे।

17 दिसंबर को पेंशनर्स डे समारोह होगा

हल्द्वानी : गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर में आगामी 17 दिसम्बर को पेंशनर्स के सम्मान में समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन कार्यक्रम की तैयारियां कर रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल होंगे। शुक्रवार को ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष लीलाधर पाण्डे, महासचिव विजय तिवारी और मुख्य संयोजक रमेश चन्द्र पाण्डे ने जिलाधिकारी रयाल को समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

स्वरोजगार के लिए दीनदयाल योजना बनी वरदान, गिरिजा बुटीक व महिला विकास संस्था ने हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि

पांच सौ रुपये से शुरू हुआ सफर, आज सालाना आय 30 लाख

संवाददाता, हल्द्वानी

एमबी इंटर कालेज के मैदान में गिरिजा बूटी एवं महिला विकास संस्था द्वारा लगाया गया स्टाल।

अमृत विचारः साल 2007 में मात्र 500 रुपये से तीन महिलाओं के विश्वास के साथ शुरू हुई गिरिजा बुटीक महिला विकास संस्था में आज आठ हजार से अधिक महिलाएं स्वरोजगार कर रही हैं। संस्थापिका गीता सत्यवाली के मजबूत इरादों पर, यह छोटा सा प्रयास आज 30 लाख रुपये से अधिक की सालाना आय वाला एक सफल मॉडल बन गया है।

गीता सत्यवाली ने जब 16 साल पहले इस संस्था की नींव रखी, तब उनके पास संसाधन बेहद सीमित थे। संस्था से केवल तीन या चार महिलाएं ही जुड़ी थीं, जिन्होंने अपने स्वरोजगार की शुरुआत मात्र 500 रुपये के छोटे से निवेश से की थी। आज इस संस्था के साथ सात से अधिक स्वयं सहायता समूह जुड़े हुए हैं। प्रगति, रचिता, लक्ष्मी, प्रतीक्षा, राही और उन्नति जैसे नाम वाले ये समूह आज इस महिला विकास संस्था के सशक्त स्तंभ हैं। इन सभी समूहों को मिलाकर, करीब 8 हजार से अधिक महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार कर रही हैं और अपने परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत बना रही हैं।

सफलता का मंत्र एकता और आत्मविश्वासः 500 की मामूली शुरुआत से 30 लाख की सालाना आय तक का यह सफर सिर्फ आर्थिक आंकड़े नहीं है, बल्कि यह हजारों महिलाओं के आत्मविश्वास और सामूहिक शक्ति की कहानी है। गीता सत्यवाली का कहना है, हमारा लक्ष्य सिर्फ पैसा कमाना नहीं, बल्कि हर महिला को यह महसूस कराना है कि वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकती है। गिरिजा बूटीक व महिला विकास संस्था आज पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणास्रोत है कि कैसे छोटे से प्रयास और सरकारी सहायता का सही उपयोग करके एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन लाया जा सकता है।

पारंपरिक कौशल बना व्यापार का आधार

इन 8 हजार से अधिक महिलाओं ने अपनी पारंपरिक दक्षता को ही स्वरोजगार का आधार बनाया है। ये समूह मुख्य रूप से हाथ से बने उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प (हैंडीक्राफ्ट्स), विभिन्न प्रकार के शुद्ध मसाले, घर में तैयार किए पौष्टिक अचार-मुरब्बे और हथकरघा (हैंडलूम) उत्पाद बनाते हैं। इन उत्पादों की शुद्धता और गुणवत्ता के कारण इनकी मांग स्थानीय और बाहरी बाजारों में तेजी से बढ़ रही है।

दीनदयाल योजना ने दिया 'ब्याज मुक्त' बल

गीता सत्यवाली ने बताया कि इस व्यापक सफलता के पीछे सरकारी योजनाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गीता सत्यवाली ने बताया कि इन सभी महिला समूहों को दीनदयाल योजना के अंतर्गत बड़ी मदद मिली। दीनदयाल योजना के तहत हमें कोऑपरेटिव बैंक से एक बड़ी मदद मिली। हमारे प्रत्येक समूह को अपना रोजगार आगे बढ़ाने के लिए 5-5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण दिया गया। इस पूंजी ने महिलाओं को न केवल बेहतर कच्चा माल खरीदने में मदद की, बल्कि आधुनिक पैकेजिंग और व्यापक बाजार तक पहुंचने की क्षमता भी प्रदान की।

युवा संसद में पास हुआ यूसीसी बिल

हल्द्वानीः राजकीय महिला स्नातकोत्तर वाणिज्य महाविद्यालय में युवा संसद प्रतियोगिता हुई। प्राचार्य प्रोफेसर आभा शर्मा ने युवा संसद का उद्घाटन किया। डॉ. नेहा सिंह ने बताया कि मुख्य उद्देश्य छात्रों को संसदीय कार्य प्रणाली से अवगत करवाना है।

मुख्य अतिथि प्रो. नरेंद्र कुमार जोशी ने कहा कि युवा संसद से विद्यार्थियों में संसदीय कार्यप्रणाली के आधारभूत मूल्यों व प्रक्रियाओं से परिचय करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। कार्यक्रम में अध्यक्ष ने युवा सांसदों को शपथ ग्रहण करवाई। सांसदों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, यूसीसी पर्यावरण एवं महिला सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की। अंत में यूसीसी बिल पारित किया गया। कल्पना पंत, दिया, खुशी, सोनी, पूजा, अदिति, ईशा, भावना, अंजली आदि प्रतिभाग किया।

अगले साल टनल से बहेगी गौला ऊंचे कॉफर डैम का काम प्रारंभ

सांसद अजय भट्ट ने की जमरानी बांध निर्माण की समीक्षा, समय से पूरा करने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

24 मीटर और 9 मीटर ऊंचा है नदी पर बन रहा कॉफर डैम

12 सौ 97 प्रभावित परिवार है इस परियोजना के डूब क्षेत्र में

अमृत विचार : दशकों बाद धरातल पर उतरी जमरानी बांध परियोजना में देरी हुई तो अब निर्माण करने वाली कंपनी को जुर्माना भरना पड़ सकता है। कंपनी के महाप्रबंधक ने दावा किया है कि अगले साल तक गौला नदी का बहाव टनक की ओर मोड़ दिया जाएगा। सांसद अजय भट्ट ने सर्किट हाउस सभागार में जमरानी बांध परियोजना की विस्तार के दौरान महाप्रबंधक को चेतावदी की है कि अगर ड्रीम प्रजोक्ट में देरी हुई तो उनकी कंपनी को जुर्माना भरना पड़ेगा।

उन्होंने भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों की समीक्षा की और कहा, मुआवजा धारकों को तत्काल मुआवजा दें, जो भी मुआवजाधारी उपलब्ध नहीं हैं या भुगतान लंबित है, उनका मुआवजा संरक्षित रखें। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों को परियोजना की नियमित निगरानी और पारदर्शिता के निर्देश दिए।

बैठक में महाप्रबंधक महेश कुमार खरे ने बताया कि डायवर्जन टनलों का काम तेजी से चल रहा है। गौलानदी में 26 मीटर और 9 मीटर ऊंचे कॉफर डैम का काम भी शुरू हो चुका है। डाएवर्जन अगले साल जून 2026 तक पूरा हो जायेगा और अगले मानसून में नदी का बहाव डायवर्जन टनल से गुजरेगा।

बैठक में अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी, उप महाप्रबन्धक पीआईयू ललित कुमार, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी गोस्वामी, परियोजना प्रबन्धक जमरानी अजय पंत, शाह नवाज, उपराजस्व अधिकारी जमरानी चन्द्र शेखर, सहायक परियोजना प्रबन्धक संजय तिवारी एवं इमरान उपस्थित थे।

8 किमी नहरें पूरी, 406 करोड़ बांटा है मुआवजा

हल्द्वानी : महाप्रबंधक महेश कुमार खरे बताया कि परियोजना के तहत आवासीय कालोनियों, कार्यालयों आदि का काम पूरा कर लिया गया है। जमरानी बांध परियोजना निर्माण के बाद जिला बरेली, रामपुर, उधमसिंह नगर और नैनीताल के क्षेत्रों नहरों से पानी भेजा जाएगा। इन नहरों का पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार का काम तेजी पर है। मौजूदा समय में 8 किमी नहरें बन कर तैयार हो चुकी हैं। इसे जुलाई 2027 तक हर हाल में पूरा करना है। उन्होंने बताया परियोजना के डूब क्षेत्र में जो 1297 परियोजना प्रभावितों में 1100 को लगभग 406 .00 करोड का मुआवजा वितरित दिया जा चुका है और प्रभावितों के पुर्नवास के लिए प्राग फार्म में कालोनी विकसित करने का काम भी तेजी से किया जा रहा है।

एनएसएस समाज में बदलाव के लिए हमेशा रहा तत्पर

हल्द्वानी : महिला महाविद्यालय में खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय की ओर से नई चेतना मुहिम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने जागरूकता कार्यक्रम किया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. ऋतुराज पंत ने कहा यह अभियान युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास है, जिसमें मानसिक, सामाजिक और शारीरिक मजबूती पर विशेष ध्यान दिया जाता है। एनएसएस हमेशा से समाज में बदलाव लाने वाली गतिविधियों का नेतृत्व करता रहा है व नई चेतना अभियान उन प्रयासों को और आगे बढ़ाने का अवसर देता है।

लेफ्टिनेंट डॉ. रेखा जोशी ने छात्राओं को नेतृत्व, अनुशासन और सामाजिक मुद्दों में युवाओं की सक्रियता के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से दिनेश लोशाली ने नशा मुक्ति, स्वस्थ जीवन शैली और टीवी मुक्त भारत अभियान की जानकारी दी। प्राचार्य प्रोफेसर आभा शर्मा ने कहा कि नई चेतना जैसे अभियान छात्राओं में नेतृत्व, सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूत बनाते हैं। इस दौरान डॉ. गीता पंत, डॉ. प्रभास, डॉ. फकीर सिंह, डॉ. हिमानी आदि रहे।

पर्यटन व स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में हो रहा विकास

भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते भाजपा नेता सुरेश जोशी। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः भाजपा उत्तराखंड के मुख्य प्रवक्ता सुरेश जोशी ने शुक्रवार को भाजपा कार्यालय प्रेस वार्ता की जिसमें प्रवक्ता जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार राज्य के हर क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य में देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ आध्यात्मिक पर्यटन को भी मजबूती मिल रही है। जोशी ने बताया कि इस वर्ष चारधाम यात्रा में 51 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया, जो अब तक का रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि कुमाऊं में मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत कैंचीधाम, जागेश्वर धाम, बाराही धाम, गोल्ज्यू सर्किट और नंदादेवी मंदिर क्षेत्र का आधारभूत विकास किया जा रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सरकार ने अहम कदम उठाए हैं। हल्द्वानी और अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज के अलावा रुद्रपुर और पिथौरागढ़ में नए मेडिकल कॉलेज निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अटल उत्कृष्ट विद्यालयों के माध्यम से आम छात्रों को सीबीएसई बोर्ड के माध्यम से अंग्रेजी मीडियम शिक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही प्रवक्ता जोशी ने कहा कि विगत 5 दशकों से बहुप्रतिक्षित जमरानी बांध परियोजना पर कार्य शुरू हो चुका है, जो भाजपा सरकार की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, प्रदेश सह-मीडिया प्रभारी प्रदीप जनौटी, जिला महामंत्री विनीत अग्रवाल, जिला मीडिया प्रभारी नितिन राणा, जिला मंत्री प्रताप रैक्वाल, मंडल अध्यक्ष मधुकर श्रोत्रिय, रत्नेश साह और दलीप नेगी मौजूद रहे।

सिंथिया में सजी सुरों की महफिल

संवाददाता, हल्द्वानी

कार्यक्रम का शुभारंभ करते प्रख्यात संतूर वादक पंडित अभय रुस्तम।

अमृत विचारः सिंथिया इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को शास्त्रीय धरोहर से छात्रों के लिए संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण संतूर वादक पंडित अभय रुस्तम सोपोरी, जिन्होंने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। उनके साथ पखावज पर अंकित पारिख और तबला वादन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर कात्यायन रौतेला ने सभी कलाकारों का स्वागत स्मृति-चिह्न भेंट कर किया। इसके बाद पंडित सोपोरी ने संगीत के माध्यम से छात्रों से संवाद किया। प्रस्तुतियों के बीच उन्होंने स्वर, राग और वाद्ययंत्रों की विशेषताओं पर सरल व रोचक शैली में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार वाद्ययंत्र प्रश्न करते हैं और धुनों के माध्यम से उत्तर देते हैं। भारतीय संस्कृति में शास्त्रीय संगीत की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए पंडित सोपोरी ने कहा कि संगीत आत्मा को जोड़ता है और हमारी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत बनाता है। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. प्रवींद्र रौतेला ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में भारतीय कला के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान को बढ़ाते हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या तुलिका रस्तोगी ने भी कलाकारों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में शिवानी, हिमानी, वार्तिका, जयंत, मुकुल, ईषिका, हर्षिता, अर्चना, निकिता, हर्षि, भावना, नीतू, मनीषा, भूमिका, तनुजा, गुंजन सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे।

यूपीसीएल का लगा शिविर, 8 शिकायतें दर्ज

हल्द्वानी, अमृत विचार : विद्युत विभाग की ओर से उपभोक्ताओं की स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाए जा रहे हैं। शुक्रवार को कमलुवागांजा स्थित गैस गोदाम रोड पर व टीपी नगर के पुरानी आईटीआई बरेली रोड पर शिविर लगाया गया। इन शिविरों में कुल 8 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनका विभागीय अधिकारियों की ओर से शिकायतों का मौके पर की समाधान किया गया। विभाग के ग्रामीण ईई एसके गुप्पा ने बताया कि आज (शनिवार) को अम्बेडकर पार्क दमुवाढुंगा व टीपी नगर उपकेंद्र पर लगाया जाएगा, जहां उपभोक्ता अपनी विद्युत संबंधी समस्याएं लेकर शिविर में पहुंच सकते हैं। शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के कार्य, उसकी सुरक्षा, बिलिंग प्रक्रिया और संभावित तकनीकी समस्याओं के समाधान संबंधी जानकारी दी। शुक्रवार को लगाए गए शिविर में अधिशासी अभियंता एसके गुप्ता, एसडीओ शुभा जोशी, अवर अभियंता धीरज पन्त व स्मार्ट मीटर प्रतिनिधि विनय मौजूद रहे।

शिविर में उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनते विद्युत विभाग के अधिकारी।

डीके स्पोर्ट्स ने 245 रनों से जीता मैच

संवाददाता, हल्द्वानी

जीत का जश्न मनाते डीके स्पोर्ट्स के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः अंडर-14 जिला क्रिकेट लीग का शुक्रवार को पहला मैच कोल्ट्स क्रिकेट ग्राउंड में एकलव्य क्रिकेट अकादमी और जीएनजी क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एकलव्य क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 50 ओवरों में देवांश के 98 और संदीप के 80 रनों की बदौलत 277 रनों का स्कोर बनाया।

जीएनजी क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज प्रखर, अभय और वेदांत ने 2-2 विकेट लिए। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीएनजी क्रिकेट अकादमी की टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 270 रन ही बना सकी और 7 रनों से मैच हार गयी।। ईशान ने 90, जयवीर पाल ने 76 और विहान बवारी ने 47 रनों का योगदान दिया। एकलव्य क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज देवांश ने 3 और विभाकर ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार ऑलराउंडर देवांश को दिया गया। वहीं दूसरा मैच जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में डीके स्पोर्ट्स अकादमी और काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी के बीच खेला गया। डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम के लिए हार्दिकराज के 145, भावेश रावत ने 59 और देवांग नेगी ने 46 रनों का योगदान दिया। काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज शुबान अकरम और यश ने 2-2 विकेट लिए। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी की पूरी टीम 40वें ओवर में ही 89 रनों में आल आउट हो गयी। डीके स्पोर्ट्स ने मैच 245 रनों से जीत लिया। डीके स्पोर्ट्स के गेंदबाज देवांग और रक्षित ने 3-3 और आयुष जोशी और अनामय पांडे ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार हार्दिकराज को दिया गया।

इतिहास के पन्नों से

1899 में स्थापित ब्रिटिश हुकूमत के दौर की यह इमारत आज भी बनी हुई है प्रशासन का केंद्र

ब्रिटिशकालीन व्यवस्था का गवाह 126 वर्ष पुरानी तहसील

संवाददाता, हल्द्वानी

ब्रिटिश हुकूमत के दौर का हल्द्वानी तहसील का भवन। ● अमृत विचार

अमृत विचारः शहर में स्थित ब्रिटिश हुकूमत के दौर की एक इमारत आज भी प्रशासन का केंद्र बनी हुई है। साल 1899 में स्थापित यह तहसील, जो अब 126 साल पुरानी हो चुकी है, न केवल एक सरकारी दफ्तर है बल्कि शहर के गौरवशाली इतिहास की एक अमूल्य धरोहर भी है।

रोडवेज स्टेशन के पास खड़ी यह एंग्लो-इंडियन शैली की एक-मंजिला इमारत आज भी पूरी तरह से कार्यरत है। राज्य आंदोलनकारी हुकुम सिंह कुंवर के अनुसार, अंग्रेजों ने जब यह तहसील बनाई, तब हल्द्वानी में घास-फूस के कच्चे मकान हुआ करते थे। 1899 में, इसे नैनीताल जिले के चार हिस्सों में से एक भाबर का मुख्यालय बनाया गया था, जिसमें 4 कस्बे और 511 गांव शामिल थे। इसके स्थापित होने के बाद ही हल्द्वानी के विकास को गति मिली और 1907 में इसे शहर क्षेत्र का दर्जा प्राप्त हुआ।

पुरानी व्यवस्था, नया कामकाजः यह ऐतिहासिक भवन आज भी ब्रिटिशकालीन व्यवस्था के अनुसार ही इस्तेमाल हो रहा है। ऊपरी तल में यहां तहसीलदार बैठते हैं, जो महत्वपूर्ण राजस्व और न्यायिक मामलों का निपटारा करते हैं। निचला तल में यहां पटवारी और अन्य कर्मचारी बैठा करते है। जिस्ट्रार बिल्डिंग भी इसी से लगी हुई है, यह परिसर स्टांप पेपर की बिक्री, हलफनामा बनवाने, और जमीन की खरीद-फरोख्त संबंधी दस्तावेज तैयार करने का एक केंद्र बना हुआ है। रोजाना यहां दर्जनों लोग अपने कानूनी और प्रशासनिक कार्यों के लिए आते हैं।

अब नमो भवन से बदलेगी तहसील की तस्वीर

शहरवासियों को तहसील परिसर के पास बनने वाला अत्याधुनिक भवन 336 .03 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जाएगा। सात मंजिला इस भवन में तीन बेसमेंट शामिल होंगे और यह कुल 57,603 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाया जाएगा। भवन में 542 चारपहिया तथा 400 दोपहिया वाहनों की पार्किंग व्यवस्था होगी, साथ ही 18 बसों की क्षमता वाला बस अड्डा भी बनाया जाएगा। नमो भवन के तैयार होने के बाद तहसील, रजिस्ट्रार कार्यालय, एसडीएम कोर्ट सहित वर्तमान में किराये पर चल रहे सभी सरकारी कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे। भवन में लाइब्रेरी, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विश्राम कक्ष, प्रेस क्लब, 500 सीटों का ऑडिटोरियम तथा 200 व्यक्तियों की क्षमता वाले दो कॉन्फ्रेंस हॉल भी बनेंगे। प्रोजेक्ट को जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण से मंजूरी मिल चुकी है और डीपीआर शासन को भेजी जा चुकी है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर कुलदीप सिंह के अनुसार नमो भवन के निर्माण का टेंडर प्रकिया जारी है।

कामरेड राजा बहुगुणा के निधन पर जताया शोक

रामनगर : भाकपा माले के वरिष्ठ नेता, राज्य निर्माण आंदोलन के प्रमुख नेता कामरेड राजा बहुगुणा के निधन पर उपपा ने शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी है। पार्टी के प्रधान महासचिव प्रभात ध्यानी ने बताया कि छात्र जीवन से ही कामरेड राजा बहुगुणा छात्र नौजवानों के सवालों के लेकर हमेशा मुखर रहे। उसके बाद संघर्ष वाहिनी से जुड़कर वन आंदोलन, चिपको आंदोलन, नशा नहीं रोजगार आंदोलन में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई। उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन को कामरेड राजा बहुगुणा ने एक नई दिशा दी। कामरेड राजा बहुगुणा जिंदगी की आखिरी सांस तक राज्य आम जनता के सरोकारों के प्रति चिंतित रहे।

महिला सशक्तिकरण के संकल्प के साथ तीन महिलाओं को अहम दायित्व सौंपा गया।

अखिल एकता उद्योग व्यापार मंडल ने सौंपे दायित्व

हल्द्वानी : अखिल एकता उद्योग व्यापार मंडल ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए हल्द्वानी की तीन प्रमुख महिला उद्यमियों को प्रदेश महिला विंग में शुक्रवार को दायित्व सौंपे हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव जायसवाल, राष्ट्रीय महिला महासचिव तनुजा जोशी, राष्ट्रीय महिला सचिव सीमा देवल व उत्तराखंड प्रदेश महिला अध्यक्ष बीनू जायसवाल की संस्तुति पर तीन महिलाओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। मनोनयन के अनुसार अरुणा टंडन को प्रदेश महिला प्रभारी, मंजू दानू को महिला जिला अध्यक्ष तथा अर्चना मित्तल को महिला महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश प्रभारी अतुल कुमार गुप्ता ने नवनियुक्त प्रदेश महिला प्रभारी अरुणा टंडन के आवास पर पहुंचकर उन्हें संगठन का प्रमाणपत्र व संगठन के प्रेरणा-स्रोत भामाशाह का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला महासचिव तनुजा जोशी, राष्ट्रीय महिला सचिव सीमा देवल, प्रदेश महिला अध्यक्ष बीनू जायसवाल, प्रदेश सदस्य कुसुम लता केसरवानी, जिलाध्यक्ष राजेंद्र जायसवाल सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

बिना अनुमति बने चैंबरों को ध्वस्त करने पहुंचे एसडीएम

खटीमा : तहसील परिसर में अवकाश के दौरान कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से बिना अनुमति निर्माण की शिकायतों पर शुक्रवार को एसडीएम तुषार सैनी जेसीबी लेकर अतिक्रमण ध्वस्त करने की कार्रवाई के लिए पहुंचे। उपजिलाधिकारी की कार्रवाई से अवैध रूप से चैंबर बनाकर कार्यरत व्यक्तियों में हड़कंप मच गया। बार सचिव अधिवक्ता भरत पांडे ने मौके पर पहुंच एसडीएम से वार्ता की और दो दिन का समय मांगा। जिस पर एसडीएम ने बिना अनुमति निर्माण किए लोगों से स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए कहा। एसडीएम तुषार सैनी ने बताया कि बिना अनुमति बनाए गए चैंबर को पक्का निर्माण कर लिया गया है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो चैंबर खाली है उसमें रजिस्टर्ड वकील को नियमानुसार चैंबर दिया जाएगा। ऐसा भी संज्ञान में आया है कि जिन लोगों को पूर्व में चैंबर एलाट हुए थे उन्होंने दूसरे लोगों को चैंबर दे दिए गए हैं जिनकी जांच कराई जाएगी। ऐसे चैंबर निरस्त किए जाएंगे।

शादी समारोह में पथराव प्रकरण में मुकदमा दर्ज

रुद्रपुर : 26 नवंबर की रात्रि शादी समारोह में पथराव और उत्पात मचाने के प्रकरण में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने हुड़दंग मचाने वालों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। दक्ष चौराहा बनखंडी रोड निवासी प्रवीण विश्वास ने बताया कि 26 नवंबर को उसकी मामा की बेटी की शादी समारोह आजाद नगर में चल रहा था। रात्रि 10 बजे वैवाहिक स्थल से कुछ ही दूरी पर जस्सी और छोटे अपने दस साथियों के साथ शराब पी रहे थे। थोड़ी देर बाद जब वह घर लौट रहा था तो शराबियों ने उसे घेर लिया और हाथापाई शुरू करने लगे। शोर शराबा सुनकर चाचा मिथुन वर्मा, चाची सुरो बचाने की कोशिश करने लगी। शराबियों ने वैवाहिक समारोह में जमकर तोड़फोड़ और पथराव शुरू कर दिया। बताया कि रात्रि 12 बजे सभी हमलावर एक राय होकर तमंचे लेकर आए और फिर हमला शुरू कर दिया। पथराव में वह व किशोर भी चोटिल हो गया। साथ ही अभियुक्तों से जान माल का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर हमलावरों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है।

2003 की मतदाता सूची सार्वजनिक करने की मांग

सितारगंज : शक्तिफार्म के कई मतदाताओं के नाम ऑनलाइन सूची में दर्ज नहीं होने से हो रही परेशानियों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता निखिलेश घरामी ने डीएम को पत्र भेजा है। निखिलेश घरामी ने कहा कि इन दिनों कई राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। शक्तिफार्म क्षेत्र की बेटियों की दूसरे राज्यों में शादी हुई है। अब एसआईआर में उनका उनके पिता का नाम ऑनलाइन मतदाता सूची में दर्ज नहीं होने के कारण एसआईआर का फार्म नहीं भर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अरविंदनगर के भाग संख्या 17 व 25 में वर्ष 2003 की मतदाता सूची में भाग संख्या 766 मतदाता हैं। जिसमें केवल 38 नाम ही ऑनलाइन प्रदर्शित हो रहे हैं।

शहीदी दिवस पर रुद्रपुर में निकला नगर कीर्तन

नगर कीर्तन में सबसे आगे पालकी साहिब विराजमान रहे

नगर कीर्तन में मौजूद उत्तराखंड युवा पंजाबी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चुघ व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सिखों के नवम गुरु श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर शहर में भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। नगर कीर्तन श्री गुरुद्वारा साहिब गोल मार्केट से प्रारंभ हुआ और विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस गोल मार्केट गुरुद्वारा पहुंचा। इस दौरान नगर कीर्तन का जगह-जगह स्वागत किया गया।

शुक्रवार को शहर में निकाले गये नगर कीर्तन में सबसे आगे पालकी साहब विराजमान थे और शबद कीर्तन गाया जा रहा था। नगर कीर्तन गुरुद्वारा गोल मार्केट से पांच मंदिर, काशीपुर बाईपास, अग्रसेन चौक, महाराणा रणजीत सिंह चौक होते हुए वापस गुरुद्वारा पहुंचा। इस दौरान गुरुद्वारा गोल मार्केट और आवास विकास गुरुद्वारे की पालकी साहब विराजमान थे। साथ ही सुखमनी सेवा समिति रुद्रपुर और आवास विकास के जत्थेदारों ने शबद कीर्तन सुनाकर भक्तिमय माहौल कर दिया। नगर कीर्तन में पहुंचे उत्तराखंड युवा पंजाबी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण चुघ ने कहा कि गुरु तेग बहादुर महान योद्धा, आध्यात्मिक व्यक्तित्व के धनी और मातृभूमि के प्रेमी थे। जिन्होंने मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि जब औरंगजेब के शासनकाल में अत्याचार हो रहा था तो हिंदुओं की रक्षा के लिए वह सामने आए। श्री गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों के जबरन धर्मांतरण का भी विरोध किया। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जोगेन्द्र सिंह, गुरमीत गाबा, राम सिंह बेदी, सुरमुख सिंह विर्क, साहब सिंह विर्क, परविंदर सिंह, इंद्रजीत सिंह, अजीत सिंह, मंदीप सिंह, मंजीत सिंह, बलजीत गाबा, धमेंद्र सिंह, बिट्टू, ओमपाल कोली मौजूद रहे।

फरार आरोपी को पकड़ भेजा जेल

काशीपुर: बीते 29 सितंबर को मूल रूप से बिजनौर और हाल निवासी ग्राम कुंडा काशीपुर की एक महिला ने कुंडा थाना पुलिस में अपनी नाबालिग बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बताया था कि वह अपने चार बच्चों के साथ किराये के कमरे में रहती है। उसकी पुत्री 10 सितंबर को बिना बताए घर से कहीं चली गई। वह मानसिक रूप से कमजोर है और उसे दौरे भी पड़ते हैं। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। जिसका मुरादाबाद पुलिस ने 22 सितंबर को शव बरामद किया था। शिनाख्त नहीं होने पर अज्ञात में ही उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया था। बीते दो अक्तूबर को कुंडा पुलिस ने नाबालिग की हत्या के आरोप में इमरान, मीनाक्षी, शीला के साथ ही इमरान निवासी ग्राम लालपुर थाना कुंडा, इस्लाम निवासी थाना ठाकुरद्वारा जिला मुरादाबाद (यूपी) हाल निवासी सर्वरखेड़ा थाना कुंडा, असगर उर्फ नन्हे निवासी थाना डिलारी जिला मुरादाबाद हाल निवासी सर्वरखेड़ा थाना कुंडा को गिरफ्तार किया। जिसके बाद कोर्ट ने आरोपियों को जेल भेज दिया था। कुंडा थाना प्रभारी रवि सैनी ने बताया कि गुरुवार की शाम हत्याकांड के छठे आरोपी नईम खान निवासी ग्राम मंडोर थाना नूरपुर जनपद बिजनौर को पुलिस ने नहटौर से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया।

लिटिल स्कॉलर्स में छात्रों ने मचाई धूम

काशीपुर लिटिल स्कॉलर्स विद्यालय में कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि।

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: लिटिल स्कॉलर्स विद्यालय में वार्षिक उत्सव 'सीज़नल यूफोरिया' का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मेयर दीपक बाली ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान प्रधानाचार्या शिखा गौतम ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

विभिन्न ऋतुओं पर आधारित इस वार्षिक उत्सव में छात्रों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें उनकी मेहनत और प्रतिभा साफ झलक रही थी। ''मानसून मैनिया'' के अंतर्गत दशावतार और ''जय जवान जय किसान'' दर्शकों को सम्मोहित करने में पूर्णतः सफल रहा।

इसके बाद मुख्य अतिथि दीपक बाली ने अपने प्रेरणादायक शब्दों के माध्यम से छात्रों को प्रोत्साहित किया। शरद ऋतु के विभिन्न त्योहार जैसे दुर्गा पूजा नवरात्रि को दर्शाने के पश्चात ''डॉ. फास्टर एंड सेवन सिंस' नामक अंग्रेजी नाटक ने दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान ब्रिगेडियर सुखबीर सिंह कमांडेंट आरटीएस, हेमपुर , जितेंद्र कुमार सोनकर एडिशनल कमिश्नर आईआरएस, धीरेंद्र साहू बीईओ काशीपुर, मुक्ता सिंह प्रबंधक समर स्टडी, योगराज सिंह, पूनम जोशी तथा रचना विश्नोई, दिनेश नेगी प्रिंसिपल राजपूताना इंटर कॉलेज, पीसी तिवारी प्रिंसिपल केपीसी, उमेश डालाकोटी प्रिंसिपल शैमफोर्ड स्कूल, उपासना यादव प्रिंसिपल होली एंजेल आदि उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान के यहां शादी में मारपीट

गदरपुर: थाना क्षेत्र के महतोष चौकी से सटे ग्राम चकरपुर में एक ग्राम प्रधान के परिवार में आयोजित शादी समारोह में डीजे पर डांस के दौरान फायरिंग किए जाने का विरोध करना कुछ लोगों को भारी पड़ गया। फायरिंग रोकने की कोशिश करने पर कथित तौर पर आरोपी पक्ष ने विरोध करने वाले रुद्रपुर निवासी नोनी छाबड़ा और उनके परिवार को घेरकर मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान महिलाओं और बच्चों को भी नहीं बख्शा गया।

घटना के बाद आक्रोशित दर्जनों लोग देर रात कोतवाली पहुंचे और थानाध्यक्ष संजय पाठक का घेराव करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले ने तब और तूल पकड़ा जब पिस्तौल से एक नाबालिग द्वारा फायरिंग किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

घटना का स्थल महतोष चौकी से चंद कदमों की दूरी पर होने के कारण पुलिस के खौफ पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल रुद्रपुर के महामंत्री मनोज छाबड़ा ने भी एसएसपी मणिकांत मिश्रा से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी विभव सैनी के अनुसार पुलिस मामले की जांच कर रही है कि फायरिंग में इस्तेमाल किया गया हथियार वैध था या अवैध और इसे कौन चला रहा था। प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई न होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

शांतिपुरी में 22 लाख के कार्यों का शिलान्यास

शिलान्यास कार्यक्रम के बाद ग्रामीणों की समस्याएं सुनते कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा।

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: शांतिपुरी नंबर 4 चंद्रपुरी सितारगंज विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने 22 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में मंत्री ने ग्रामीणों से सड़क, बिजली, भू कटाव, खेल मैदान तथा आवारा पशुओं से संबंधित समस्याएं सुनीं और अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। मंत्री बहुगुणा ने जानकारी दी कि सूर्यनगर-शांतिपुरी के बीच गौला नदी पर पुल निर्माण के लिए 18 करोड़ रुपये का स्टीमेट बन चुका है। जिसकी स्वीकृति के लिए त्वरित गति से कार्रवाई जारी है। इसके साथ ही उन्होंने शांतिपुरी नंबर 4 में मिनी स्टेडियम निर्माण की स्वीकृति जल्द दिलाने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया। उन्होंने महिला समूहों, गौ-रक्षकों एवं ग्रामीणों की समस्याएं विस्तार से सुनीं और भरोसा दिलाया कि सभी मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। कार्यक्रम में जवाहर नगर के युवा नेता मोहन पांडे, ग्राम प्रधान बचुली देवी, रोहित तिवारी, आकाश मेहता, दीपा जोशी, टिका सिंह नेगी, ललित बिष्ट, उमेश जोशी, नेत्र सिंह देउपा, ईश्वर सिंह नेगी, पूर्व जेष्ठ प्रमुख नीरज टाकुली, भोपाल सिंह कोरंगा आदि मौजूद रहे।

सीएम पोर्टल पर की गई झूठी शिकायत

खटीमा: सीएम पोर्टल सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से झूठी शिकायत करने वाले ग्राम सभा के 20 लोगों ने ग्राम पंचायत में सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और सक्षम अधिकारियों सहित सीएम पोर्टल पर स्वयं की गलती मानते हुए माफी नामा भेजा है।

ग्राम सभा गौहर पटिया परहल के लगभग 20 से अधिक लोगों ने राजेन्द्र सिंह बिष्ट पुत्र कैप्टन दान सिंह बिष्ट को आरोपित किया था कि 50 वर्ष पुराने पैदल मार्ग जो कि पुष्कर राम व भगवान सिंह बोरा के घर से निकलता था उस मार्ग को बंद कर दिया है। शिकायतकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, उप जिलाधिकारी, कोतवाली पुलिस में मार्ग बंद करने की झूठी शिकायत की थी। सीएम हेल्पलाइन पर हुई कार्यवाही पर राजस्व विभाग की टीम ने राजस्व अभिलेखों के आधार पर मौके की जांच पड़ताल की। जिसमें पाया गया कि शिकायतकर्ताओं द्वारा बताया गया मार्ग राजस्व अभिलेखों में नहीं था। शिकायतकर्ताओं ने ग्राम पंचायत अध्यक्ष गीता ज्याला की अध्यक्षता में हुई पंचायत में माफी मांगी और हस्ताक्षर शुदा माफी नामा सीएम पोर्टल सहित उप जिलाधिकारी व पुलिस को भेजा। बैठक में भगवान सिंह बोहरा, भगवान सिंह बिष्ट, ईश्वर सिंह बिष्ट, जीवन सिंह बिष्ट, नंदन सिंह बिष्ट, चंदन सिंह बिष्ट, राजेंद्र सिंह बिष्ट, जगत सिंह रावत, पूरन सिंह पोखरिया, मनोहर सिंह कन्याल, नारायण सिंह मौजूद रहे।

नवोदय के विद्यार्थियों ने किया विवि का भ्रमण

- **विशेषज्ञों ने दी विद्यार्थियों को कृषि उपकरणों की जानकारी**
- **तकनीकी नवाचारों को देखकर विद्यार्थियों में दिखा उत्साह**

संवाददाता, रुद्रपुर

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को जानकारी देते जीबी पंत विवि के वैज्ञानिक।

अमृत विचार: नवोदय विद्यालय समिति लखनऊ संभाग के विद्यार्थियों ने क्षेत्र स्तरीय विज्ञान कांग्रेस के तहत गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर के कृषि संग्रहालय, मधुमक्खी पालन, एलपीटी शोध केंद्र और केंद्रीय पुस्तकालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विभिन्न मॉडलों, प्रदर्शनियों और तकनीकी नवाचारों को देखकर विद्यार्थियों में गजब का उत्साह देखने को मिला।

शुक्रवार को भ्रमण के दौरान पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय रुद्रपुर की प्राचार्य कंचन जोशी ने बताया कि यह भ्रमण विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, कृषि नवाचारों की समझ और अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। वहीं भ्रमण के दौरान विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को कृषि संग्रहालय में प्रदर्शित कृषि उपकरणों के विकास, परंपरागत खेती पद्धतियों, आधुनिक कृषि यंत्रों, फसल सुधार तकनीकों, कृषि इतिहास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इसके बाद विद्यार्थी विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय पहुंचे। यहां उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी, ई–रिसोर्सेज, पुस्तक विभाग, अध्ययन कक्ष, अनुसंधान संदर्भ अनुभाग आदि का अवलोकन किया। पुस्तकालय अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि यह पुस्तकालय कृषि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अन्य विषयों पर हजारों संदर्भ सामग्री और शोध संसाधन उपलब्ध कराता है जो उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस दौरान विद्यार्थियों ने भी इस अनुभव को अपने ज्ञानवर्धन के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण उनकी जिज्ञासा बढ़ाते हैं और विज्ञान व कृषि अनुसंधान के प्रति नई सोच प्रदान करते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक पीके विद्यार्थी, जेएनवी शाहजहांपुर के प्राचार्य सत्यपाल गंगवार, राकेश कुमार, संजीव कुमार, सौरभ, केएस पांगती आदि मौजूद रहे।

गदरपुर में शपथ ग्रहण करने के बाद पदाधिकारी। ● अमृत विचार

सहकारी समिति गदरपुर के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने ली शपथ

गदरपुर : बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति लिमिटेड गदरपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को समिति के एसडीओ एवं एमडी कौशल गिरी द्वारा पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। यह समारोह वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेंद्र पाल सिंह की उपस्थिति में आयोजित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष पूजा दत्त और उपाध्यक्ष फरहा मोहम्मद शादाब ने संचालक मंडल सहित अपने दायित्वों का ईमानदारी, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निर्वहन करने की शपथ ली। उपाध्यक्ष फरहा मोहम्मद शादाब ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी टीम के लिए किसानों के हितों को सर्वोपरि रखना प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा, "किसानों को सभी सुविधाएं पारदर्शी व समय पर उपलब्ध कराना प्राथमिक लक्ष्य रहेगा।" अध्यक्ष पूजा दत्त ने सहकारी समितियों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। इस अवसर पर राजेंद्र पाल सिंह ने सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।

सीमाचौकी पर जवानों की बैठक लेते एसएसबी के डीआईजी सोनार। ● अमृत विचार

एसएसबी के उप महानिरीक्षक ने सीमा चौकियों का किया निरीक्षण

खटीमा : सशस्त्र सीमा बल के सीमांत मुख्यालय रानीखेत के उप महानिरीक्षक डीबी सोनार ने भारत नेपाल सीमा पर तैनात 57वीं वाहिनी की सीमा चौकी मेलाघाट सहित सम्बद्ध चौकियों का विस्तृत निरीक्षण किया। उप महानिरीक्षक सोनार के मेलाघाट पहुंचने पर कार्यवाहक कमांडेंट मनोज कुमार ने उनकी अगुवानी की। डीआईजी सोनार ने सीमा पर तैनात जवानों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करते हुए प्रचालन संबंधी तैयारियों, चुनौतियों तथा वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने जवानों की सजगता, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें विषयक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने जवानों को सीमावर्ती नागरिकों से अच्छा व्यवहार करने और उनसे सहयोग लेकर काम करने को कहा। उन्होंने अपराधियों, तस्करों और असामाजिक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने को कहा। डीआईजी सोनार ने नशा मुक्ति अभियान, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ और जल शक्ति अभियान जैसी कल्याणकारी योजनाओं की भी समीक्षा की।

शोक चौधरी इंद्र सिंह हुड्डा की धर्मपत्नी स्व .राजवती देवी की छमाही श्रद्धांजलि सभा हुई

श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा

संवाददाता, बाजपुर

श्रद्धांजलि सभा में मौजूद रोहतक हरियाणा के सांसद दीपेंद्र हुड्डा एवं परिजन।

अमृत विचार: देश की राजनीति, समाजसेवा और तराई क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले संस्थापक परिवारों में से एक चौधरी इंद्र सिंह हुड्डा की धर्मपत्नी स्व.राजवती देवी की छमाही श्रद्धांजलि सभा शुक्रवार को उपवन फार्म बाजपुर में आयोजित की गई।

कार्यक्रम में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, पूर्व मंत्रियों आदि ने पहुंचकर स्व. राजवती देवी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजलि सभा में लोगों ने स्व.राजवती देवी के पुत्र हरेंद्र सिंह हुड्डा, सोनेंद्र सिंह हुड्डा सहित पूरे परिवार को ढांढस बंधाया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि हुड्डा परिवार का तराई क्षेत्र के विकास में अतुलनीय योगदान रहा है। श्रद्धांजलि समारोह में प्रमुख रूप से अंबाला के सांसद वरुण मौलाना, सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्चारी, हिसार के सांसद जयप्रकाश, बड़ौदा हरियाणा के विधायक इंदू राम भालू, रोहतक के विधायक भूषण बत्रा, उत्तराखंड के भाजपा नेता व दर्जा राज्य मंत्री बलराज पासी, उत्तराखंड अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी, हरियाणा के पूर्व मंत्री सुभाष बत्रा, उद्यन कपूर उर्फ मिक्की कपूर आदि मौजूद रहे।

भूमि संबंधी समस्याओं को संसद में उठाएंगे : हुड्डा

बाजपुर : हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पुत्र एवं रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि उत्तराखंड उनके परिवार की कर्मभूमि है और यहां के किसानों तथा भूमि संबंधी समस्याओं को वह संसद में मजबूती से उठाएंगे। शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से इस समय कांग्रेस का कोई सांसद लोकसभा में नहीं है। ऐसे में वह एक किसान पुत्र होने के नाते उत्तराखंड के किसानों की आवाज को बुलंद करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि तराई क्षेत्र के किसानों की भूमि से जुड़ी परेशानियों का समाधान प्राथमिकता पर उठाया जाएगा।

अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, तिकोनिया, हल्द्वानी, (नैनीताल)

PWD UTTARAKHAND

(Phone/Fax): 05946-223352 E-mail : ee_ndhal@reummail.com

पत्रांक : 3261/2ए०सी० **ई-निविदा सूचना (E-Tendering)** दिनांक : 27/11/2025

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, हल्द्वानी द्वारा निम्नलिखित सिविल कार्य हेतु सिंगल बिड ऑन लाईन आईटम रेट ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचनायें वेबसाइट http://www.uktenders.gov.in पर दिनांक 02.12.2025 से उपलब्ध होगी।

क्र० सं०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने हेतु समय	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी
1	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद नैनीताल के विधानसभा क्षेत्र कालाढूंगी के रामणी आनसिंह मुख्य मार्ग से साकेत कुंज फेज 3 तक मार्ग का पी०सी० द्वारा नव निर्माण कार्य।	169500.00	4000.00+ 18% GST	90 दिन	06 माह	(D) एवं उच्चतर मार्ग कार्य हेतु
2	राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद नैनीताल के विधानसभा क्षेत्र कालाढूंगी के ग्राम फूलचौड में मॉ तुलसी विहार में पी०सी० द्वारा मार्ग का नव निर्माण कार्य।	61000.00	2500.00+ 18% GST	90 दिन	06 माह	(E) एवं उच्चतर मार्ग कार्य हेतु

1. संविदा मूल्य की धनराशि में वस्तु एवं सेवाकर (जी०एस०टी०) भी सम्मलित है एवं तद्नुसार धनराशि पर धरोहर धनराशि आदि का मूल्यांकन किया गया।
2. संविदाकार से आमंत्रित मदवार दरें बिना वस्तु एवं सेवाकर (जी०एस०टी०) की है एवं जिस पर विभाग द्वारा प्रचलित जी०एस०टी० अतिरिक्त होगी।
3. किसी भी निविदा अथवा सम्पूर्ण निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०
हलद्वानी (नैनीताल)

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैंने अपना नाम AASHWIN (पुराना नाम) से बदलकर AASHWIN LOSHALI (नया नाम) कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे AASHWIN LOSHALI (नया नाम) S/o DEVESH LOSHALI के नाम से जाना पहचाना जाए, वर्तमान पता निवासी फत्ताबंगर, पोस्ट अर्जुनपुर हल्द्वानी जिला नैनीताल उत्तराखंड।

सूचना
मैंने अपने पुत्र ओमप्रकाश व उसकी पत्नी पूजा को परिवार सहित उनके अमर्यादित कृत्यों के चलते अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। तथा अब मेरा अपने पुत्र व उसकी पत्नी व उसके परिवार से कोई वास्ता या सरोकार आदि नहीं है। वह अपने पूर्व से भविष्य तक के सही एवं गलत कार्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे। **हरस्वरुप तेली, वार्ड नंबर 2 /3 , गांधीनगर, गदरपुर (उधमसिंह नगर)।**

ब्रीफ न्यूज

विवाह के एक साल बाद विवाहिता की मौत

किच्छा : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रजपुरा में विवाह के लगभग एक वर्ष बाद 25 वर्षीय विवाहिता काजल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर जब बच्चे स्कूल से लौटे, तो उन्होंने काजल को घर में दुपट्टे से फांसी पर लटका पाया। परिजनों द्वारा तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति का नाम प्रताप है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। उपनिरीक्षक दीपक जोशी ने बताया कि विवाह के एक वर्ष के भीतर मौत होने के कारण, मजिस्ट्रेट द्वारा पंचनामा भरवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मायके पक्ष को सूचित कर जांच शुरू कर दी है।

राज्यपाल आज बाजपुर में

रुद्रपुर : राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) शनिवार को रीवरडेल इंटरनेशनल स्कूल बाजपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल 11.45 बजे बाजपुर में पहुंचेंगे। 12 से 13.30 बजे तक वे रीवरडेल इंटरनेशनल स्कूल बाजपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। 13.40 बजे देहरादून के लिए प्रस्थान करेंगे।

बाइक की टक्कर से घायल कर्मी की मौत

रुद्रपुर : 17 नवंबर को सड़क हादसे में घायल फैक्ट्री कर्मी की उपचार के दौरान मौत हो गई। गांव करीमगंज शीशगढ़ बरेली निवासी सूरज कुमार ने बताया कि 17 नवंबर को बड़ा भाई सुरजीत प्रसाद अपने दोस्त के साथ बाइक से शिमला पिस्तौर स्थित फैक्ट्री जा रहा था। शाम 7 बजे बगवाड़ा मंडी के समीप बाइक ने टक्कर मार दी। 19 नवंबर को उपचार के दौरान भाई का निधन हो गया। शिकायतकर्ता का कहना था कि बाइक सवार द्वारा तेज रफ्तार बाइक चला रहा था। जिस कारण भाई हादसे का शिकार हुआ। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

अवैध लकड़ी पकड़ी

शक्तिफार्म : किशनपुर वन क्षेत्राधिकारी घनानंद चनियाल के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने पुख्ता सूचना पर क्षेत्र के बैकुंठपुर गांव में बड़ी छापेमारी की। निरंजन बढ़ई और निर्मल बढ़ई के आवास पर की गई कार्रवाई के दौरान, एक पुराने घर से लाखों की कीमत के सागौन, शीशम और यूकेलिप्टस के 1.0188 घन मीटर फ्रेम और भारी मात्रा में सोख्ता (लकड़ी के टुकड़े) बरामद किए गए। वन क्षेत्राधिकारी चनियाल ने बताया कि अभियुक्त लंबे समय से जंगल से चोरी की गई लकड़ी का चिरान कर उसे फर्नीचर की दुकानों पर बेचते थे।

चेक बाउंस प्रकरण में तीन माह का कारावास

- वर्ष 2021 में लिया था 3.23 लाख उधार, न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सुनाया फैसला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: 3.23 लाख चेक बाउंस प्रकरण की सुनवाई करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोषी को तीन माह का कारावास और 3.10 लाख का अर्थदंड देने की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राहुल प्रजापति ने बताया कि इंदिरा कॉलोनी निवासी पंकज प्रजापति ने दायर याचिका में कहा कि नवंबर माह 2021 को प्रेमपाल निवासी सिंह कॉलोनी ने आवश्यकता का बहाना बनाकर 3.23 लाख रुपये उधार लिए थे। साथ ही जल्द ही वापस करने का आश्वासन भी दिया था। कुछ माह बाद तगादा करने पर अभियुक्त ने 22.774 हजार रुपये अदा कर दिए, लेकिन शेष रकम

वापस पर आनाकानी करने लगा।

कई बार दबाव बनाने पर भी रकम वापस नहीं हुई और अभियुक्त द्वारा दिया गया चेक भी बाउंस हो चुका था। पीड़ित ने न्यायिक मजिस्ट्रेट रिजवान अंसारी की अदालत में याचिका दायर की।

अदालत ने चेक बाउंस प्रकरण के दोषी प्रेमपाल को तीन माह का साधारण कारावास व 3.10 लाख का अर्थदंड देने की सजा सुनाई।

डीडी चौक और मेडिकल कॉलेज में लगी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि, संघर्षों को किया याद

रुद्रपुर में मनाई पंडित राम सुमेर शुक्ल की 110वीं जयंती

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: तराई के संस्थापक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम सुमेर शुक्ल की 110वीं जयंती मनायी गयी। इस दौरान रुद्रपुर मुख्य चौराहे डीडी चौक और राजकीय मेडिकल कॉलेज में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी। साथ ही उनके संघर्षों को याद किया गया।

शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि मेयर विकास शर्मा ने पंडित राम सुमेर शुक्ल स्मृति पार्क के सौंदर्यीकरण एवं शहर में उनकी स्मृति में एक भव्य स्वागत द्वार बनाने की घोषणा की। वहीं रुद्रपुर मुख्य चौराहे पर मेयर विकास शर्मा, दर्जा

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित शुक्ल को श्रद्धांजलि देते महापौर विकास शर्मा व अन्य।

मंत्री उत्तम दत्ता, जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम, भारत भूषण चुघ ने कार्यकर्ताओं के साथ माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि दी, जबकि मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य डॉक्टर केदार शाही, जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, मेयर विकास शर्मा, दर्जा राज्य मंत्री उत्तम दत्ता, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, सुखविंदर सिंह, डॉ. मनोज कुमार तिवारी ने संयुक्त रूप से माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर जेष्ठ प्रमुख संजय सिंह, कनिष्ठ प्रमुख नरेंद्र बागवानी, ग्राम प्रधान विनीत सिंह सोलंकी, गफ्फार खान, आशीष तिवारी, धर्मराज जायसवाल, सुरेंद्र चौधरी, संदीप अरोड़ा, रामू चतुर्वेदी, भारत मिश्रा, मनीष शुक्ला, आशीष शुक्ला, बिजेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष मयंक तिवारी, पूर्व मेयर रामपाल, प्रमोद गुप्ता, कविता मान, मधु गुप्ता, पूनम प्रजापति, भोपाल सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

नगला में मनाई स्वतंत्रता सेनानी शुक्ल की जयंती

शांतिपुरी : नगर पालिका परिषद नगला में शुक्रवार 28 नवम्बर को तराई के संस्थापक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. राम सुमेर शुक्ल की 110वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। नगरपालिका अध्यक्ष सचिन शुक्ला ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि पं. राम सुमेर शुक्ल का जन्म 28 नवम्बर 1915 को ग्राम भेड़ी, तहसील रुद्रपुर (तत्कालीन जिला गोरखपुर) में हुआ था तथा 1936 लाहौर अधिवेशन में 21 वर्ष की आयु में जिन्ना के द्वि-राष्ट्रवाद का खुला विरोध कर उन्होंने राष्ट्रीय पहचान बनाई। पं. गोविंद बल्लभ पंत द्वारा तराई बसावट हेतु गठित तीन सदस्यीय टीम का नेतृत्व भी उन्होंने किया था। इस अवसर पर अध्यक्ष व सभी सभासदों द्वारा मोतीनगर स्थित कुष्ठ आश्रम में फल वितरण किया गया। कार्यक्रम में सभासद गोपाल दत्त जोशी, अजय, सुनील रोहेला, देवेंद्र यादव, बीर बहादुर मिश्र उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण पर कार्रवाई, 15 भवन सील

सिरौली कला में बिना मानचित्र स्वीकृति के भवनों के निर्माण और स्टाम्प पेपर पर भूमि खरीद पर कार्रवाई

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के सिरौली कला में बिना मानचित्र स्वीकृति के विशाल भवनों के निर्माण और स्टाम्प पेपर पर भूमि की अवैध खरीद-फरोख्त के खिलाफ जिला विकास प्राधिकरण का अभियान शुक्रवार को दूसरे दिन भी अपर जिलाधिकारी एवं प्राधिकरण अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में जारी रहा। एडीएम उपाध्याय ने प्रशासन की टीम के साथ स्वयं क्षेत्र का पैदल निरीक्षण कर जायजा लिया।

इस दौरान बिना नक्शा पास कराए बनाए जा रहे 15 निर्माणाधीन भवनों (जिनमें 12 आवासीय और 3 कॉमर्शियल थे) को तुरंत सील कर दिया गया, जबकि एक अवैध भवन को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कराया गया। प्रशासन की सख्त कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

राजस्व हानि और बिजली चोरी : यह अभियान सिरौली कला सहित वार्ड नंबर 18 एवं 19 में रजिस्ट्री एवं दाखिल खारिज कराए बिना स्टांप पेपर पर भूमि की अवैध खरीद-फरोख्त के बड़े खेल के खिलाफ चलाया जा रहा है, जिससे सरकार को भारी राजस्व हानि हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए, प्राधिकरण ने गुरुवार को स्टांप पेपर के आधार पर बिजली कनेक्शन लेने वाले 400 उपभोक्ताओं को भी चिन्हित किया था। निरीक्षण के दौरान, कई भवन स्वामियों द्वारा बिना बिजली कनेक्शन लिए कटिया डालकर चोरी से बिजली का उपयोग किए जाने पर एडीएम उपाध्याय ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के आदेश दिए।

किच्छा में अभियान के दौरान दिशा निर्देश देते एडीएम पंकज उपाध्याय।

किच्छा में अवैध निर्माण ध्वस्त करती जेसीबी। • अमृत विचार

अधिकारियों को फटकार, 15 दिन की मोहलत

किच्छा : एडीएम उपाध्याय ने मौके पर मौजूद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि अधिकांश भवन स्वामियों के पास भूमि के वैध कागजात या मानचित्र स्वीकृति न होने के बावजूद निर्माण महीनों से जारी है, जिससे प्रतीत होता है कि अधिकारी केवल खानापूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिना नक्शा पास कराए भवन निर्माण करा रहे स्वामियों को नोटिस जारी कर सार्थक जवाब न मिलने की दशा में निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाए। एडीएम ने निर्माण कार्य कर रहे सभी लोगों को भूमि एवं निर्माण संबंधी कागजात पूरे करने के लिए 15 दिन का अंतिम समय देते हुए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

स्कूल की अवैध बिल्डिंग पर कार्रवाई शुरू

किच्छा : कार्रवाई के दौरान यह भी सामने आया कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा रेलवे पटरी किनारे बनी एक स्कूल की अवैध बिल्डिंग को ध्वस्त करने के निर्देश पूर्व में दिए गए थे, लेकिन विभागीय मिलीभगत के चलते आदेश को दबा लिया गया था। एडीएम ने त्वरित संज्ञान लेते हुए स्कूल बिल्डिंग को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू करा दी। एडीएम ने तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी और प्राधिकरण के अधिकारियों को सिरौली कला क्षेत्र की संपूर्ण भूमि की सूची बनाने के साथ-साथ सरकारी भूमि को भी चिन्हित करने का निर्देश दिया है। मौके पर उप जिलाधिकारी गौरव पांडे, तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी, कोतवाली प्रभारी प्रकाश सिंह दानू सहित तमाम विभागीय अधिकारी और भारी पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

पंचायत बोर्ड बैठक में 11 प्रस्तावों पर मोहर

- कूड़ा निस्तारण के लिए भूमि की लीज अवधि बढ़ाने की मंजूरी

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : नगर पंचायत शक्तिगढ़ बोर्ड बैठक में सोलर लाइट, कूड़ा निस्तारण, डीप फ्रीजर लगाए जाने सहित लाखों रुपये के विकास कार्यों के 11 प्रस्तावों पर मोहर लगी।

शुक्रवार को नगर पंचायत परिसर में चेयरमैन सुमित मंडल की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभासद सुनीता सरकार, सुशीला राय, विक्रम भंडारी, मीना देवी, शीला पोद्दार, सुबीर सरकार, गोविंद सरकार ने भाग लिया। प्रभारी अधिशासी अधिकारी प्रियंका रैकवाल ने कहा कि कूड़ा निस्तारण के लिए भूमि की लीज अवधि बढ़ाने, सोलर लाइट, सफाई व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए ई-रिक्शा क्रय करने, मृत शरीर को रखने के लिए डीप फ्रीजर, व्यक्तिगत शौचालय, नगर के विभिन्न वार्डों के मंदिरों का सौंदरीकरण, मोबाइल टॉयलेट क्रय करने समेत विभिन्न प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बोर्ड ने सड़कों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए व्यापार मंडल से वार्ता करने और विशेष अभियान चलाने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड आउटसोर्स के माध्यम से कर्मचारियों की आपूर्ति करने और निर्माण कार्यों की ठेकेदारी पंजीकरण कराने का भी प्रस्ताव पारित किया है।

नगर पंचायत बोर्ड की बैठक में मौजूद चेयरमैन व सभासद। • अमृत विचार

कार ने टेंपो को मारी टक्कर, 7 घायल

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: तेज रफ्तार कार ने टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में चालक समेत सात लोग घायल हो गए।

शुक्रवार को नैनीताल स्टेट हाईवे पर ग्राम नमूना के पास दोपहर करीब 12 बजे बरहैनी से सवारियां लेकर बाजपुर आ रहे टेंपो में तेज रफ्तार कार चालक ने अनियंत्रित होकर पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे टेंपो सड़क पर गिर गया और उसमें सवार ग्राम रेंहटा निवासी गर्भवती 22 वर्षीय सलोनी पत्नी रवि, भोना कालोनी निवासी 70 वर्षीय सुरेश चंद्र पुत्र रामगोपाल, ग्राम भट्टपुरी निवासी 17 वर्षीय निशा पुत्री राजपाल, 70 वर्षीय छोटे लाल पुत्र हुलासी, ग्राम हजीरा निवासी 55 वर्षीय निहाल सिंह पुत्र रज्जू, टेंपो चालक ग्राम बरहैनी निवासी 23 वर्षीय विपिन पुत्र रामपाल समेत सात लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई। दौड़कर पहुंचे आसपास के लोगों एवं राहगीरों की मदद से पांच घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि दो घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बाजपुर में घटना स्थल पर पलटा पड़ा टेंपो। • अमृत विचार

1438 व्यापारियों को नहीं मिली बाढ़ राहत राशि

खटीमा : गत वर्ष बाढ़ की विभीषिका झेल चुके नगर के 1438 व्यापारियों को सरकार द्वारा स्वीकृत मुआवजा तकनीकी खामियों और स्वीकृति के इंतजार में नहीं बंट सका है। आठ जुलाई 2024 को अतिविष्टि के चलते नगर में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई थी। इसके चलते बाजार तथा नगर वासियों के घरों में पानी भरने से भारी नुकसान हुआ था। मुख्यमंत्री के निर्देशन में नुकसान का सर्वे किया गया था। तब 1438 व्यापारियों को उच्च, माध्यमिक एवं निम्न श्रेणी में नुकसान का आंकलन कर रिपोर्ट शासन को भेजी गई थी। सरकार द्वारा उच्च श्रेणी को 50 हजार, मध्यम को 25 हजार तथा निम्न श्रेणी पर 10 हजार रुपये स्वीकृत हुए हैं। रजिस्ट्रार कानूनगो जगमोहन त्रिपाठी ने बताया कि मुआवजा राशि मिल चुकी है। पुन: स्वीकृति के इंतजार के कारण मुआवजा वितरण नहीं हो सका है।

'सरकार जनता के द्वार' में नहीं पहुंचे अधिकारी

- अधिकारियों की अनुपस्थिति से ग्रामीणों में भारी नाराजगी

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: ऊधम सिंह नगर जिला प्रशासन द्वारा शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानी ग्राम जवाहरनगर में आयोजित सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में अधिकारियों की अनुपस्थिति से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

तय कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू हुए इस शिविर में मात्र जिला उद्योग केंद्र की प्रभारी महाप्रबंधक योगिता जोशी, स्वास्थ्य विभाग और गन्ना विभाग के प्रतिनिधि ही पहुंचे। जबकि शेष 24 विभागों के अधिकारी न तो स्वयं कार्यक्रम में उपस्थित हुए और न ही अपने किसी प्रतिनिधि को भेजना जरूरी समझा। अधिकारियों की इस लापरवाही के कारण लोक निर्माण, विद्युत, पेयजल, श्रम, शिक्षा, कृषि, दुग्ध विकास, समाज कल्याण, पूर्ति तथा पंचायती राज जैसे महत्वपूर्ण विभागों से संबंधित समस्याएं लेकर पहुंचे ग्रामीण निराश होकर खाली हाथ लौट गए। ग्रामीणों ने इसे प्रशासन की उदासीनता बताते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। काफी इंतजार के बाद कार्यक्रम की औपचारिक अध्यक्षता ग्राम प्रधान तारा पांडे और जिला उद्योग केंद्र की प्रभारी महाप्रबंधक योगिता जोशी ने की। महज 20 मिनट की औपचारिक कार्रवाई में योगिता जोशी ने उद्योग विभाग की योजनाओं की जानकारी दी।

ग्राम प्रधान तारा पांडे ने कहा -जिलाधिकारी को मामले का संज्ञान लेकर अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रेम आर्या, मोहन पाण्डे, गंगा सिंह पपोला, राजेश कुमार विश्वास, सीएचओ नंदन सिंह कोरंगा, देवेन्द्र बिष्ट, सुभाष राम, आशा माधुवी नेगी, प्रिंस कुमार, गणेश प्रसाद, फकीर राम, पूरन लाल वर्मा, पंकज पाण्डे, माध्वानंद बहुगुणा, अंजु मठपाल, हर्षिता, नैना पाण्डे, बबिता आर्या, जानकी डिमरी, अंकिता गड़िया, रश्मि काण्डपाल, ममता व कुंदन अधिकारी मौजूद रहे।

जवाहरनगर में ग्रामीणों को जानकारी देती प्रभारी उद्यान महाप्रबंधक योगिता जोशी।

वैराग्य

एक फरवरी को धारण करेंगे दीक्षा अंगीकार, जैन समुदाय में हर्ष, कारोबारी का बेटा है संभव

मोह माया त्याग संभव पहनेंगे संतों का चोला

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शहर के कारोबारी का 15 वर्षीय बेटा संभव अब सांसारिक मोह माया का त्याग कर मुक्ति मार्ग पर निकल पड़ा है और बालक जैन भागवती दीक्षा अंगीकार धारण करेगा। दिल्ली में होने वाली दीक्षा अंगीकार से पहले बालक का तिलक उत्सव हुआ और भव्य रथ यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में जैन समुदाय मौजूद रहा और बालक के संत बनने से प्रफुल्लित समुदाय के लोगों ने पुष्प वर्षा कर दर्शन भी किए।

यहां बता दें कि शहर के कारोबारी सुरेश जैन का 15 वर्षीय बेटा संभव जैन अब सांसारिक मोहमाया का त्याग कर मुक्ति मार्ग पाएगा और दिल्ली में होने वाले विशाल दीक्षा अंगीकार में संत की उपाधि प्राप्त कर मोह माया का त्याग करेगा। उन्होंने बताया जा रहा है कि बाल्यकाल से ही संभव को जैन मुनियों का संग पसंद था और जैन मुनियों की सेवा करना ही उसका लक्ष्य रहता था। यही कारण है कि पांच साल तक संतों के साथ भारत भ्रमण पर जाने के बाद संभव ने सांसारिक मोह माया और परिवार को छोड़ने की इच्छा जताई।

बताया जा रहा है कि परिवार ने भी इच्छा का सम्मान करते हुए अपने बेटे को मुक्ति मार्ग के पथ पर जाने की इजाजत दे डाली। इसके बाद जैन समुदाय में मानो उत्सव का माहौल हो गया और शुक्रवार को जैन मंदिर में तिलक उत्सव मनाया गया। बताया जा रहा है कि दीक्षा अंगीकार प्राप्त करने के बाद संभव देवलोक सुदर्शन लाल जी महाराज के उत्तराधिकारी एवं गद्दी असीन गुरु रोहित मुनि की शरण में रहकर जैन धर्म के सभी नियमों का पालन करेगा और मोह माया का त्याग कर संतों का जीवन व्यतीत करेगा। जैन परिवार के लिए हर पल जितना खुशियों भरा था, उससे ज्यादा प्रदेश के लिए गौरवान्वित करने बात भी है, क्योकि संभव प्रदेश का ऐसा बालक होगा। जो दीक्षा अंगीकार प्राप्त करेगा। एक फरवरी को दिल्ली में होने वाले विशाल दीक्षा अंगीकार समारोह में संभव के साथ देश- विदेश से आए बालक भी जैन भागवती दीक्षा अंगीकार धारण करेंगे।

दिल्ली जाने से पहले बालक संभव की रथयात्रा निकालते समुदाय के लोग।

फैक्ट्री कर्मी ने लगाई फांसी

काशीपुर: संदिग्ध परिस्थितियों में एक फैक्ट्री कर्मी ने फांसी लगा ली। पश्चिम बंगाल बंचुकामारी बैरीगुड़ी अलीपुर दुआर जलपाईगुड़ी निवासी भानुचंद्र डे (50) पुत्र मनोज मुरादाबाद रोड स्थित एक पेपर मिल में मजदूरी करता था और अपने साथी मिथुन के साथ मिल के क्वार्टर में रहता था। बताया जा रहा है बीते बृहस्पतिवार को वह ड्यूटी नहीं गया था। जबकि मिथुन ड्यूटी गया था। रात लगभग दस बजे मिथुन ड्यूटी खत्म करने क्वार्टर पर पहुंचा तब देखा दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज लगाने के बाद जब दरवाजा नहीं खुला तब उसने खिड़की से झांककर देखा। भानुचंद्र डे दीवार में लगी खूंटी से प्लास्टिक की रस्सी से लटका हुआ था। तब उसने इसकी जानकारी अपने साथियों व पुलिस को दी।

चीनी मिल ठप होने से भड़के किसान

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: चीनी मिल में मंगलवार को एक बार फिर 12 घंटे से अधिक समय तक उत्पादन ठप रहने पर किसानों का गुस्सा भड़क उठा, जिन्होंने प्रधान प्रबंधक का घेराव कर समस्या के समाधान की मांग की। इस दौरान किसानों ने बार-बार हो रही तकनीकी दिक्कतों के लिए चीफ इंजीनियर को जिम्मेदार ठहराया।

इस बार नवीन पेराई सत्र शुरू होने के बाद से ही मिल सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। लगातार खराबियों के कारण बीते चार दिनों से गन्ने से भरी ट्रालियां मिल के गेट पर खड़ी हैं। लंबे इंतजार से क्षुब्ध आक्रोशित किसानों का धैर्य जवाब दे गया और शुक्रवार को उन्होंने मिल के प्रधान प्रबंधक का कार्यभार संभाल रहीं एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा का घेराव कर आक्रोश व्यक्त किया। किसानों ने आरोप लगाया कि तकनीकी खामियों को दूर करने में फैक्ट्री प्रशासन पूरी तरह विफल रहा है। इस दौरान भाकियू के प्रदेश सचिव बिजेंद्र सिंह डोगरा और प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह रंधावा ने मिल में बार-बार आ रही खराबियों के लिए चीफ इंजीनियर को जिम्मेदार ठहराते हुए खरी-खोटी सुनाई।

प्रधान प्रबंधक के घेराव के दौरान हुई वार्ता में चीफ इंजीनियर लगातार मिल बंद रहने पर किसानों और जीएम को कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे पाए। वहीं जीएम ने किसानों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही वैकल्पिक व्यवस्था कर मिल संचालन को सुचारू किया जाएगा।

बाजपुर में प्रधान प्रबंधक डॉ.अमृता शर्मा का घेराव करते किसान। • अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

आवारा कुत्तों को रेबीज का टीके लगाए

बनबसा : नगर पंचायत की पहल पर पशु चिकित्सालय की टीम ने नगर में 25 आवारा कुत्तों को रेबीज के टीके लगाए। ईओ दीपक चंद्र बुढलाकोटी ने बताया कि नगर पंचायत ने उच्चतम न्यायालय के आदेश को देखते हुए राजकीय पशु चिकित्सालय के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ मिलकर 25 आवारा कुत्तों को एंटी रेबीज टीके लगाये। इस अवसर पर नगर पंचायत से जगदीश जोशी, नीतू पन्त, ओमपाल, प्रमोद, नरेश विश्वकर्मा, राजन व राजकीय पशु चिकित्सालय से डॉ. फरहीन ताहिर, किशन चन्द, दिनेश राम शामिल रहे।

वरिष्ठ पत्रकार निझावन का निधन

काशीपुर : काशीपुर से प्रकाशित हिंदी सांध्य दैनिक के सम्पादक अनिरुद्ध निझावन का शुक्रवार को निधन हो गया। अलीगंज रोड स्थित फसियापुरा निवासी निझावन लंबे समय से अस्वस्थ थे। शुक्रवार को अपने आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। काशीपुर मीडिया सेंटर समेत मीडिया के विभिन्न संगठनों तथा सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों ने उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है।

अनुपम शर्मा बने रैली के पर्यवेक्षक

काशीपुर : कांग्रेस की 14 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ रैली के लिए एआईसीसी सदस्य और प्रदेश कांग्रेस महासचिव अनुपम शर्मा को काशीपुर विधानसभा का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उनके पर्यवेक्षक बनने पर महानगर अध्यक्ष अलका पाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष मुशर्रफ़ हुसैन, गौरव चौधरी, विमला गुड़िया, मनोज अग्रवाल, सारीम सैफी, ब्रह्मपाल, विमल गुड़िया, दीपिका आत्रेय, हरीश कुमार सिंह, मनोज जोशी, उमेश जोशी आदि ने हर्ष जताया है।

पत्रकारों ने शोकसभा कर जताया शोक

खटीमा : पत्रकारों ने वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश मौर्य के पिता बसंत राम मौर्य के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। शोक सभा में वरिष्ठ पत्रकार खड़क सिंह गैड़ा, गोरखनाथ, स्वतंत्र प्रकाश आजाद, अशोक सरकार, सूरज सिंह गोसाई, शंकर पलियाल, मुकेश चौधरी, राजू मिताड़ी, राजेश छावड़ा, हरीश मेहरा, धीरेंद्र गौड़, कीर्ति राज रुमाल रहे।

एनएमसी की टीम ने अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर स्वीकृति प्रदान की

मेडिकल कॉलेज को 13 पीजी कोर्स की मंजूरी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) ने अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज को 13 नये पीजी कोर्स शुरू करने की अनुमति प्रदान की है। मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड के जारी लेटर ऑफ परमिशन के अनुसार कॉलेज को 33 नई सीटों की स्वीकृति मिली है, जो आगामी सत्र से प्रभावी होगी।

एनएमसी की टीम ने कॉलेज का भौतिक निरीक्षण, फैकल्टी उपलब्धता, अस्पताल सुविधाएं, क्लीनिकल सामग्री और उपकरणों की जांच की। मूल्यांकन प्रक्रिया में कॉलेज सभी मानकों पर संतोषजनक पाया गया। इसके बाद एमएआरबी ने मंजूरी जारी की। एनएमसी ने स्पष्ट किया है कि कॉलेज को पूरे सत्र में गुणवत्ता मानकों का पालन करना होगा। गलत जानकारी या दस्तावेज़ों में गड़बड़ी पाए जाने पर अनुमति तुरंत निरस्त कर दी जाएगी। वहीं, अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज के लिए यह मंजूरी कुमाऊं क्षेत्र की उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं व विशेषज्ञ डाक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही है।

> एनएमसी की ओर से 13 पीजी कोर्सों को स्वीकृति प्रदान की गई है। जल्द मेडिकल कॉलेज में पीजी कोर्स शुरू होगा। वहीं, अब विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर होगी।
> –प्रो. सीपी भैसोड़ा, प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा

मेडिकल कॉलेज में स्वीकृत कोर्स और सीटें

अल्मोड़ा : पीजी कोर्सों में एमडी रेस्पिरेटरी मेडिसिन दो, एमडी पीडियाट्रिक्स चार, एमडी/एमएस एनाटॉमी तीन, एमएस ऑर्थोपेडिक्स दो, एमडी एनेस्थीसियोलॉजी तीन, एमएस ऑप्थैल्मोलाजी दो, एमएस ऑब्स एंड गायनेकोलाजी दो, एमडी जनरल मेडिसिन दो, एमडी फिजियोलाजी तीन, एमडी माइक्रोबायोलॉजी तीन, एमडी पैथोलॉजी तीन, एमडी फार्माकोलॉजी तीन, एमडी फॉरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी तीन सीटे शामिल हैं।

पर्वतीय राज्यों के लिए नेशनल हाईवे संशोधन विधेयक की मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: संसद के शीतकालीन सत्र में नेशनल हाईवे संशोधन विधेयक में पहाड़ी राज्यों के हितों की रक्षा को भाजपा कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार से की मांग की है। मामले को लेकर कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा कि आगामी एक दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार द्वारा नेशनल हाईवे संशोधन विधेयक लाए जाने की पुष्टि की गई है। कहा कि पहाड़ी राज्यों की भौगोलिक परिस्थितियां अन्य राज्यों से भिन्न हैं। इसलिए हाईवे निर्माण से संबंधित नियमों में इन राज्यों के लिए विशेष प्रावधान अनिवार्य किए जाएं। उन्होंने भवन, दुकान प्रभावित होने पर पुनर्वास व्यवस्था करने, अधिग्रहण के बाद पार्किंग व्यवस्था करने, आपदा प्रभावित क्षेत्रों में बिना देरी त्वरित कार्यवाही करने, वैकल्पिक मार्ग निर्माण आदि की मांग उठाई। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजीव गुरुरानी, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, त्रिलोचन जोशी, दीक्षांत पवार, एस कुमार, ललित जोशी आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में केंद्रीय राज्य मंत्री टम्टा को ज्ञापन सौंपते भाजपा कार्यकर्ता।

नशा मुक्ति अभियान को डिजिटल संकल्प

कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत ने कलक्ट्रेट में अफसरों की बैठक ली, विभागीय स्टॉलों का किया निरीक्षण

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचार: आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत की अध्यक्षता में जिला सभागार चम्पावत में बैठक आयोजित की गई। बैठक से पूर्व आयुक्त ने कलक्ट्रेट परिसर में स्थापित विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूहों, पशुपालकों एवं उद्यान विभाग के लाभार्थियों से संवाद किया।

निरीक्षण के दौरान उद्यान विभाग के लाभार्थी हरीश चंद्र जोशी द्वारा उत्पादित शहद का स्वाद लेते हुए उसकी गुणवत्ता की सराहना की। वहीं, जनपद की प्रतिभाशाली कलाकार अपर्णा पनेरू की ऐपण कला को विशेष रूप से प्रशंसित किया। इसके उपरांत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयुक्त ने कलक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण किया। नशा मुक्ति अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयुक्त द्वारा जिला सभागार में डिजिटल संकल्प लिया गया तथा डिजिटल हस्ताक्षर कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। बैठक में अष्टम बोर्ड, जनपदीय नवाचार, मुख्यमंत्री घोषणाएं, केंद्र-राज्य एवं जनपदीय व्यय, गोल्ज्यू कॉरिडोर, शारदा कॉरिडोर तथा चम्पावत मास्टर प्लान 2041 सहित विविध विषयों पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने जिले के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय ध्वज स्थापना (मेन मार्केट), ग्रीन पार्क निर्माण, कुमाऊंनी शैली में घंटाघर निर्माण तथा टनकपुर तिराहा सौंदर्यीकरण से संबंधित प्रस्ताव आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए। आयुक्त ने जिला विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति, लागत एवं वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान एसपी अजय गणपति, सीडीओ डॉ. जीएस खाती रहे।

चम्पावत जिला सभागार में बैठक लेते कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत। ● अमृत विचार

कुमाऊं आयुक्त को पौधा भेंट करतीं पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे।

जनप्रतिनिधियों से किया संवाद

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार: जिला सभागार में शुक्रवार को आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत ने प्रबुद्धजनों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। इस दौरान आयुक्त ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, नागरिकों एवं प्रबुद्धजनों से उनकी समस्याओं, मांगों एवं सुझावों पर चर्चा की।

संवाद के दौरान सड़क, बिजली, स्थानीय आवश्यकताओं तथा डिप्टेश्वर झील निर्माण प्रमुख मुद्दे रहे। स्थानीय लोगों द्वारा झील निर्माण स्थल को कुछ मीटर आगे बढ़ाने की आवश्यकता व्यक्त करने पर आयुक्त ने जिलाधिकारी को भू-वैज्ञानिक से जांच कराने एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने जन समस्याओं के निस्तारण पर जोर देते हुए जिलाधिकारी को शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बाद में जिला सभागार में आयुक्त ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रबुद्धजनों को सम्मानित भी किया। उन्होंने राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका मंजू बाला को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए गोपाल रत्न पुरस्कार 2025 के सम्मानित प्रदीप पंगरिया को भी आयुक्त ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे, नगरपालिका अध्यक्ष लोहाघाट गोविंद वर्मा, चिन्हित राज्य आंदोलनकारी बसंत तड़ागी सहित अनेक प्रबुद्धजन एवं नागरिक मौजूद रहे।

अतिथि शिक्षकों ने मानदेय को लेकर किया प्रदर्शन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: दीर्घकालीन अवकाश का मानदेय दिए जाने की मांग को लेकर अतिथि शिक्षकों ने मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को जिलेभर में अतिथि शिक्षकों ने कार्य बहिष्कार कर शासन प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि अन्य जिलों में दीर्घकालीन अवकाश का मानदेय दिया जा रहा है, लेकिन अल्मोड़ा में शिक्षकों से इससे वंचित रखा गया है।

शुक्रवार को माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ के बैनर तले जिले के सभी विकासखंड में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को प्रदर्शन किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि अतिथि शिक्षकों को जनवरी और जून दो माह का दीर्घकालीन मानदेय नहीं दिया गया है। जबकि अल्मोड़ा को छोड़ कुमाऊ के सभी जिलों में अतिथि शिक्षकों को मानदेय दिया गया। कहा कि मानदेय को लेकर पूर्व में भी अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक मामले में कोई भी सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। जिससे शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त है। शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द दीर्घकालीन मानदेय नहीं दिया गया तो समस्त शिक्षक उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। यहां प्रदर्शन करने वालों में मदन मोहन मिश्रा, मनीष पांडे, भावना, कमलेश पांडे, पूनम वर्मा, नीमा जड़ौत, मीनाक्षी साह, हेमा आर्या, नरेंद्र प्रसाद, ऋचा, प्रांजलि रहे।

मानदेय की मांग को लेकर प्रदर्शन करते अतिथि शिक्षक। ● अमृत विचार

नव निर्वाचित प्रधान सोनिया को कार्यभार सौंपते पूर्व प्रधान हरीश भट्ट। ● अमृत विचार

पान गांव में युवा प्रधान सोनिया ने पदभार ग्रहण किया

बैरती (अल्मोड़ा) : निकटवर्ती पान ग्राम पंचायत में भी ग्राम पंचायत के विधिवत गठन के साथ गाँव की सबसे युवा प्रधान सोनिया आर्या ने पदभार ग्रहण कर लिया है। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी नवल किशोर जोशी की मौजूदगी में पूर्व प्रधान हरीश चन्द्र भट्ट ने नव निर्वाचित प्रधान सोनिया को ग्राम पंचायत के दस्तावेज व मोहर सौंपी। आगन्तुकों का आभार व्यक्त करते हुए 31 वर्षीय नव निर्वाचित प्रधान सोनिया ने अपने संबोधन में कहा कि सबको साथ लेकर मूलभूत समस्याओं के समाधान का प्रयास उनकी प्रथमिकता होगी। विशेषकर ग्राम पंचायत की पेयजल व्यवस्था पर उन्होंने फोकस किया। इस अवसर पर गोपाल रौतेला, गणेश रौतेला, गोबिंद सिंह, भूपेंद्र बिष्ट व देवेंद्र आदि ग्राम पंचायत सदस्य मौजूद थे। ग्राम पंचायत में सभी सात वार्ड सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इसके अलावा यह भी जानकारी मिली है कि उप प्रधान पद पर भी निर्विरोध चयन के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

मेहनत व लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी: डीएम

- डीएम ने अग्निवीर बने युवाओं को किया सम्मानित
- जिला खेल विभाग में प्रशिक्षण ले रहे 20 युवा बने अग्निवीर

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: जिला खेल विभाग की ओर से अग्निवीर बने युवाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डीएम अंशुल सिंह ने युवाओं को सम्मानित कर खेल विभाग के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान डीएम ने चयनित अभ्यर्थियों के साथ बैठक कर संवाद किया और उनके भविष्य के लिए उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन, मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने अन्य प्रशिक्षुओं को भी इससे प्रेरणा लेने और बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण के कोच सागर सिंह बिष्ट को भी सम्मानित किया और युवाओं के भविष्य को लेकर किए गए उनके प्रयासों की सराहना की। खेल कार्यालय की ओर से युवाओं को दी जा रही इस प्रशिक्षण व्यवस्था की सराहना करते हुए डीएम ने कहा कि ऐसे प्रयास युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और रोजगार के अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मौके पर यहां सीडीओ रामजी शरण शर्मा, जिला क्रीड़ा अधिकारी महेशी आर्या, अरूण बग्याल, फुटबॉल एसोसिएशन अध्यक्ष हरीश कनवाल, भूपेंद्र कनवाल, मदन बिष्ट, नवीन बिष्ट, दीपक जीना, मनीष कनवाल रहे।

खेल विभाग से प्रशिक्षण प्राप्त कर अग्निवीर बने युवाओं का सम्मान हुआ।

बच्चों में मोबाइल के प्रति बढ़ती लत पर जताई चिंता

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: बच्चों में मोबाइल व सोशल मीडिया के बढ़ते दुष्प्रभाव पर सामाजिक कार्यकर्ता नैना लोहुमी ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि समय पर अभिभावक नहीं चेते तो इसके गंभीर परिणाम होंगे और आने वाला समय काफी चिंतनीय होगा। उन्होंने सरकार से 18 वर्ष तक की आयु के किशोरों पर सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

नैना लोहुमी।

बचपन बचाने के क्षेत्र में कार्य कर रहीं बाल सामाजिक कार्यकर्ता नैना लोहुमी ने कहा कि वर्तमान में सोशल मीडिया से किशोरियों से संपर्क करके असामाजिक तत्व गुमराह करने के मामले काफी समय से प्रकाश में आ रहे हैं। मोबाइल की लत भी निरंतर बढ़ रही है कई अभिभावक अपने बच्चों को खेल के प्रति प्रेरित करने के बजाय मोबाइल दे रहे हैं जो कि बच्चों की किशोरावस्था को छीन रहा है तथा किशोरावस्था में ही बच्चे युवाओं की तरह महंगी गाड़ियां, महंगे मोबाइल व नशे, पार्टी की ओर बढ़ रहे हैं। कहा कि किसी बच्चे के हाथ में मोबाइल फोन देने से परिवार भी बर्बाद हो रहे हैं। साथ ही, परिवार व समाज के रिश्ते समाप्त हो रहे हैं। उन्होंने सभी अभिभावकों व जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे इस दिशा में प्रयास करें कि 18 वर्ष आयु तक के किशोरों के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग गैर कानूनी हो।

नंदादेवी मंदिर कार्य रुकवाने का आरोप

अल्मोड़ा: नंदादेवी मंदिर समिति ने पुरातत्व विभाग पर मंदिर निर्माण कार्य को रुकवाने का आरोप लगाया है। शुक्रवार को समिति के सदस्यों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। मामले में डीएम से कार्य का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की मांग उठाई।

ज्ञापन में कहा कि प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग की ओर से मंदिर माला मिशन के तहत मां नन्दा देवी मंदिर व प्रांगण का सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। पूर्व के मंदिर व प्रांगण और पर्यटन सचिव व डीएम की ओर से दिए निर्देश के अनुरूप ही कार्य किए जा रहे। आरोप लगाया कि बीते दिनों पुरातत्त्व विभाग की ओर से दुकान व छोटी धर्मशाला वाली जगह पर कार्य को रुकवा दिया गया है। ज्ञापन सौंपने वालों में नंदादेवी मंदिर समिति अध्यक्ष मनोज वर्मा, पार्षद अमित साह मोनू, अर्जुन रहे।

महाविद्यालय में महिला सुरक्षा और अधिकारों को लेकर गोष्ठी

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला यौन उत्पीड़न एवं परिवेदना निवारण प्रकोष्ठ के तत्वाधान में महिला सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को उनके संवैधानिक अधिकार, सुरक्षा, संबंधित कानूनी प्रावधान और स्वयं की सुरक्षा के लिए अपनाए जाने वाले व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया गया।

शुक्रवार को प्राचार्य प्रो. रेनू रानी बंसल की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय हमेशा महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के प्रति गंभीरता से कार्य करता है। महिलाओं के लिए अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। ताकि वह किसी भी परिस्थिति में स्वयं को सुरक्षित रख सकें और आवश्यक होने पर उचित कार्रवाई करा सकें।

वहीं, डॉ. विमला सिंह ने कहा कि कि छात्राओं में सुरक्षा, आत्मनिर्भरता तथा जागरूकता की भावना को बढ़ावा मिल सकें। इसलिए गोष्ठियां आयोजित की जाती है। मुख्य वक्ता पुष्पा पानू ने महिलाओं से संबंधित विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों, अधिकारों और सुरक्षा कानूनों पर चर्चा की। उन्होंने छात्राओं से कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न या दुर्व्यवहार पर चुप रहना समस्या को बढ़ाता है। इस मौके पर डॉ. एमसी आर्य, डॉ. जगदीपक जोशी, जगदीश प्रसाद, डॉ. गीतांजलि, डॉ. कामना, डॉ. शोभा पांडे, डॉ. कार्तिकेय, डॉ. दुर्गा, डॉ सुधा, डॉ गरिमा रहे।

महिला सुरक्षा और अधिकारों पर आयोजित गोष्ठीमें शामिल लोग।

स्प्रिंग फील्ड का रजत जयंती समारोह मनाया

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: गोविंद मैमोरियल स्प्रिंग फील्ड पब्लिक स्कूल ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह उत्साह के साथ मनाया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुमाऊं तथा नागा रेजीमेंट के डिप्टी कमांडेंट कर्नल प्रभु रामदास वामन ने दीप प्रज्वलन कर किया।

विश्व विजय सिंह माहरा तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या सुश्री रितिका कांडपाल ने 25 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा, उपलब्धियों और भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। सांस्कृतिक नृत्य, समूहगान, पहाड़ी लोकगीत, नाटिका, पुरानी यादों पर आधारित नृत्य, दादा दादी तथा नाना नानी पर आधारित नृत्य योग, फ्यूजन नृत्य तथा विद्यालय की पूर्व प्रधानाचार्य मीरा मेहर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम की अध्यक्ष कौशल्या माहरा तथा विद्यालय संस्थापक करन माहरा ने विद्यालय तथा विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शिक्षकों और विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया गया।

विद्यालय प्रबंध निदेशक रमा माहरा ने सभी का धन्यवाद किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्या नीरा महर, प्रधानाचार्या सुश्री रितिका कांडपाल, ममता नेगी, कल्पना नेगी, वीना नेगी, रेखा जोशी, पुष्पा बिष्ट रहे।

रोजगार की दृष्टि से संस्कृत भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला

काशीपुर: राधे हरि महाविद्यालय में संचालित कैरियर काउन्सलिंग के अन्तर्गत संस्कृत विभाग में वर्तमान समय में रोजगार के क्षेत्र में संस्कृत के महत्व पर विचार गोष्ठी की गयी। इस गोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. सुभाष चन्द सिंह कुशवाह, विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राघव कुमार झा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत विचार गोष्ठी, संस्कृत भाषा संबंधी एक रैली निकाली गयी। महाविद्यालय में संचालित एनसीसी बटालियन की प्रभारी डॉ. रूपा आर्या, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. कुंवर पाल सिंह, डॉ. संतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में इनरव्हील क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम शामिल बच्चे और क्लब सदस्य।

इनरव्हील क्लब ने बाल श्रम के प्रति किया जागरूक

काशीपुर, अमृत विचार : इनरव्हील क्लब ऑफ काशीपुर द्वारा बच्चों को नो टू लेबर से इस तो एजूकेशन विषय पर अवगत कराया गया कि यह उम्र उनके पढ़ने की है। आजीविका कमाने के चक्कर में शिक्षा प्राप्ति के सुनहरे अवसर ना खोएं। कार्यक्रम आयुषी नागर के ख्वाहिश एनजीओ के वेदशाला भवन में आयोजित की गई। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सत्येन्द्र चंद्र गुड़िया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट की वरिष्ठ प्रवक्ता सिमरन सेठी रहीं। इस अवसर पर क्लब द्वारा बच्चों को खाद्य सामग्री भी वितरित की गई। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय, सचिव निमिषा अग्रवाल, आईएसओ पूनम जोशी, कोषाध्यक्ष रूपाली अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, ऋचा अग्रवाल, रंजीता कौर, नूपुर अग्रवाल सहित एनजीओ की संयोजिका आयुषी नागर आदि उपस्थित रहे।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

बरेली। बरेली जबरदस्त तरीके से औद्योगिक विकास के क्षेत्र में उड़ान भर रहा है। कभी सिर्फ फर्नीचर, सुरमा, पतंग और जरी-जरदोजी के लिए पहचाने जाने वाला जिला अब खाद्य पदार्थ, तेल, मेंथा, प्लाईवुड, रसायन समेत तमाम उद्योगों का केंद्र बनता जा रहा है। सरकारी योजनाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण बरेली का औद्योगिक चेहरा लगातार बदल रहा है। 20वीं सदी के शुरुआत में कुछ एक इंडस्ट्री से शुरू हुआ सफर आज 250 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों तक आ पहुंचा है। इस संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बरेली की औद्योगिक यात्रा उसकी सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी प्रगति की कहानी भी है। हुनर, संसाधन और नवाचार तीनों मिलकर शहर को देष के औद्योगिक नक्शे पर स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

बरेली बन रहा औद्योगिक हबः फर्नीचर, जरी-जरदोजी और कृषि उद्योग से लेकर पेपर, खाद्य पदार्थ, रसायन उद्योग तक की दौड़

बरेलीः परंपरागत उद्यमों से माडर्न उद्योगों तक की उड़ान

बरेली में 1956 में सीबीगंज, 1960 में परसाखेड़ा के अलावा 1964 में भोजीपुरा औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए। फरीदुपर रोड पर रजऊ के आसपास निजी रूप से इंडस्ट्रियल एरिया विकसित किया गया। यहां पेपर मिल, खाद्य तेल, प्लास्टिक, प्लॉईवुड समेत कई इकाइयां स्थापित हैं। परसाखेड़ा सबसे बड़ा और व्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्र है यहां ब्रेड-बिस्कुट, खाद्य तेल, डिस्टिलरी, कन्फेक्शनरी, कोल्ड ड्रिंक, आइसक्रीम, रासायनिक पदार्थ, समेत कई अन्य उद्योग हैं। सीबीगंज और भोजीपुरा में भी छोटे-बड़े कई उद्योग हैं। बरेली में कई रासायनिक और औषधि निर्माण इकाइयां स्थापित हुई हैं। यहाँ बनने वाले साबुन, डिटर्जेंट, दवाइयां और खाद उत्पाद स्थानीय और राष्ट्रीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं।

निजी इंडस्ट्रियल एरिया को बढ़ावा

उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार निजी इंडस्ट्रियल एरिया को प्रोत्साहन दे रही है। प्लेज योजना (प्रमोटिंग लीडरशिप एंड एंटरप्राइज फॉर डेवलपमेंट ऑफ ग्रोथ इंजंस) के तहत निजी जमीन पर औद्योगिक पार्क बनाया जा सकता है। इसमें कई तरह की छूट और सुविधाएं मिलेगी। 10 से 50 एकड़ तक जमीन वाले लोग औद्योगिक प्लेज पार्क बना सकेंगे। इसके लिए प्रति एकड़ 50 लाख का लोन एक प्रतिशत की ब्याज दर पर सरकार जमीन के मालिक को देगी। वह प्लाट बेचकर या किराए पर देकर कमाई कर सकता है। निजी पार्क में उद्योग लगाने के लिए सरकार उद्यमी को भी छूट पर लोन देती है। उद्योगपति विमल रेवाड़ी कहतें है कि रजऊ के आसपास समेत फरीदपुर रोड पर फूड प्रोसेसिंग, पेपर मिल, मोल्डेड फर्नीचर, प्लाईवुड, खाद्य तेल समेत दर्जनों उद्योग निजी जमीनों पर ही लगाए गए हैं। हालांकि यह प्लेज योजना के अंतर्गत इसलिए नहीं क्योंकि उद्योगपतियों ने खुद ही किसानों से जमीन खरीदकर अपनी फैक्ट्रियां लगाई हैं। वह कहते हैं कि यहां बिजली, सड़कों समेत कुछ बुनियादी समस्याएं हैं जिनका निदान जरूरी है। वह कहते है कि सरकार फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के लिए करीब 35 प्रतिशत सब्सिडी पर लोन देती है।

बड़ी फैक्ट्रियों का दौर

एक समय बरेली देश के बड़े उद्योगपतियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा था। यहां की कत्था फैक्ट्रियां पंजाब, दिल्ली, बंगाल समते अन्य राज्यों तक सप्लाई भेजती थीं। कत्था उद्योग ने बरेली को कृषि-आधारित औद्योगिक केंद्र के रूप में पहचान दी। विमको ने बरेली के औद्योगिक इतिहास में सुनहरा अध्याय जोड़ा। विमको ने आधुनिक मशीनरी, पैकेजिंग और श्रमिक प्रशिक्षण की शुरुआत की। विमको की सफलता ने यह साबित कर दिया कि बरेली में पारंपरिक कारीगरी ही नहीं मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के लिए भी बड़ी संभावनाएं हैं। इसी समय बरेली का औद्योगिक चरित्र बदलने लगा। बरेली की औद्योगिक पहचान में एक और बड़ा नाम है इफको (इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड)। 1988 में आंवला में स्थापित इफको न केवल उर्वरक उत्पादन में क्रांति लाई, बल्कि कृषि के क्षेत्र में जागरूकता, प्रशिक्षण और आधुनिक तकनीक को भी बढ़ावा दिया।

एमएसएमई और आधुनिक औद्योगिक दौर

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन के चैप्टर चेयरमैन मयूर धीरवानी ने कहा कि आज बरेली सिर्फ बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं है। यहां एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। फर्नीचर, प्लास्टिक, पैकेजिंग, कनफैक्शनरी, बेकरी, हैंडक्राफ्ट, फार्मा से जुड़े सैकड़ों उद्यम चल रहे हैं। "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत ज़री-ज़रदोजी उत्पादों को विश्व बाजार तक पहुंचाया जा रहा है। युवाओं में स्टार्टअप और डिजिटल कारोबार की संस्कृति विकसित हो रही है।

परंपरागत उद्योग

परंपरागत रूप से बरेली का फर्नीचर, सुरमा और जरी जरदोजी पूरे उत्तर भारत में प्रसिद्ध है। सिकलापुर फर्नीचर की बड़ी मंडी है। फर्नीचर के काम में हजारों कारीगर कार्यरत हैं। बरेली की जरी-जरदोजी ने अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई है। यहाँ के उत्पाद दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे फैशन केंद्रों तक पहुँचते हैं। यहां से इसे अरब देशों समेत पश्चिम के दशों में निर्यात किया जाता है। सुरमा ने भी बरेली को बड़ी पहचान दिलाई है। एम हसीन हाशमी का सुरमा दृष्टि की बेहतरी के लिए रामबाण माना जाता रहा है। पतंग और मांझा के बिना बरेली की पहचान अधूरी है। बरेली की पतंग आसपास के जिलों के आसमान को भी रंगबिरंगा कर देती है। बरेली का मांझा भरोसे की गारंटी माना जाता है हालांकि चायनीज मांझा ने न सिर्फ यहां के मांझा का रास्ता रोक दिया है बल्कि कामगारों की भी कमर तोड़ दी।

भविष्य की संभावनाएं

भविष्य में बरेली को "रोहिलखंड का औद्योगिक हब" बनाने की दिशा में कार्य चल रहा है। यहाँ फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना प्रस्तावित है। सरकार की यह योजनाएं सफल रहीं, तो बरेली उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक नगरों में शामिल हो जाएगा। दिसंबर में प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5 .0 के संबंध में बरेली को करीब 15 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य मिला है। वे आ जाते हैं तो शहर का औद्योगिक नक्शा ही बदल जाएगा।

औद्योगिक टाउनशिप से मिलेगी रफ्तार

बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) बोर्ड ने शहर के विकास को नई दिशा देने के लिए दिल्ली हाईवे पर औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। कमिश्नर भूपेंद्र एस चौधरी की अध्यक्षता में 93वीं बोर्ड बैठक में औद्योगिक विकास के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके लिए सदर तहसील के रसूला चौधरी और मीरगंज तहसील के भिटौरा नौगवां, फतेहगंज पश्चिमी, चिटौली और रहपुरा जागीर गांवों की लगभग 125 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। टाउनशिप में ट्रांसपोर्ट नगर, लॉजिस्टिक पार्क, वेयरहाउस, इंडस्ट्रियल यूनिट्स, डॉरमेट्री, हॉस्पिटल फैसिलिटी, बैंक, कैफेटेरिया, फायर स्टेशन, सीयूजीएल गैस लाइन, पेट्रोल व सीएनजी पंप, ई-चार्जिंग स्टेशन समेत अनेक सुविधाएं होंगी। योजना में 18, 30 और 45 मीटर चौड़ी सड़कें भी बनाई जाएंगी।

सरकार का सहयोग बना रहा और इसी गति से निवेश जारी रहा तो बरेली अगले कुछ वर्षों में उद्योगों का प्रमुख केंद्र बन जाएगा। हालांकि उद्योगों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, कुशल श्रमिकों की कमी समेत कई समस्याएं चिंता की बात हैं लेकिन समस्याओं से पार पाकर ही उद्योग खड़े किए जाते हैं। सरकार इसी तरह निवेश को बढ़ावा देती रही, तो बरेली को उत्तर प्रदेश का मिनी-इंडस्ट्रियल कैपिटल बनने से कोई नहीं रोक सकता। – **विमल रेवाड़ी**, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केंद्रीय समिति के सदस्य

1950 के बाद से बरेली के उद्योग क्षेत्र में बड़े पैमाने पर एमएसएमई की स्थापना हुइ जिसने समय के साथ-साथ अनुधिकता को अपनाया और यूपी के तीन बड़े शहरों में खुद को स्थापित किया। प्रदेश की जीडीपी में बरेली भी बड़ा योगदान दे रहा है। बरेली में बड़ी संख्या में लघु उद्योग लग रहे हैं। राज्य सरकार ने बरेली में फूड प्रोसेसिंग पार्क, फर्नीचर क्लस्टर, और हर्बल उत्पाद इकाइयों की स्थापना के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। हालात इसी तरह सही रहे तो बरेली उत्तर भारत का अगला इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेंटर बन सकता है। – **मयूर धीरवानी**, चैप्टर चेयरमैन, इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन

25 साल पहले इंडस्ट्री एक बुरे दौर गुजरीए उस दौरान कई बड़ी इंडस्ट्री बंद हुई तो कई बंद होने के कगार पर पहुंची। वर्तमान में भोजीपुरा और परसाखेडा जैसे औद्योगिक क्षेत्र का विकास होने के बाद उद्योग तेजी से संभले। बरेली उत्तर भारत का इंडीस्ट्रियल हब बनने के लिए तैयार है। बरेली के उद्योगों का तेजी से विकास होए इसके लिए आवश्यक है कि बरेली के लिए दूसरे बडे.शहरों से उड़ानों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। चैंबर आफ कामर्स उद्यमियों का समस्या के समाधान के लिए हर समय तैयार है।

– राजीव सिंघलए अध्यक्ष, चैंबर आफ कामर्स

निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियां

परसाखेड़ा में स्थापित खाद्य तेल निर्माता बीएल एग्रो भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में है। यह बैल कोल्हू ब्रांड से खाद्य तेल और रिफाइंड ऑयल बनाती है। नरिश ब्रांड के तहत, कंपनी आटा, चावल, दालें और घी जैसे उत्पाद बनाती है। मेवे, पापड़, अचार, मुरब्बा, मसाले और रेडी-टू-ईट उत्पाद भी इसकी सूची में शामिल हैं। रामा श्यामा पेपर मिल भी बड़ी कंपनी है जो 25 वर्षों से क्राफ्ट पेपर बनाती है जिसका उपयोग पैकेजिंग उद्योग, विशेष रूप से कोरोगेटेड बाक्सों और अन्य पैकेजिंग आवश्यकताओं के लिए किया जाता है। खंडेलवाल इडेबल आयल, अशोका फोम , जल-आकाश समेत कई बड़े उद्योग बरेली की औद्योगिक पहचान में चार चांद लगा रहे हैं।

ऐसे बना उद्योगों के लिए माहौल

इंडियन इंडस्ट्रीज ऐसोसिएशन की केंन्द्रीय समिति के सदस्य विमल रेवाड़ी बताते हैं कि सबसे बड़े क्षेत्र परसाखेड़ा में करीब 1997 तक हालात बहुत अच्छे नहीं थे। उद्योग थे लेकिन उद्यम जैसा माहौल नहीं था। जड़ता थी, उड़ान भरने का उत्साह नहीं था। तब परसाखेड़ा नगर निगम के पास था। सड़कें, नालियों समेत इंफ्रास्टक्चर बेहद खराब था। बरसात का पानी फैक्ट्रियों में घुस जाता था। माल खराब हो जाता था। हमारे संगठन के बहुत प्रयासों बाद परसाखेड़ा उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम यूपीसीडा ने ले लिया। इसके बाद बदलाव आया। माहौल बना तो नए उद्यम आए। वह भाजपा सरकार को उद्योगों के लिए संजीवनी मानते हैं। कहते हैं कि अब उद्यमियों से पूछा जाता है कि आपको क्या चाहिए। वह कहते है कि हम चाहते है कि उद्योगों में 35-40 प्रतिषत की ग्रोथ हो। इसके लिए सरकार से कुछ और भी अपेक्षाएं हैं जिसके बारे में संगठन ने बात की है।

यूं हुआ औद्योगिक विकास

1900 से 1960 तक बरेली में कई बड़े उद्योग लग चुके थे। 1919 में इज्जतनगर में इंडियन वुड प्रोडक्ट्स लिमिटेड की स्थापना हुई। यहां बड़े पैमाने पर कत्था निकाला जाता था। 1924 में सीबीगंज में इंडियन टरपेंटाइन एंड रोजिन (आईटीआर) की स्थापना हुई। 1938 में वेस्टर्न इंडियन मैच कंपनी (विमको) लगाई गई। इस कंपनी में बनी माचिस पूरे देश में पसंद की जाती थी। नेकपुर में 1932 में एचआर शुगर फैक्ट्री की स्थापना हुई। 1940 तक बरेली ने अपनी औद्योगिक पहचान मजबूत कर ली थी। 1960 में फतेहगंज पश्चिमी में एशिया की सबसे बड़ी रबर फैक्टरी लगी। इसके बाद समय का ऐसा पहिया घूमा कि उक्त पुराने उद्योग अलग-अलग कारणों से बंद होते रहे। सबसे बड़ा झटका रबर फैक्ट्री बंद होने से लगा। हालांकि तब तक परसाखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया विकसित हो चुका था और नए उद्योग पंख फैलाने लगे थे।

आंखों के रोगों में रामबाण माना जाता है बरेली का सुरमा

सुरमा बरेली वाला

बरेली। बरेली का सुरमा किसी पहचान का मोहताज नहीं। आंखें सुर्ख हो गई हों, पानी आ रहा हो, दर्द कर रही हों या अन्य परेशानी हो... सभी बीमारियों के उपचार में रामबाण माना जाने वाला बरेली का सुरमा दूर-दूर तक प्रसिद्ध है। भले ही अब इसे आंख संबंधी ड्रॉप और दवाइयों समेत नए-नए सौंदर्य प्रसाधनों से भारी चुनौती मिल रही हो। परंपरागत रूप से अभी भी लोगों का भरोसा सुरमा पर कायम है। बरेली में हाशम परिवार ने 1794 में सुरमा बनाना शुरू किया। 1971 में कारोबार संभालने वाले चौथी पीढ़ी के सदस्य एम हसीन हाशमी ने इसे देश-विदेश में मशहूर किया। अक्टूबर 2021 में उनकी मृत्युं के बाद सुरमा बनाने का कारोबार पांचवी पीढ़ी संभाल रही है।

इन रोगों में लाभकारी : यह आँखों को स्वस्थ रखता है। दृष्टि में सुधार करता है। आँखों को ठंडक और राहत देता है। इसका उपयोग दवा के रूप में भी किया जाता है। मोतियाबिंद, नाखूना, आंखों में जलन, आंख का जाला, पानी आना, लालिमा, पीलापन, कालेपानी जैसी समस्याओं में इसका उपयोग करते हैं। अलग-अलग रोग के लिए अलग-अलग सुरमा इस्तेमाल करते हैं। सुरमा ममीरा नंबर 777, सुरमा ममीरा 500, सुरमा ममीरा 555, सुरमा मोती, सुरमा गुलाब खास, सुरमी के अलावा कई अन्य तरह का सुरमा तैयार किया जाता है।

उर्स के समय बढ़ जाती है मांग : बरेली में सुरमा रेलवे स्टेशनों से लेकर बस अड्डों, बाजारों, गली-मोहल्लों की दुकानों तक पर आसानी से मिल जाता है। बड़ा बाजार, किला रोड, कुतुबखाना, पुराना शहर, सेटेलाइट हर कहीं सुरमा बिकता है। आला हजरत के उर्स में आने वाले देश-विदेश के जायरीन बरेली की निशानी के तौर पर सुरमा खरीदकर ले जाते हैं।

गुणवत्ता ही पहचान : शावेज हाशमी कहते हैं कि सुरमा बनाने का सबसे बेहतरीन तरीका अपनाते हैं जिससे सुरमा बहुत असरदार हो जाता है। सुरमा बनाते वक्त उसकी सामग्री की गुणवत्ता से समझौता नहीं करते। इसीलिए बरेली का सुरमा पूरी दुनिया में पहचान बनाए हुए है। बरेली से करीब 10 किलो सुरमा प्रतिदिन सप्लाई हो रहा है। वह बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश, दिल्ली समेत कई राज्यों में बरेली के सुरमा के कद्रदान हैं। पश्चिम बंगाल में इसकी मांग न के बराबर हैं क्योंकि वहां सुरमा का चलन नहीं है।

ऐसे बनता है सुरमा

करीब 230 सालों से चले आ रहे कारोबार को संभाल रहे पांचवीं पीढ़ी के शावेज हाशमी बताते हैं कि सुरमा बनाने के लिए सऊदी अरब, मिस्र से एक खास पत्थर कोहिनूर मंगाया जाता है। पत्थर को छह महीने गुलाब जल और सौंफ के पानी में डुबोकर रखा जाता है। पत्थर को सुखाकर पीसा जाता है। इसकी 11-12 लेयर उतारी जाती हैं। आखिर में ऐसा हो जाता है कि उंगलियों के पोरों पर भी महसूस न हों। अंतिम चरण में, इसमें सोने, चांदी और बादाम का अर्क मिलाया जाता है। इसमें गुलाबजल, कपूर, ममीरा, पीपल, सौंफ आदि यूनानी एवं आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां भी शामिल की जाती हैं। आखों की अलग अलग बीमारियों के हिसाब से सुरमा तैयार किया जाता है। बताया कि दिन भर में एक आदमी एक-सवा किलो पत्थर पीस पाता है। बाकरगंज में 25 परिवार वर्षों से सुरमा पीसने के काम में लगे हैं। वह बताते हैं कि सुरमा को ड्रॉप में भी लाने का प्रयास कर रहे हैं।

बरेली में जरी जरदोजी के काम में लाखों लोगों को मिला है रोजगार

जरी-जरदोजी... सलमा-सितारों की झिलमिल चुनरिया

बरेली। बरेली परंपरागत रूप से जरी-जरदोजी का गढ़ रहा है। यहां बहुत बड़े पैमाने पर जरी का काम होता रहा है। यह उद्योग शहर की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसमें तीन से चार लाख लोग काम करते हैं। रेशम, कटदाना मोती, कोरा कसाब, तार, नक्शी, नग, मोती, ट्यूब, चनाला, जरकन नोरी, पत्तियां, दर्पण जब किसी कपड़े पर टांके जाते हैं तो मुंह से वाह-वाह निकलता है। जरी जरदोजी के कपड़ों में लहंगे, सूट, साड़ी और गाउन के अलावा सोफों के कवर, कुशन, फ्रिज कवर, जूतियां शामिल हैं, जो स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी बेचे जाते हैं। जरी की कढ़ाई वाले सूट, साड़ियों की मांग दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद और पंजाब में सर्वाधिक हैं। अमेरिका, अरब देशों समेत यूरोप के भी कुछ देशों में भी इसकी मांग है।

घर-घर हो रहा काम : जरी-जरदोजी का काम बरेली शहर के साथ आसपास के गांवों और कस्बों में बड़ी संख्या में होता है। बरेली में खासकर पुराना शहर इसका केंद्र है। मोहनपुर ठिरिया, फतेहगंज पश्चिमी, फरीदपुर, बहेड़ी, नवाबगंज में भी बड़ी संख्या में लोग इस काम से जुड़े हैं। पुराना शहर में हजारों घरों में पूरा परिवार अड्डे पर कारचोबी करता दिखाई देता है। घर के कामों से निपटने के बाद महिलाएं-युवतियां इस काम में जुट जाती हैं और परिवार को आर्थिक संबल देती हैं। जरी-जरदोजी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है।

यूं होता है जरी का काम : कपड़े को कढ़ाई के लिए लकड़ी के एक फ्रेम में फिट करते हैं। इसे अड्डा कहा जाता है। कढ़ाई हुक जैसी नोक वाले सुआ या आरी से होती है। दाना, मोती, कटदाना, सलमा, सितारा, दबका, बड़े ध्यान से लगाने पड़ते हैं। कारीगर इतने हुनरमंद हो जाते हैं कि उनकी उंगलियां रेशम, सलमा-सितारों से खेलती लगती हैं। इसके बावजूद नजर हटी और दुर्घटना घटी वाली स्थिति होती है। इतना बारीक काम है कि कारीगरों की आंखों पर समय से पहले चश्मा लग जाता है।

मशीनों ने बढ़ाई मुश्किल

कलीम खां कहते हैं कि पैटर्न बदल रहा है जिसका असर कारोबार पर पड़ा है। कंप्यूटर से डिजाइन और मशीनों से कढ़ाई ने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इससे अड्डों में बहुत कमी आई है जिससे रोजी-रोटी प्रभावित हुई है। वह कहते हैं कि पशमीना शॉल पर जरी की कढ़ाई होती है। एक शॉल की कीमत 30 हजार रुपये तक है। कारीगर को भी अच्छा पैसा मिलता है लेकिन ये शाल आम चलन में नहीं है इसलिए बहुत लाभ नहीं। ऐसे ही कुछ अन्य कपड़े भी हैं जिनसे हमें अच्छा लाभ हो सकता है लेकिन आम लोगों की पहुंच से बाहर होने के कारण हमें आर्डर नहीं मिलते। वह कहते हैं कि जरदोजी के काम में आने वालें कच्चे माल की बढ़ रही कीमतों से भी परेशान हैं। इसके मुकाबले तैयार माल की कीमत में कोई खास बढ़त नहीं हुई।

दूसरे काम तलाश रहे कारीगर

जरी के काम में उस्ताद यूसुफ कारीगर निराशा जाहिर करते हैं। वह कहते हैं कि पहले जरी का काम घर-घर होता था। कोई चार से पांच लाख लोग इस काम में लगे थे। पूरा परिवार अड्डे पर बैठा दिखाई देता था। लेकिन अब वैसे हालात नहीं। अब साड़ियों की मांग कम हुई है। महिलाएं सूट या गाउन पहनती हैं। वैवाहिक आयोजन में लहंगा का चलन है। वे भी मशीनों से तैयार होने लगे हैं। लिहाजा कारोबार पर असर पड़ा है। दिन भर में 300 से 400 रुपये तक अडूडा उतार पाते हैं। इससे घर कैसे चलेगा। बड़ी संख्या में कारीगर ऑटो चलाने लगे या दूसरे काम कर रहे हैं। घरों में महिलाओं के जिम्मे ये काम हो गया है, ज्यादातर पुरुष दूसरे काम करने लगे। यहां के कारीगर अब पंजाब, दिल्ली समेत दूसरे शहरों में काम कर रहे हैं।

जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण खाका

जरी के काम में सबसे महत्वपूर्ण होता है खाका। बटर पेपर पर डिजाइन तैयार कर कपड़े पर छापा जाता है इसके बाद कढ़ाई शुरू की जाती है। खाका कारीगर राजू भाई कहते हैं कि बटर पेपर पर पेंसिल से डिजाइन बनाते हैं। इस डिजाइन को पिन या सुई से छेद कर लेते हैं।

इसके बाद खाका को अड्डे पर लगे कपड़े पर छाप लेते हैं। छापने के लिए खड़िया, मिट्टी के तेल का घोल बनाते हैं। वह कहते हैं कि कंप्यूटर डिजाइन ने मुश्किलें बढ़ाई है। लोग कंप्यूटर से ही डिजाइन का प्रिंट निकलवा लेते हैं। हालांकि बरेली में अभी कंप्यूटर से प्रिंट निकलवाने का काम उतना ज्यादा नहीं है। फिर भी असर पड़ा है।

प्रस्तुति-सुनील संवेदी/आनंद विश्वकर्मा

अमृत विचार

शनिवार, 29 नवंबर 2025

अगर आप केवल भविष्य के विषय में ही सोचते रहेंगे,
तो वर्तमान को भी खो देंगे।
–गुरु गोबिंद सिंह

अंतरिक्षीय अपेक्षाएं

प्रधानमंत्री द्वारा विक्रम–1 ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक निर्णायक मोड़ है। यह पहला अवसर है, जब किसी भारतीय निजी स्टार्टअप द्वारा पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित ऑर्बिटल रॉकेट को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया। साफ है कि देश अपने को सरकारी एजेंसी आधारित अंतरिक्ष शक्ति के रूप में सुस्थापित करने के बाद एक बहु-आयामी, नवोन्मेष–संचालित अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के रूप में भी उभर रहा है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाने से वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में छोटे, सूक्ष्म और नैनो उपग्रहों की मांग और उनकी सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले दशक में, हजारों नए उपग्रह लॉन्च होंगे।

छोटे और मध्यम श्रेणी के उपग्रह प्रक्षेपणों के लिए निजी कंपनियों के ऑर्बिटल लॉन्चर इसरो का भार काफी कम कर सकते हैं। यह क्षमता न केवल मिशनों की गति बढ़ाती है, बल्कि इसरो को वैज्ञानिक अनुसंधान पर अधिक ध्यान देने का अवसर भी प्रदान करती है। देश में निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष गतिविधियों में प्रवेश देने का निर्णय इसरो के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है। 2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद सरकार ने इन स्पेस की स्थापना की, निजी कंपनियों के लिए परीक्षण सुविधाएं खोलीं और स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया। इसके परिणामस्वरूप आज सैकड़ों छोटी-बड़ी भारतीय निजी कंपनियां, उपग्रह निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, ग्राउंड–स्टेशन नेटवर्किंग, मिशन प्लानिंग, डेटा एनालिटिक्स तथा लॉन्च सेवाओं तक के अनेक चरणों पर इसरो के साथ मिल कर कार्य कर रही हैं। इसी नयी खुली व्यवस्था का प्रभाव यह है कि आज भारतीय निजी रॉकेट कंपनियां विदेशी उपग्रहों को भी प्रक्षेपित कर रही हैं, विदेशी विश्वविद्यालयों तथा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों के तकनीकी परीक्षण कर रही हैं और वैश्विक बाजार की प्रतिस्पर्धा में अपनी जगह बना रही हैं। इससे भारत विश्व निवेशकों के लिए एक आकर्षक अंतरिक्ष-गंतव्य बनता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में अंतरिक्ष स्टार्टअप में निवेश कई गुना बढ़ा है और यह क्षेत्र अब देश की उभरती 'न्यू स्पेस इकॉनमी' का नया केंद्र बनने लगा है।

सरकार की अंतरिक्षीय अपेक्षा है कि जैसे नासा और स्पेसएक्स जैसी निजी कंपनियां साझेदारी में काम करती हैं, वैसा मॉडल विकसित करे। देश में इस तरह की साझेदारी संरचना संभव है, बशर्ते विनियामक ढांचा अधिक आधुनिक एवं तेजी से निर्णय लेने वाला और प्रतियोगी हो। हमें इस दिशा में कुछ अतिरिक्त कदम भी उठाने होंगे। अंतरिक्ष बीमा को विकसित करना, टेक–टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना, निजी खिलाड़ियों के लिए दीर्घकालिक नीति–स्थिरता सुनिश्चित करना और छोटे–मध्यम उपग्रह बाजार के लिए प्रोत्साहन योजना लागू करना, इस पूरे ईकोसिस्टम को और मजबूत कर सकता है। फिलहाल विक्रम–1 का अनावरण केवल एक रॉकेट की 'मुंह दिखाई' नहीं बल्कि यह भारत के 'नए अंतरिक्ष युग' का उद्घोष है। एक ऐसा युग, जिसमें सरकारी अनुसंधान और निजी नवाचार मिलकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रसंगवश

भारत में जेआरडी टाटा ने शुरू की आठ घंटे की शिफ्ट

29 नवंबर वह दिन है, जब आधुनिक भारत की बुनियाद रखने वाली औद्योगिक हस्तियों में सर्वोपरि, महान उद्योगपति जेआरडी टाटा (जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा) का निधन हो गया था। वे हमारे देश की उन महान शख्सियतों में से एक थे, जिन्होंने उद्योग, विमानन, विज्ञान और सामाजिक कल्याण हर क्षेत्र में देश को एक नई दिशा दी। उनको भारतीय उद्योग जगत में आधुनिकता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक माना जाता है। भारत की पहली वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एयरलाइंस (आज की एयर इंडिया) की स्थापना का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। उनकी अगुवाई में टाटा समूह ने न सिर्फ व्यापारिक सफलता हासिल की, बल्कि कर्मचारियों के हित और सामाजिक विकास को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी। जेआरडी टाटा को वर्ष 1992 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। भारत रत्न पाने वाले वह पहले उद्योगपति थे। उन्हें 1955 में पद्म भूषण भी प्रदान किया गया। उन्हें एफएआई गोल्ड एअर मेडल, यूएनओ के एविएशन सम्मान और फ्रांस का लीजन डी'होनूर भी मिला।

सुनील कुमार महला
स्वतंत्र पत्रकार

बहुत कम लोग जानते हैं कि वे भारतीय वायुसेना में 'ऑनरेरी एयर कमोडोर' के पद से सम्मानित किए गए थे, क्योंकि भारत की नागरिक उड्डयन नीति के निर्माण में उनका योगदान असाधारण था। जेआरडी टाटा का एक अनोखा शौक था- पत्र पढ़ना और लिखना। वे हर साल अपने कर्मचारियों के कुछ पत्र खुद पढ़ते और कई का जवाब हाथ से लिखकर देते थे। यह उनकी 'पीपल-फर्स्ट' सोच का आधार था। उन्होंने टाटा समूह के भीतर महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश, कर्मियों के लिए मेडिकल सुविधाएं, कर्मचारियों के प्रॉविडेंट फंड, लाभांश का वितरण, वर्कर्स वेलफेयर स्कीम, वर्कर्स इंश्योरेंस, टाटा स्टील में आठ घंटे की शिफ्ट (भारत में पहली बार), उद्योग में जन-कल्याण मॉडल का नया खाका जैसी व्यवस्थाएं उस समय शुरू कर दी थीं, जब भारत में इनकी कोई कानूनी बाध्यता भी नहीं थी।

वे भारत के पहले लाइसेंस प्राप्त पायलट थे। 1930 में भारत सरकार ने पायलट लाइसेंस जारी करने शुरू किए थे और जेआरडी टाटा लाइसेंस संख्या '1' के साथ भारत के पहले पायलट बने। 1932 में उन्होंने भारत की पहली निजी और वाणिज्यिक एयरलाइन टाटा एअर मेल शुरू की। इसकी पहली उड़ान कराची से मुंबई तक थी, जो स्वयं जेआरडी टाटा ने उड़ाई थी। बाद में यही एयरलाइन 1946 में एअर इंडिया बनी और 1948 में सरकार ने इसे राष्ट्रीय एयरलाइन का दर्जा दिया। सरकारीकरण के बाद भी जेआरडी टाटा लंबे समय तक एयर इंडिया के चेयरमैन रहे।

1938 में मात्र 34 वर्ष की आयु में वे टाटा सन्स के चेयरमैन बने। उनके नेतृत्व में टाटा समूह 13 कंपनियों से बढ़कर 70 से अधिक कंपनियों का विशाल औद्योगिक परिवार बना। उनकी सोच केवल लाभ कमाने तक सीमित नहीं थी, नेशन फर्स्ट (देश पहले) सिद्धांत उनकी हर नीति का आधार था।

वे उद्योग को केवल आर्थिक मशीन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संस्था मानते थे। उनका विचार था कि जब आप कोई उद्योग चलाते हैं, तो आप केवल एक कंपनी नहीं चलाते, बल्कि समाज के जीवन स्तर को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने टाटा समूह को कॉरपोरेट सोशल रेस्पान्सिबिलिटी (सीएसआर) का अग्रदूत बनाया। वास्तव में वे वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के पैरोकार थे तथा वे भारत में विज्ञान और शोध के बड़े समर्थक थे।

नई श्रम संहिताएं सुधारों की ऐतिहासिक पहल

त्रिवेंद्र सिंह रावत
सांसद, हरिद्वार

चार श्रम संहिताएं भारत में श्रम बाजार का व्यापक, आधुनिक और संतुलित सुधार हैं। इनका लक्ष्य उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना है और दूसरी ओर श्रमिकों को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना है।

भारत के श्रम कानूनों को काफी पुराना माना जाता है। आजादी के बाद से कामगार वर्ग की स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948, फैक्ट्री अधिनियम 1881 का अपडेट 1948 प्रभावी रूप से लागू हुए, उस समय की सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां आज की तुलना में बिल्कुल भिन्न थी। उस समय देश में असंगठित क्षेत्र का विस्तार काफी बड़ा था, मजदूरों का कानूनी संरक्षण कमजोर था और वेतन निर्धारण के लिए कोई स्पष्ट राष्ट्रीय ढांचा मौजूद नहीं था उस दौर में इन अधिनियमों ने मजदूरों को कानूनी शक्ति दी।

समय के साथ अर्थव्यवस्था के बदलते ढांचे, लगातार बढ़ता औद्योगिकरण, सेवा क्षेत्र का विस्तार, अनौपचारिक श्रम की बढ़ती संख्या, आधुनिक कार्य स्थलों की ज़रूरतें यह स्पष्ट कर रही थी कि 1948 के कानून आज की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी सीमित हैं। इस दिशा में वर्ष 1999 और 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने श्रम कानूनों के सलीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की, जिसका काफी लाभ श्रमिकों को मिला।

इस वर्ष 21 नवंबर से लागू चार श्रम संहिताएं संसद द्वारा पांच-छः वर्ष पूर्व पारित की गई थीं, जिसमें वेज कोड-2019, औद्योगिक संबंध संहिता-2020, सामाजिक सुरक्षा संगीता-2020, व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य एवं कार्य स्थल स्थित संहिता- 2020 दशकों पुराने बिखरे हुए और जटिल श्रम कानून में बदलाव कर उन्हें आज के परिदृश्य के अनुरूप तैयार किया गया था। संसद से पारित होने के उपरांत पिछले पांच वर्षों से लगातार श्रमिक संगठनों और विभिन्न स्टेट होल्डर्स के साथ संवाद एवं चर्चा करने के बाद अब लागू किया जाना एक ऐतिहासिक कदम है। ये चार श्रम संहिताएं स्वतंत्रता के बाद अलग-अलग कालखंड में लगभग 40 से 77 वर्ष पुराने समय में बने 29 कानूनों को आज की तकनीक चलित, सेवा क्षेत्र प्रधान, वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाली अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार किया गया है।

यह मुख्यतः वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता, और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संहिता हैं, इन संहिताओं से श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, सुरक्षित कार्य स्थल और समय पर भुगतान जैसी बुनियादी सुविधाओं की गारंटी सुनिश्चित होगी। इन संहिताओं की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सरलता और एकरूपता है, जिससे नियमों का अनुपालन अधिक पारदर्शी होगा। इससे कर्मचारियों को अपने अधिकार समझने में आसानी होगी और नियोक्ताओं को कानून की अस्पष्टताओं से मुक्ति मिलेगी। नए श्रम सुधार केवल कानूनों में परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि देश के श्रम बाज़ार, औद्योगिक संरचना और सामाजिक सुरक्षा के भविष्य को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास हैं।

इन श्रम सुधारो का प्रभाव संक्षेप में निम्नवत समझा जा सकता है-

1. श्रम कानूनों का सरलीकरण- श्रमिकों के अधिकारों का सुदृढ़ीकरण न्यूनतम वेतन, समान वेतन, समय पर भुगतान जैसे अधिकार अधिक स्पष्ट और लागू करने योग्य बने है। ई-पंजीकरण और डिजिटल रिकॉर्ड के कारण पारदर्शिता बढ़ेगी तथा श्रमिकों का शोषण कम होगा। ठेका श्रमिकों, प्लेटफॉर्म व गिग वर्करों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में प्रावधान किए गए हैं।

2. वेज कोड (वेतन कोड) सामाजिक सुरक्षा संहिता- ईएसआई, ईपीएफओ, मातृत्व लाभ, ग्रेच्युटी जैसी योजनाओं में अधिक श्रमिकों को शामिल करने की व्यवस्था असंगठित क्षेत्र को इसमें शामिल करना, जो भारत के कुल श्रमिकों का लगभग 90% से अधिक है, वे अधिक प्रभावी तरीके से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

3. उद्योगों के लिए 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' अनुपालन की प्रक्रियाएं डिजिटल होने से उद्योगों पर प्रशासनिक बोझ घटेगा। निरीक्षण का जोखिम और पारदर्शी सिस्टम भ्रष्टाचार को रोकेगा। इससे निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी।

4. औद्योगिक संबंधों में स्थिरता विवाद समाधान, पुनर्गठन, छंटनी और पुनर्नियोजन से जुड़े प्रावधानों को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। स्थायी उद्योगों में स्ट्राइक/लॉकआउट से संबंधित नियमों को संतुलित रूप से व्यवस्थित किया गया है, जिससे उत्पादन बाधित होने की संभावना कम होगी। इससे उद्योग और श्रमिक—दोनों के लिए स्थिर और सुरक्षित वातावरण बनाना आसान होगा।

5. व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर फोकस, हर प्रकार के खतरनाक, निर्माण संबंधी, फैक्ट्री और बहु-प्रतिष्ठान कार्यों में सुरक्षा मानकों पर अधिक स्पष्ट दिशा-निर्देश और आधुनिक तकनीक को वैश्विक मानकों के अनुरूप सुरक्षा नियमों को समाहित किया गया है, इससे मजदूरों के हित सुरक्षित होंगे।

6. असंगठित और नई अर्थव्यवस्था के श्रमिकों को पहचान, गिग वर्कर, प्लेटफॉर्म वर्कर, प्रवासी मजदूर, घरेलू कामगार- इन सबके लिए डेटाबेस, पोर्टल और सुरक्षा योजनाएं सुनिश्चित करने का रास्ता खुलेगा जो भविष्य में काम की बदलती प्रकृति (Digital Economy, App-based Work) के लिए कानूनों के ढांचे से सुरक्षित करेगा।

7. आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में सरल कानून और सुरक्षित श्रमिक से दोगुना लाभ होगा यह रोजगार सृजन, निवेश वृद्धि और उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। यह सुधार भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होंगे।

चार श्रम संहिताएं भारत में श्रम बाजार का व्यापक, आधुनिक और संतुलित सुधार हैं।

आमने

किसी परिवार में आरक्षण तब तक जारी रखा जाना चाहिए, जब तक मेरे बेटे को कोई ब्राह्मण पिता अपनी बेटी का दान न कर दे और वह उनके साथ रिश्ता न जोड़े। रोटी–बेटी का रिश्ता होने तक सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर आरक्षण जारी रखा जाना चाहिए।
–संतोष वर्मा
आईएएस, मध्य प्रदेश

सामने

एक आईएएस अधिकारी द्वारा 'बहन एवं बेटियों' को लेकर की गई टिप्पणी अत्यंत आपत्तिजनक, असंवेदनशील और समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा करने वाली है। किसी भी समाज के बहन एवं बेटियों के विरुद्ध ऐसी टिप्पणी विकृत मानसिकता का परिलक्षण है।
–राजेंद्र शुक्ल
डिप्टी सीएम, मध्य प्रदेश

खतरनाक होगा मेहमान पंछियों का फिर न आना

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

प्रवासी पक्षियों का आना शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत के जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है।

इस साल प्रवासी पक्षियों के आने का सिलसिला शुरू ही हुआ था कि कोई 70 का मृत शरीर झील पर तैरता मिला। कई पीढ़ियों से भारत में जाड़े के मौसम में दूर देश से आने वाले पंछियों के लिए राजस्थान की सांभर झील अचानक कब्रगाह बन गई है। 2019 में तो यहां हजारों पक्षी मारे गए थे। पिछले साल यहां कोई 200 पक्षियों के मरने का आंकड़ा दर्ज है। इस साल मारे गए पक्षियों की जांच के लिए सैंपल सेंटर फॉर एनिमल डिजीज रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक्स लैब, बरेली को भेजे गए, तो आशंका पुष्ट हो गई कि पक्षियों की मौत का कारण वही एवियन बोटुलिज्म है, जिसके कारण बीते कई सालों से मेहमान परिंदों के लिए सांभर झील कब्रगाह बनती जा रही है।

इस बात की परवाह किसी को नहीं है कि भारत में विदेशी पक्षियों के सबसे बड़े ठिकाने में से एक सांभर झील आने वाले मेहमानों की संख्या लगातार घट रही हैं। वैसे यहां कोई ढाई सौ प्रजाति के पक्षी आते रहे हैं, लेकिन इस बार यह संख्या 110 ही है। शायद कुदरत ने इन बेजुबान जानवरों को संभावित खतरे को भांपने की क्षमता भी दी है, तभी वे झील के नैसर्गिक स्वरूप में हो रही छेड़छाड़ से शायद सशंकित हो रहे हैं। यह सभी जानते हैं कि आर्कटिक क्षेत्र और उत्तरी ध्रुव में जब तापमान शून्य से चालीस डिगरी तक नीचे जाने लगता है, तो वहां के पक्षी भारत की ओर आ जाते हैं। ऐसा हजारों साल से हो रहा है, ये पक्षी किस तरह रास्ता पहचानते हैं, किस तरह हजारों किलोमीटर उड़ कर आते हैं, किस तरह ठीक उसी जगह आते हैं, जहां उनके दादा-परदादा आते थे, विज्ञान के लिए अनसुलझी पहेली की तरह है।

भारत की सबसे विशाल खारे पानी की झील 'सांभर' का विस्तार 190 किलोमीटर, लंबाई 22.5 किलोमीटर है। इसकी अधिकतम गहराई तीन मीटर तक है। अरावली पर्वतमाला की आड़ में स्थित यह झील राजस्थान के तीन जिलों- जयपुर, अजमेर और नागौर तक विस्तारित है। सन् 1996 में 5,707.62 वर्ग किलोमीटर जल ग्रहण क्षेत्र वाली यह झील सन् 2014 में 4700 वर्ग किमी में सिमट गई। चूंकि भारत में नमक के कुल उत्पादन का लगभग नौ फीसदी- 196000 टन नमक यहां से निकाला जाता है, अतः नमक-माफिया भी यहां की जमीन पर कब्जा करता रहता है।

इस विशाल झील के पानी में खारेपन का संतुलन बना रहे, इसके लिए इसमें मैया, रूपनगढ़, खारी, खंडेला जैसी छोटी नदियों से मीठा पानी लगातार मिलता रहता है, तो उत्तर में कांतली, पूर्व में बांदी, दक्षिण में मासी और पश्चिम में लूणी नदी में इससे बाहर निकला पानी जाता रहा है। दीपावली बीतते ही यहां विदेशी मेहमानों के झुंड आने शुरू हो जाते हैं। पक्षियों में एवियन बॉटुलिज़्म नामक रोग मूल रूप से मांसाहारी नभचरों में होता है। यह बीमारी क्लोस्ट्रिडियम बॉट्यूलिज्म नाम के बैक्टीरिया की वजह से फैलती है। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि सांभर झील के जल में लगातार प्रदूषण की मात्रा बढ़ने से भी यह स्थान पक्षियों के लिए सुरक्षित नहीं रहा है।

पुराने अनुभव बताते हैं कि यहां पर पक्षियों की मौत का एक कारण 'हाईपर न्यूट्रिनिया' भी रहा है। नमकीन जल में सोडियम की मात्रा ज्यादा होने पर, पक्षियों के तंत्रिका तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। वे खाना-पीना छोड़ देतें हैं व उनके पंख और पैर में लकवा हो जाता है। कमजोरी के चलते उनके प्राण निकल जाते हैं। अभी तक तो यही हुआ है कि पक्षियों की प्रारंभिक मौत हाइपर न्यूट्रिनिया से ही हुई। बाद में उनमें एवियन बॉटुलिज़्म के जीवाणु विकसित हुए और ऐसे मरे पक्षियों को जब अन्य पंछियो ने भक्षण किया तो बड़ी संख्या में उनकी मौत हो गई।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. आबिद आली के मुताबिक साल 2024 की तरह 2025 में त्रासदी का प्रारंभ सांभर के नमक वाले इलाके से हुआ है। झील में प्रवेश करने वाला औद्योगिक अपशिष्ट, जिसमें भारी धातुएं और रासायनिक तत्व होते हैं, पक्षियों की तंत्रिका प्रणाली को प्रभावित करता है। नमक की उच्च सांद्रता से पक्षियों के पंखों पर क्रिस्टल जम जाते हैं, जिससे हाइपोथर्मिया या डूबने से मौत हो जाती है। याद करें सन् 2010 में भी लगभग इसी तरह हुई पक्षियों की मौत के बाद गठित कपूर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर अमल नहीं हुआ।

दो साल पहले भी हाई कोर्ट ने सांभर झील को रामसर साईट घोषित किए जाने के बाद अर्थात 24 मार्च 1990 के बाद इस झील पर दी गई लीज, निर्माण, अवैध कब्जों की जानकारी और झील को अतिक्रमण से बचाने के उपायों की भी जानकारी मांगी है। सरकार ने आधी अधूरी जानकारी दी और झील का पानी और खराब होता गया। सांभर झील के पर्यावरण के साथ लंबे समय से की जा रही छेड़छाड़ भी पक्षियों के यहां से मुंह मोड़ने का बड़ा कारण है। एक तो सांभर साल्ट लिमिटेड ने नमक निकालने के ठेके कई कंपनियों को दे दिए, जो मानकों की परवाह किए बगैर गहरे कुंए और झील के किनारे दूर तक नमकीन पानी एकत्र करने की खाई बना रहे हैं। फिर परिशोधन के बाद गंदगी को इसी में डाल दिया जाता है।

विशाल झील को छूने वाले किसी भी नगर-कस्बे में घरों से निकलने वाले गंदे पानी को परिशोधित करने की व्यवस्था नहीं है और हजारों लीटर गंदा-रासायनिक पानी हर दिन इस झील में मिल रहा है।

सोशल फोरम

आर्किमिडीज की दो हजार साल पुरानी किताब

14 अप्रैल, 1229: लगभग 800 साल पहले एक भिक्षुक ने कुछ पुराने चर्मपत्रों को साफ करके, उन पर लिखी लिपि को मिटाकर, एक नयी प्रार्थना पुस्तक लिखी थी। उस समय पुस्तकों का ऐसा पुनर्प्रयोग एक आम बात थी। 800 साल के बाद यह पुस्तक वर्तमान के तुर्की में एक डेनिश वैज्ञानिक 'योहान लुडविग' को मिली। पुस्तक के सूक्ष्म निरीक्षण से उन्हें आश्चर्य हुआ, क्योंकि अक्षरों के नीचे मिटाए गए कुछ ऐसे धुंधले इंप्रेशंस थे, जो यह इशारा कर रहे थे कि पुस्तक का संबंध प्राचीन ग्रीस से है। मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग और एक्स-रे तकनीक की सहायता से यह पता चला कि यह पुस्तक वास्तव में कैल्कुलस की मूल अवधारणाओं पर लिखी गई किताब थी, जिसे 2000 साल पहले महान ग्रीक वैज्ञानिक आर्किमिडीज ने लिखा था।

विजय सिंह ठकुराय
ब्लॉगर

अगर उस भिक्षुक ने इस पुस्तक को नष्ट नहीं किया होता तो क्या कैल्कुलस न्यूटन से कई शताब्दी पहले ही खोज लिया जाता? क्या हम ज्ञान-विज्ञान के स्तर पर समय से आगे होते? यकीन के साथ तो नहीं कहा जा सकता, पर यह तय है कि कुछ दुर्योग अपरिहार्य हैं, इतिहास के कुछ पन्ने खो जाना ही शायद नियति का अंग है।

समूचे ब्रह्मांड का आकार निरंतर बढ़ रहा है। प्रति दस लाख प्रकाश वर्ष के क्षेत्र में हर क्षण लगभग 22 किमी का नया 'स्पेस' ब्रह्मांड के आकार में जुड़ जाता है। वर्तमान में हम किसी भी दिशा में ब्रह्मांड के 47 अरब प्रकाश वर्ष लंबे हिस्से को टेलिस्कोप की मदद से देख सकते हैं। इस सीमा का दायरा भविष्य में अधिकतम 62 अरब प्रकाश वर्ष होगा। अर्थात, 62 अरब प्रकाश वर्ष के परे का ब्रह्मांड हमारे लिए सदैव एक रहस्य ही रहेगा। कारण- 62 अरब प्रकाश वर्ष के बिंदु से परे का ब्रह्मांड प्रकाश गति से भी तेज हमसे दूर भाग रहा है। हमने ब्रह्मांड के बारे में आज तक जो जाना, उसका एकमात्र स्त्रोत आसमान में आकाशगंगाओं के रूप में अपनी आभा बिखेरती ये अनंत रोशनियां ही हैं। पर एक समय ऐसा आएगा, जब देखने के लिए क्षितिज पर कुछ होगा ही नहीं। आज से कुछ अरब साल बाद हमारे लोकल ग्रुप की 50 आकाशगंगाएं मिलकर एक महाविशालकाय संयुक्त गैलेक्सी को जन्म देंगी, पर ब्रह्मांड की अन्य समस्त आकाशगंगाएं क्षितिज से ओझल हो चुकी होंगी।

समय का चक्र अटल है। संयोग और दुर्योग घटित होते हैं और समय के कुछ पन्ने हमेशा के लिए खो जाना ही नियति है।

सामयिकी

गुम होते इंसान और खामोश पड़ा तंत्र

रहस्यमय ढंग से गुमशुदा होते लोगों को धरती निगल रही है या आसमान खा रहा है? ये सवाल गुजरे बीते महीनों से चर्चा में है। भारत में गायब लोगों के आंकड़ों में करीब 42 फीसदी का इजाफा हुआ है, जो अपने आप में अचंभित करता है। 'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो' की रिपोर्ट की मानें तो इस साल पूरे देश में एक लाख 16 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। इजाफे की गति ने ही वैश्विक स्तर पर लापता लोगों के मामले में भारत को दूसरे पायदान पर पहुंचा दिया है। गुमशुदगी में राजधानी दिल्ली अव्वल है, लेकिन अछूता कोई प्रदेश नहीं है। चाहे मैदानी राज्य हों या पहाड़ी? हर जगह से लोग नियमित गायब हो रहे हैं। बरामदगी का आंकड़ा बहुत धीमा है। ये कृत्य निश्चित रूप से बदनामी का ऐसा तमगा है जो किसी भी देश के लिए अच्छा नहीं है।

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तराखंड के हालात तो और भी खराब बताए गए हैं। वहां रोजाना तीन लोग रहस्यमय तरीके से गायब हो रहे है। उनका रिकवरी रेट भी बहुत कम है। असंख्य लोगों का गायब होना और किसी का सुराग न लगना, अपने आप में चौकाता है। जबकि, वर्षों से निर्धन या अति पिछड़े देशों में गायब लोगों के संबंध में हम सुनते आते थे, जिनमें अफगानिस्तान, बलूच, पाकिस्तान, बाग्लादेश, योगांडा व कुछ अफ्रीकी देश शामिल थे। लोगों के गायब होने खतरा भारत में एकाध दशकों से ज्यादा बढ़ा है। मेघालय, सिक्किम जैसे शांत प्रदेशों तक से लोग लापता हो रहे हैं। वहीं, दिल्ली में इसी साल पिछले मात्र 210 दिनों में आठ हजार के करीब लोग गायब हुए, जिनमें सिर्फ 290 लोग ही खोजे जा सके।

गुमशुदगी को लेकर विभिन्न प्रदेशों की सरकारों से लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा भी अनोखी थ्योरी को सुलझाने में नाकाम है। खोजबीन और तमाम कोशिशों के बावजूद भी उनकी जांच-पड़ताल बेनजीता साबित हो रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद भी लापता लोगों का सिलसिला रुकने के नाम नहीं ले रहा। गुमशुदगी के ताजे आंकड़े एनसीआरबी के अलावा 'जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क' (जिपनेट) ने भी जारी किए हैं, जिनसे न सिर्फ शासकीय महकमों में खलबली है, बल्कि जनमानस में भी डर बैठा है। आंकड़ों में ऐसे अनगिनत नौनिहाल भी हैं, जो या तो पार्कों में खलने गए या टयूशन से पढ़कर वापस ही नहीं आए। बिहार, पंजाब, राज्यस्थान, तेलंगाना, हरियाणा में 2022-23 और 2023-24 के आंकड़ों में 22 फीदसी बढ़ोतरी भी चिंता बढ़ाती है।

गायब व्यक्तियों के प्रस्तुत आंकड़ों में जिपनेट ने एक और बात डरावनी कही है। विक्षिप्त किस्म के और बुजुर्ग वर्ग के जितने भी शव पुलिस को बरामद हुए, उनमें चौंकाने वाली बात ये निकली, उन ज्यादातर शवों में किडनियां गायब मिलीं। ये मामला सीधे-सीधे मानव तस्करी और किडनी गैंग से जुड़ा प्रतीत होता है। समय-समय पर ऐसी खबरें आती भी रहती हैं कि बड़े अस्पतालों में अप्रत्यक्ष रूप से किडनी गिरोह सक्रिए है? जो किडनियों की डिमांड को पूरा करने के लिए बुजुर्गों, मजदूरों, विक्षिप्तों और निर्बलों को टारगेट करते हैं।

देशभर के नामी बड़े अस्पताल इन हरकतों में बदनाम रहे भी हैं। किडनी चोर का बड़ा गैंग कुछ वर्षों पहले एक्सपेज भी हुआ था, जिसके आका को पुलिस ने नेपाल से धरा था। 2024-25 के लापता आंकड़ों में पश्चिम बंगाल और असम के हालात तो और भी डरावने बताए गए हैं। गौरतलब है कि गायब लोगों के मामलों में दिल्ली का आंकड़ा बेहद चिंताजनक है। पहली जनवरी से लेकर 23 जुलाई 2025 के बीच सात हजार 880 लोग गायब हुए हैं। इससे केंद्र सरकार भी चिंतित है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

मेघालय की राजधानी शिलांग से कोई 275 किलोमीटर दूर पश्चिम जयंतिया हिल्स बेहद ही मनोरम स्थान है। जिले में बेहद ऊंची पहाड़ी पर विराजमान शक्तिपीठ, जहां आम दिनों में तो सन्नाटा रहता है, लेकिन नवरात्र के दौरान यहां भक्तों का बड़ा सैलाब उमड़ता है और फिर रौनक देखते बनती है। पूजा-अर्चना, साधना, अराधना, भजन-कीर्तन और देवी मां के जयकारे के बीच बलि भी अर्पण की जाती है। चार दिन केले के पेड़ की पूजा कर उसे पास की नदी में विसर्जित कर दिया जाता है। वहां की सरकार सहयोग करती है। यहां आध्यात्मिक ऊर्जा महसूस की जा सकती है।

-शैलेश अवस्थी, वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

मेघालय की मनोरम जयंतिया पहाड़ी

छह सौ साल पहले राजा ने बनवाया था मंदिर

पुजारी अनिल देशमुख के मुताबिक कोई छह सौ साल पहले यहां राजा धन मनिक का साम्राज्य था। कहा जाता है कि उन्हें सपने में देवी ने दर्शन दिया और बताया कि जयंतिया पहाड़ी पर वह विराजमान हैं, वहां भवन बनवा दें। राजा ने वहां भव्य दुर्गा मंदिर का निर्माण करवाया और पूजा-अर्चना शुरू हो गई। 1987 में केंद्र सरकार ने इसका जीर्णोद्धार करवाया। अथिति गृह, पेयजल और वहां तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क भी बनवाई। पहाड़ियों के बीच बने इस मंदिर के आसपास का दृश्य बेहद मनोरम है। हरियाली और झरने मनमोहक हैं।

यहां गिरी थी देवी सती की बाईं जंघा

मान्यता है कि इस स्थान पर देवी सती की बाई जंघा गिरी थी। इसी कारण यह 51 शक्तिपीठ में से एक है। भगवान शंकर जब देवी सती का शव उठाकर ब्रह्मांड में दुखी होकर विचरण कर रहे थे, तो शव के अंग 51 स्थानों पर गिरे और वे स्थान शक्तिपीठ कहलाए। उनमें से एक यह भी है। अमूमन श्रद्धालु असम के गुहावटी में स्थित मां कामाख्या के दर्शन कर लौट जाते हैं, लेकिन इस शक्तिपीठ की जानकारी न होने से यहां तक नहीं पहुंच पाते हैं।

अखंड ज्योति, पूजा-अर्चना और बलि भी

इस मंदिर में नवरात्र में उत्सव के दौरान बलि भी दी जाती है और इसके लिए खासतौर पर स्थान बनाया गया है। भजन-कीर्तन, पूजा, साधना और भंडारा होता है। देवी को अर्पण करने के लिए शृंगार का सामान मिलता है। ताजे फूल तो अमूमन नवरात्र में मिलते हैं। यहां बंगाल और असम के श्रद्धालुओं का जमावड़ा खासतौर पर होता है। यहां देवी दुर्गा के अलावा हनुमान, राम और कृष्ण जी की भी प्रतिमाएं स्थापित हैं। बेहद शांत इस स्थान को ध्यान और अराधना के लिए खास माना जाता है।

इस तरह पहुंच सकते हैं आप

गुहावटी तक ट्रेन या हवाई जहाज तक पहुंच सकते हैं। फिर टैक्सी से 275 किलोमीटर दूर जयंतिया जिले में स्थित इस शक्तिपीठ तक पहुंचा जा सकता है। चाहें तो शिलांग ठहर कर वहां के नजारे देख सकते हैं और फिर वहां से चेरापूंजी भी जा सकते हैं। पहाड़ी तक पक्की सड़क है और वाहन वहां तक जाते हैं।

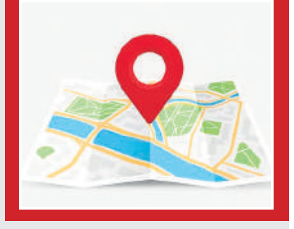

सारा मोटिवेशनल ज्ञान हुआ फुस्स

जॉब का पहला दिन

अपनी नौकरी के पहले दिन को याद करना ठीक अपनी पहली प्रेमिका को याद करने जैसा है। जब मुझे नौकरी मिली तो उस समय मुझे ऐसा लगा कि मेरी नौकरी मिलने में मेरे हथेली की किसी प्रबल भाग्य रेखा का प्रबल योगदान रहा हो। दरअसल मेरे स्नातक करते ही मुझे नौकरी मिल गई थी और उस समय मेरी उम्र बमुश्किल चौबीस वर्ष थी। मेरे शरीर का भूगोल भी मेरी उम्रानुसार था। यहां उम्रानुसार से मेरा तात्पर्य यह है कि मेरा शरीर आज के सिक्स पैक की तरह या एट पैक की तरह नहीं था, लेकिन ऐसा भी दुबला-पतला नहीं था कि कोई देखते ही मुझे दधीचि कह दे।

खैर! मैंने नौकरी पर जाने से पहले उस समय के सबसे चर्चित मोटिवेशन की किताब लिखने वाले कुछ एक बड़े और चर्चित लेखकों की 'नौकरी पर पहले दिन कैसे जाए' की तीन-चार किताबें बुक स्टॉल से लाकर खूब पढ़ी और इसके गहन अध्ययन के बाद जब मैं नौकरी के पहले दिन समय ऑफिस के गेट पर पहुंचा, तो मेरे सारे किताबी ज्ञान का टॉवर ऐसे ध्वस्त हुआ कि जैसे किसी शहर की अवैध बिल्डिंग को सरकारी आदेश पर बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कर दिया गया हो। दरअसल उस किताब के किसी भी पैराग्राफ में यह कही भी नहीं लिखा हुआ था कि जब आप पहले दिन नौकरी पर जाएं तो आपको ऑफिस गेट पर बैठा हुआ गेटमैन जब नीचे से लेकर ऊपर तक आपको ऐसे देखे कि जैसे वह आपका एक्सरे निकाल रहा हो तब ऐसे में आप क्या करें?

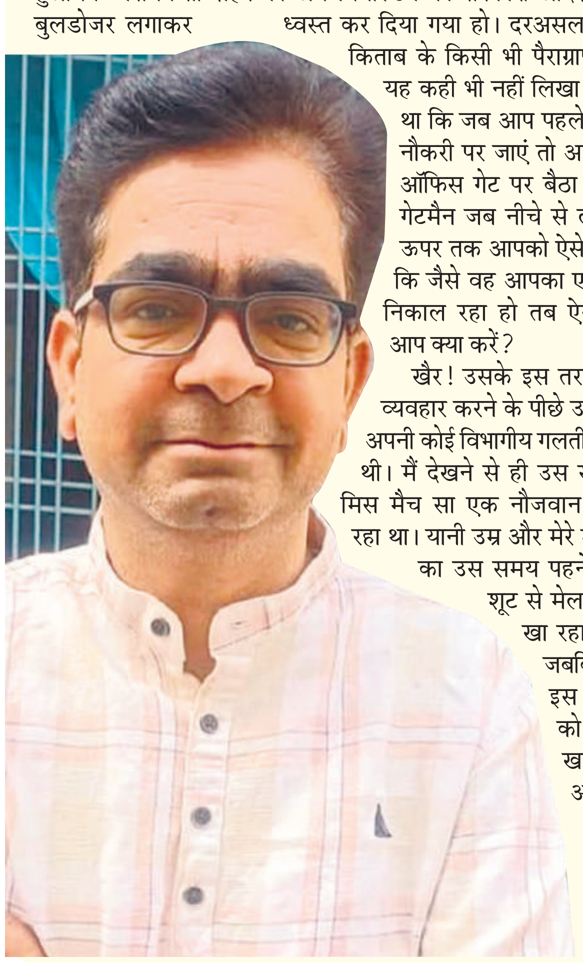

खैर! उसके इस तरह के व्यवहार करने के पीछे उसकी अपनी कोई विभागीय गलती नहीं थी। मैं देखने से ही उस समय मिस मैच सा एक नौजवान लग रहा था। यानी उम्र और मेरे शरीर का उस समय पहने हुए शूट से मेल नहीं खा रहा था, जबकि इस शूट को खरीदने और सिलवाने के लिए मैंने शहर के सारे शूट स्पेशलिस्ट के यहां ऐसे यात्रा की कि जैसे कोई आधुनिक विदेशी यात्री ह्वेनसांग भारत में नौकरी पर पहले दिन शूट पहनकर जाने का वर्णन अपनी किसी शूट यात्रा की किताब में करने के लिए के लिए वह भारत की यात्रा पर आया हो। थोड़ी देर बाद मैंने अपनी झिझक छिपाते हुए गेटमैन से कहा कि मैं बैंक की इस शाखा का नया पीओ हूं, तो वह ससम्मान अपनी जगह से उठा और मुझे अपनी निर्धारित सीट पर बिठा आया।

अभी मुझे अपनी कुर्सी पर बैठे कुछ ही देर हुआ था कि एक-एक कर सारे कर्मचारी आकर अपनी-अपनी निर्धारित सीट पर बैठ गए, लेकिन एक बात जो मैंने उन सभी की आंखों में नोट की वह बात उन सभी का हूबहू गेटमैन की तरह ही मुझे अपनी तरफ देखना था। उनके इस तरह से देखने की वजह से मेरी हथेली मेरे लाख प्रयास करने के बावजूद भी थोड़ी बहुत पसीने से भीग चुकी थी, जबकि उस समय ऑफिस का एसी चल रहा था। अभी मैं इस हादसे से दो-चार था ही कि तभी मेरी मेज के पास आकर चपरासी ने जैसे ही कहा कि सर! आपको मैनेजर साहब ने अपनी केबिन में बुलाया है। यह सुनते ही मेरे चेहरे की दिवाल घड़ी जो अभी तक ठीक-ठाक चल रही थी, वह ऐसे हो गई जैसे बारह बजने वाले कांटे पर आकर बिगड़ गई हो।

अब चूंकि मैनेजर साहब ने बुलाया था, तो जाना ही था। सो कुर्सी से उठने से पहले मैंने अपने कंपनग्रस्त पैरों के अघोषित कंपन के प्रभाव को कम करने के लिए मैंने अपने जीवन की पहली बांधी हुई टाई को तीन-चार बार दाएं-बाएं, ऊपर-नीचे ऐसे खींचा की जैसे इसके खींचने से मेरे आत्मविश्वास का गिरा हुआ प्लेटलेट साढ़े तीन लाख पार कर जाएगा। फिर मैं मैनेजर के केबिन की तरफ ऐसे चल पड़ा कि जैसे सोलह वर्ष के सचिन तेंदुलकर को मैंने पहली बार बैटिंग करने के लिए क्रिकेट मैदान में उतरते हुए टीवी पर देखा था।

मै आई कम इन सर? यस! कम इन। टेक योर सीट। मैं उनके इतना कहते ही कुर्सी पर ऐसे बैठ गया कि जैसे मैं किसी रिमोट से कुर्सी पर उठने और बैठने के लिए ही बना हुआ हूं या बनाया गया हूं। थोड़ी देर बाद उन्होंने मेरी तरफ देखा और चपरासी को बुलाकर उन्होंने मिठाई और नमकीन का ऑर्डर देने के साथ ही उन्होंने चपरासी से कहा कि इसे लेने जाने से पहले सभी को मेरी केविन में भेज दो। जब सभी लोग केबिन में आ गए, तो उन्होंने मेरा सभी से परिचय इतनी आत्मीयता और सहजता से कराया कि जैसे मैं उन सभी का कोई अपना ही हूं। इस बीच मैंने यह भी महसूस किया कि मैनेजर साहब बात में से बात निकालने और बनाने के पूरे सिद्ध पुरुष हो, क्योंकि उनकी हर तीसरी और चौथी बात पर सारा स्टॉप ऐसे हंस रहा था कि उतना तो शायद इस समय टीवी पर आ रहे कपिल शर्मा के लाफ्टर शो को देखने के बाद भी लोग नहीं हंसते होंगे। फिर मुझे थोड़ी देर बाद लगा कि जैसे उन्होंने जान बूझकर अपने हंसने और हंसाने की मात्रा थोड़ी सी कम कर दी हो ताकि उस केबिन में उनके हंसने और हंसाने की वजह से कोई हंसियोचित दुर्घटना न घटित हो जाए। इस बीच मैं कब सहज हो गया इसका मुझे कुछ पता ही नहीं चला। तभी उन्होंने मुझसे मुखातिब होते हुए कहा कि बरखुरदार! उनका बरखुरदार कहने का अंदाज भी बिल्कुल हिंदी सिनेमा के अजीत की तरह था।

उन्होंने मुझे कलम पकड़ाते हुए कहा, "आप अपनी नौकरी के पहले दिन का यह बेशकीमती तोहफा मेरी तरफ से कुबूल करें और यह हमेशा याद रखें, जब हम नौकरी के समय अपनी कुर्सी पर बैठकर इस कलम को खोलते हैं तब हम सभी उम्र नहीं उस नौकरी और उस कुर्सी की जिम्मेदारी होते है। नौकरी में हर दिन हम नया सीखते हैं।" मैं उनकी बातों से समझ गया कि उनकी अनुभवी आंखें यह भांप गई हैं कि अपनी नौकरी के पहले दिन कैसे जाएं? इस पर मैं मोटिवेशन की कोई किताब पढ़कर आया हूं। उनकी वह कलम और मेरे नौकरी पर पहले दिन जाने की वह शूट मेरे जीवन की आज भी एक अनमोल धरोहर है।

-रंगनाथ द्विवेदी, जौनपुर

लव बर्ड्स

घर वालों को मनाने में लग गए दो साल

हम दोनों 2010 में मिले थे। हमने इनकी कॉलोनी में घर शिफ्ट किया था, कुछ समय बाद हमारी दोस्ती हो गई, साथ में बचपन बीता। साथ-साथ खेले, बड़े हुए और हमारी दोस्ती प्यार में बदलने लगी, लेकिन हमारे पास बातचीत करने का कोई प्रमुख जरिया नहीं था। हम एक-दूसरे को पत्र लिखते थे और हमारे कॉमन दोस्त ये पत्र पहुंचाते थे। रास्ते में कभी मुलाकात हो जाने पर थोड़ी-बहुत बात हो जाती थी। कुछ समय बाद मोबाइल फोन मिला, तो फेसबुक पर बात शुरू हुई।

इसी बीच मेरे परिवार का वैष्णोदेवी यात्रा का प्रोग्राम बना। हम दोनों के परिवार साथ में वैष्णोदेवी गए। वहां बहुत एंजॉय किया उसी दौरान हमने अपनी भावनाएं एक-दूसरे से शेयर कीं। मेरी 2019 पढ़ाई खत्म हुई। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव भी आए, जिसमें इन्होंने मेरा साथ दिया। इसी दौरान अचानक 2019 में ही एक दिन ऋषि ने मुझे प्रपोज किया। मुझे बहुत अच्छा लगा, मैंने स्वीकार कर लिया। सब अच्छा था एक दिन मेरे पापा को पता चल गया, उसके बाद भी हम बात करते थे। हां इतना जरूर था कि बाते पहले से कम हो गई थी। बातचीत में ही हमने तय 2021 में तय किया कि हम दोनों को शादी करनी है। घर वाले तैयार नहीं थे, पर हमने हिम्मत नहीं हारी, एक-दूसरे के प्यार और भरोसे के सहारे घर वालों को मनाने में दो साल निकल गए। अंत में हमारे प्यार की जीत हुई, घर वाले मान गए और 19 अक्टूबर 2023 को हमारी सगाई हुई। उसके एक साल बाद 24 नवंबर 2024 में हमारी शादी हो गई। पांच दिन पहले ही बड़ी धूमधाम से हमने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ मनाई है।

-नेहा मखीजा और ऋषि पंजवानी, अयोध्या

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,706.67	26,200.60
गिरावट	13.71	14.95
प्रतिशत में	0.02	0.06

सोना 1,30,160 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,71,200 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, शनिवार, 29 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

भांजु ने खोला टेक्सास में पहला गणित केंद्र

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहे गणित सिखाने वाले मंच 'भांजु' ने अमेरिका में अपना पहला ऑफलाइन शिक्षण केंद्र शुरु किया है। कंपनी के बयान के मुताबिक इस कदम से उसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार और दुनिया भर के बच्चों के लिए गणित को दिलचस्प और आसान बनाने में मदद मिलेगी। नया केंद्र टेक्सास के मैकिनी में शुरू किया गया है। भांजु की शिक्षण पद्धति तेज गणित, कहानियों, खेल और एआई टूल्स को मिलाकर मजेदार और तेज गति से गणित सिखाती है। बयान के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कतर, यूएई, अमेरिका सहित दुनिया के 16 देशों में प्रवासी भारतीयों के 50,000 से अधिक बच्चों ने अब तक भांजु के साथ चार करोड़ से अधिक समीकरण हल किए हैं।

बंगाल में एक लाख छात्रों के ऋण स्वीकृत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार की 'छात्र क्रेडिट कार्ड' योजना के तहत एक लाख से अधिक छात्रों के ऋण आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं। ममता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उच्च शिक्षा को समर्थन देने के लिए शुरू की गई पहल के तहत छात्र मामूली ब्याज दर पर 10 लाख रुपये तक का कर्ज ले सकते हैं। इस योजना के तहत राज्य सरकार ब्याज पर सब्सिडी देती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह योजना उभरती प्रतिभाओं को उनके शैक्षणिक और करियर लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करती रहेगी। देश या विदेश में पढ़ने वाले छात्रों की पढ़ाई पर पैसे का बोझ कम करने के लिए यह योजना वर्ष 2021 में शुरू की गई थी।

टोरेंट फार्मास्युटिकल्स पर 41 करोड़ जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय जीएसटी प्राधिकरण ने वस्तु के निर्यात पर गलत 'रिफंड' के लिए टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड पर 41 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। टोरेंट फार्मास्युटिकल्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अहमदाबाद दक्षिण आयुक्त कार्यालय में सामान्य न्यायनिर्णय प्राधिकरण (केंद्रीय जीएसटी) के संयुक्त आयुक्त, ने 41,33,84,165 रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया है।

जीडीपी आंकड़े सरकार की नीतियों–सुधारों का प्रतिबिंब : मोदी

वृद्धि को बताया उत्साहजनक, कहा- सुधारों को बढ़ावा देना और जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जोरदार वृद्धि के आंकड़ों को उत्साहजनक बताते हुए कहा कि ये केंद्र सरकार की नीतियों के सुधारों को प्रतिबिंबित करते हैं। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में जीडीपी में सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो छह तिमाहियों में सबसे अधिक है।

मोदी ने एक्स पर लिखा, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर काफी उत्साहजनक है। यह वृद्धि के अनुकूल हमारी नीतियों और सुधारों के असर को दिखाता है। यह देश के लोगों की कड़ी मेहनत और उद्यमिता को भी प्रतिबिंबित करता है। हमारी सरकार सुधारों को बढ़ावा देना और हर नागरिक के लिए जीवनयापन आसान बनाना जारी रखेगी।

• अर्थव्यवस्था की तेज गति दर्शाते हैं ताजा आंकड़े : सीतारमण

सीतारमण ने एक्स पर लिखा, जीडीपी के ताजा आंकड़े भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि और गति को दर्शाते हैं। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि दर का कारण सतत वित्तीय अनुशासन, लक्षित सार्वजनिक निवेश और विभिन्न सुधार हैं जिनसे उत्पादकता बढ़ी है और कारोबार की आसानी में सुधार हुआ है।

केंद्रीय वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर अपने पोस्ट के साथ जीडीपी के आंकड़ों वाली सरकारी विज्ञप्ति का लिंक साझा किया है। उन्होंने इस पोस्ट को शीर्षक दिया है, 'भारत की वृद्धि की रफ्तार तेज हुई'। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि विनिर्माण, निर्माण, रियल एस्टेट तथा पेशेवर सेवा आदि उत्पादकता बढ़ाने और जीवंत आर्थिक वातावरण तैयार करने में योगदान दे रहे हैं। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नीतिगत स्थिरता और निरंतरता का परिणाम है जो दीर्घावधि स्थिरता और वृद्धि को बल दे रहा है।

सेंसेक्स और निफ्टी स्थिरता के साथ बंद

मुंबई। आर्थिक वृद्धि दर के आंकड़े आने के पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बेहद उतार-चढ़ाव वाले कारोबार में लगभग स्थिर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसक्स 13.71 अंक यानी 0.02% गिरकर 85,706.67 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 12.60 अंक यानी 0.05% गिरकर 26,202.95 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही बाजार में दो दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। दोनों सूचकांक बृहस्पतिवार को अपने नए शिखर पर पहुंच गए थे।

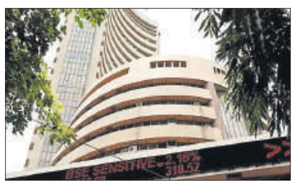

सोना-चांदी में तेजी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के कारण शुक्रवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 700 रुपये बढ़कर 1,30,160 रुपये 10 ग्राम हो गई। चांदी की कीमत में भी लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 3,000 रुपये मजबूत हुई। 99.5% शुद्धता वाले सोना 700 रुपये बढ़कर 1,29,560 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।

केंद्र का राजकोषीय घाटा 52.6% पर

सीजीए ने जारी किए अप्रैल से अक्टूबर तक वित्तीय वर्ष के सात महीनों के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा समूचे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 52.6 प्रतिशत हो गया। शुक्रवार को इस संबंध में आधिकारिक आंकड़े जारी किए गए। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले सात महीनों में सरकार की आय एवं व्यय के बीच का अंतर यानी राजकोषीय घाटा बजट अनुमान का 46.5 प्रतिशत रहा था।

लेखा महानियंत्रक (सीजीए) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अप्रैल-अक्टूबर के दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 8,25,144 करोड़ रुपये रहा। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए कुल 15.69 लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे का अनुमान लगाया है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 4.4 प्रतिशत होगा। केंद्र की कुल आय अप्रैल-अक्तूबर 2025 की अवधि में 18 लाख करोड़ रुपये रही, जिसमें 12.74 लाख करोड़ रुपये कर राजस्व, 4.89 लाख करोड़ रुपये गैर-कर राजस्व और 37,095 करोड़ रुपये की गैर-ऋण पूंजीगत आय शामिल है। इस दौरान केंद्र से राज्यों को कर हिस्सेदारी के रूप में 8,34,957 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 1,11,981 करोड़ रुपये अधिक है।

आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र सरकार का कुल खर्च 26.25 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें से 20 लाख करोड़ रुपये राजस्व व्यय और 6.17 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के रूप में खर्च हुए। राजस्व व्यय में से 6.73 लाख करोड़ रुपये ब्याज भुगतान और 2.46 लाख करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी पर खर्च किए गए।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.47 अरब डॉलर और घटा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 4.47 अरब डॉलर घटकर 688.10 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार के मूल्य में भारी गिरावट के कारण मुद्रा भंडार में कमी आई है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.69 अरब डॉलर घटकर 560.6 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.67 अरब डॉलर घटकर 104.18 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 8.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.57 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.76 अरब डॉलर रहा।

भारत 7% जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों की वृद्धि में होगा अग्रणी

मूडीज का दावा

नई दिल्ली। भारत 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के साथ उभरते बाजारों और एशिया प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा। रेटिंग एजेंसी 'मूडीज रेटिंग्स' ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत के घरेलू वृद्धि चालक इसकी आर्थिक मजबूती को बल देते हैं। हालांकि भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता जा रहा है लेकिन फिर भी अधिकतर 'रेटेड' कंपनियों के पास सक्रिय मुद्रा जोखिम प्रबंधन या मजबूत वित्तीय भंडार हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा, भारत उभरते बाजारों और पूरे क्षेत्र में वृद्धि का नेतृत्व करेगा जिसकी जीडीपी 2025 में सात प्रतिशत और 2026 में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। मूडीज का अनुमान है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र (एपीएसी) में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2026 में औसत 3.4 प्रतिशत पर स्थिर रहेगी। 2025 में इसके 3.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो 2024 में यह 3.3 प्रतिशत थी। मूडीज ने कहा कि भारित औसत के आधार पर उभरते बाजार इस क्षेत्र में जीडीपी की वृद्धि को गति देंगे। इसकी औसत वृद्धि 5.6 प्रतिशत होगी जबकि उन्नत बाजारों में औसत वृद्धि 1.3% रहेगी।

सर्राफा हॉलमार्किंग लागू कर सकती है सरकार

नई दिल्ली। चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू करने के बाद अब सरकार सर्राफा (सोने-चांदी की ईंटें या बार) पर भी हॉलमार्किंग लागू करने पर विचार कर रही है। इससे आभूषण विनिर्माताओं को शुद्ध और प्रमाणित कच्चा माल मिल सकेगा। इसके साथ, उपभोक्ताओं को प्राकृतिक हीरे और प्रयोगशाला में बने हीरे के बीच अंतर समझने के लिए एक ढांचा तैयार करने की योजना भी बनाई जा रही है। इससे इस खंड में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

• प्रयोगशाला में बने हीरे का भी बनाया जा सकता है मानक

हॉलमार्किंग कीमती धातुओं की शुद्धता का प्रमाणीकरण है। जून 2021 से सोने के आभूषणों के लिए यह अनिवार्य है, जबकि एक सितंबर 2025 से चांदी के आभूषणों और कलाकृतियों के लिए इसे स्वैच्छिक कर दिया गया है।उद्योग मंडल सीआईआई के कार्यक्रम रत्न एवं आभूषण सम्मेलन में उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि सोने की हॉलमार्किंग को मिली शानदार प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर सरकार ने चांदी की हॉलमार्किंग को स्वैच्छिक किया है। उन्होंने कहा, हम देख रहे हैं कि लोगों की प्रतिक्रिया क्या है, रुझान क्या है। हमारे लिए सबसे जरूरी है कि देश में चांदी के आभूषण पहनने वाले उपभोक्ता भी भरोसेमंद उत्पाद खरीदें।

खरे ने बताया कि बाद में चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया जा सकता है। पहले भी 20 साल तक सोने की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक ही थी। चालू वित्त वर्ष में अब तक 8.44 करोड़ सोने के आभूषण हॉलमार्क किए जा चुके हैं।

एप्पल नोएडा में खोलेगा पांचवां भारतीय स्टोर

नई दिल्ली। एप्पल ने भारत में पांचवां स्टोर नोएडा में खोलने जा रहा है। कंपनी के बयान के अनुसार, डीएलएफ मॉल ऑफ इंडिया में स्थित एप्पल के नोएडा स्टोर का उद्घाटन 11 दिसंबर को किया जाएगा। कहा गया, यह देश में एप्पल के खुदरा विस्तार में एक और उपलब्धि है जो नोएडा में ग्राहकों को एप्पल उत्पादों को जानने एवं खरीदने के नए तरीके प्रदान करता है। साथ ही एप्पल की असाधारण सेवा का व्यक्तिगत रूप से अनुभव करने का मौका देता है।

सोशल मीडिया पर नाम, पंजीकरण संख्या दिखाना होगा अनिवार्य

सेबी ने दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली। सेबी ने शुक्रवार को प्रस्ताव दिया कि उसके नियंत्रण वाली सभी संस्थाएं और उनके एजेंट (म्यूचुअल फंड वितरक, पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा वितरक आदि) अपने सोशल मीडिया मंच के होम पेज पर अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या स्पष्ट रूप से दिखाएं। इसके अलावा हर वीडियो या कंटेंट के साथ भी यह जानकारी देनी होगी।

यह प्रस्ताव इसलिए आया है क्योंकि सेबी ने पाया कि सोशल मीडिया पर नियमित और गैर-पंजीकृत लोगों का कंटेंट मौजूद है, जिससे निवेशक गुमराह हो रहे हैं। ऐसे में नाम और पंजीकरण संख्या दिखाने से निवेशकों को तुरंत पता चल जाएगा कि कंटेंट किसी अधिकृत संस्था का है या नहीं। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि सोशल मीडिया पर डाला जाने वाला कोई भी 'कंटेंट' पक्के प्रतिफल का वादा न करे, ऐसी कोई बात न कही जाए तो कानूनन प्रतिबंधित हो और निवेशकों में जानकारी की कमी का फायदा उठाने की कोशिश न की जाए।

राष्ट्रीय

बौद्धों ने हिंदू कानूनों से मांगी मुक्ति विधि आयोग को भेजा गया मामला

सुप्रीम कोर्ट ने बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी की याचिका पर विचार करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विधि आयोग से एक बौद्ध समूह की उस याचिका पर विचार करने को कहा है, जिसमें कहा गया है कि बौद्धों पर भी लागू होने वाले 'हिंदू पर्सनल लॉ' के कुछ प्रावधान धर्म की स्वतंत्रता के साथ उनके मौलिक अधिकारों के भी खिलाफ हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 'बौद्ध पर्सनल लॉ एक्शन कमेटी' की याचिका पर सुनवाई करते हुए विधि आयोग से इसे एक प्रतिवेदन के रूप में मानने को कहा कि कुछ मौजूदा कानूनी प्रावधान बौद्ध समुदाय के मौलिक अधिकारों और सांस्कृतिक प्रथाओं के विपरीत हैं, जिसके मद्देनजर इसमें संवैधानिक और वैधानिक बदलावों की आवश्यकता है।

बौद्ध भी हिंदुओं के लिए बने कानूनों के दायरे में आते हैं, जैसे कि हिंदू विवाह अधिनियम, 1955, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956, हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम, 1956 और हिंदू दत्तक ग्रहण और देखभाल अधिनियम, 1956 द्वारा निर्दिष्ट है। संविधान के अनुच्छेद 25 में बौद्धों, जैनियों और सिखों को इन कानूनों के प्रयोजनों के लिए 'हिंदू' की परिभाषा में शामिल किया गया है। सुनवाई शुरू होने पर सीजेआई ने याचिका में मांगी गई राहत की प्रकृति पर सवाल उठाया।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि बौद्ध एक अलग समुदाय है और यह मुद्दा कई बार उठाया गया है।पीठ ने कहा कि विधि आयोग देश में एकमात्र विशेषज्ञ निकाय है और आमतौर पर इसका नेतृत्व उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश करते हैं। उन्होंने कहा, वे आप जैसे व्यक्ति का स्वागत करेंगे और सहायता प्राप्त करेंगे। विधि आयोग ऐसे संवैधानिक संशोधनों के लिए सिफारिशें कर सकता है। पीठ ने कानून और न्याय मंत्रालय के दिसंबर 2024 के एक पत्र पर गौर किया जिसमें कहा गया था कि 21वां विधि आयोग समान नागरिक संहिता पर अपने विचार-विमर्श में इस मुद्दे पर भी ध्यान दे रहा है और विभिन्न हितधारकों के विचार मांगे गए हैं।

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों को दी अनुमति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ने की अनुमति दे दी हालांकि यह स्पष्ट कर दिया कि परिणाम राज्य के संशोधित अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण को चुनौती देने वाले मामले के अंतिम नतीजे पर निर्भर करेंगे। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने बांठिया आयोग की रिपोर्ट के आधार पर ओबीसी के लिए एक नए आरक्षण ढांचे को लागू करने के महाराष्ट्र के फैसले पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने निर्देश दिया, नगर पंचायतों और नगर निगमों के चुनाव होंगे। हालांकि, 40 नगर निगमों और 17 नगर पंचायतों के परिणाम अंतिम फैसले के अधीन रहेंगे। पिछले सप्ताह, उच्चतम न्यायालय ने उन खबरों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी कि उसके पहले के निर्देशों की गलत व्याख्या की जा रही है।

रिपोर्ट की अनदेखी करने पर केरल के राज्यपाल को सुप्रीम फटकार

• कुलपतियों की नियुक्ति का मसला कहा- राज्यपाल अनिश्चितकाल के लिए नहीं रोक सकते मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय और यूनिवर्सिटी ऑफ डिजिटल साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) सुधांशु धूलिया की ओर से पेश की गई रिपोर्ट पर कार्रवाई में देरी पर शुक्रवार को केरल के राज्यपाल को कड़ी फटकार लगाई। न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश केवी विश्वनाथन की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी हैं और उनसे उम्मीद की जाती है कि वह समिति की सिफारिशों पर बिना किसी और देरी के फैसला लेंगे। राज्यपाल मामले को अनिश्चित काल तक लंबित नहीं रख सकते। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी न्यायाधीश धूलिया की रिपोर्ट की स्थिति की समीक्षा के दौरान की। गौरतलब है कि न्यायाधीश धूलिया को उप कुलपतियों की नियुक्तियों की कानूनी मान्यता और औचित्य की जांच करने का काम सौंपा गया था। पीठ ने कहा कि मामले का समय पर समाधान होना चाहिए, खासकर इसलिए क्योंकि लंबे समय तक अनिश्चितता विश्वविद्यालय के कामकाज पर असर डालती है।

भ्रष्टाचार मामले हस्तांतरित करने की राबड़ी की याचिका पर सीबीआई-ईडी को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के खिलाफ भ्रष्टाचार के तीन मामलों को किसी दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने के अनुरोध वाली उनकी याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी से जवाब मांगा।

राबड़ी देवी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए इन मामलों को दूसरे न्यायाधीश को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी के खिलाफ ये तीन मामले ज़मीन के बदले नौकरी और आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) घोटाला से संबंधित हैं। इनमें से दो मामलों की जांच प्रवर्तन निदेशालय कर रहा है, जबकि एक की जांच सीबीआई कर रही है।अदालत ने अगली सुनवाई छह दिसंबर के लिए सूचीबद्ध की है।

सिद्दारमैया सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का एलान

उडुपी। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने शुक्रवार को राज्य में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना की घोषणा की है। पार्टी ने इसका मुख्य कारण राज्य नेतृत्व को लेकर चल रही अंदरूनी कलह के कारण प्रशासनिक विफलता को बताया है।

भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सुनील कुमार ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए, सरकार को 'दुःशासन प्रशासन' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि इस शासन में लगभग 90 प्रतिशत मंत्री विधानसभा अनुपस्थित रहते हैं। कुमार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने खुद को बड़े पैमाने पर मैसूर तक ही सीमित कर लिया है, जबकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार लगातार नई दिल्ली की यात्रा करते रहते हैं, जिससे व्यवस्था अस्तव्यस्त हो गई है। भाजपा नेता ने कांग्रेस के भीतर शीत युद्ध की ओर भी इशारा किया और कहा कि यह स्थिति अव्यवस्था का स्पष्ट उदाहरण है।

आयोग की पूर्ण पीठ के सामने टीएमसी का दावा- खून से सने हैं सीईसी के हाथ

• पश्चिम बंगाल में एसआईआर के कारण अब तक 40 लोगों की मौत होने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को यहां निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की और दावा किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण अब तक कम से कम 40 लोगों की मौत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त के ''हाथ खून से सने हैं।''

पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर की प्रक्रिया बीच, तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओब्रायन के नेतृत्व में पार्टी के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोकसभा सदस्यों में शताब्दी रॉय, कल्याण बनर्जी, प्रतिमा मंडल, साजदा अहमद और महुआ मोइत्रा तथा राज्यसभा सदस्यों में डोला सेन, ममता ठाकुर, साकेत गोखले और प्रकाश चिक बडाइक थे। ओब्रायन ने बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि पार्टी ने पांच सवाल उठाए, लेकिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने उनका कोई जवाब नहीं दिया। ओब्रायन ने कहा, हमने बैठक की शुरुआत ही यह कहते हुए की कि सीईसी के हाथ खून से सने हैं। हमने पांच सवाल उठाए। इसके बाद करीब 40 मिनट में कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा और ममता बाला ठाकुर ने अपनी बात रखी और जो कहना था वो कहा।

उन्होंने कहा, इसके बाद सीईसी ने एक घंटे तक बिना रुके बात की। जब हम बोल रहे थे, तब हमें भी नहीं टोका गया, लेकिन हमें हमारे पांच सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं मिला।

निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते तृणमूल सांसद।

दिल्ली : स्कूलों में नर्सरी के प्रवेश मानदंड में घर से दूरी मुख्य कारक

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के निजी स्कूलों ने शुक्रवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नर्सरी दाखिले के लिहाज से अपने मानदंड जारी करना शुरू कर दिया है, जिसमें स्कूल के पते से बच्चे के घर की दूरी सबसे अधिक अंक वाला कारक है और कुछ स्कूलों ने इसे 55 अंक तक दिए हैं।

द्वारका स्थित इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल ने स्कूल से 0-12 किमी के दायरे में रहने वाले आवेदकों को अधिकतम 55 अंक आवंटित किए हैं, इसके बाद 12-15 किमी दूर रहने वालों के लिए 45 अंक तथा 15 किमी से अधिक दूरी के लिए 35 अंक निर्धारित किए गए हैं। स्कूल ने पहले से पढ़ रहे छात्र के भाई-बहन, पूर्व छात्र और कर्मचारियों के बच्चे वाली श्रेणियों के लिए 15-15 अंक निर्धारित किए हैं। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ने चार किमी के दायरे में रहने वाले या स्कूल परिवहन वाले इलाकों में रहने वाले बच्चों के लिए 50 अंक निर्धारित किए हैं। बच्चे की स्थिति श्रेणी के अंतर्गत, स्कूल ने पहले जन्मे बच्चे के लिए 30 अंक और दूसरे जन्मे बच्चे के लिए 20 अंक निर्धारित किए हैं। इसे साथ ही भाई-बहनों, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों के लिए 10-10 अंक निर्धारित किए हैं। द्वारका स्थित आईटीएल इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्य सुधा आचार्य ने कहा कि उनके मापदंड भी दूरी, भाई-बहनों को प्राथमिकता, पूर्व छात्रों और कर्मचारियों के बच्चों पर केंद्रित रहेंगे।

गुजरात में दिल के दौरे से बीएलओ की मौत, विपक्ष ने साधा निशाना

मेहसाणा। मेहसाणा जिले में एसआईआर के लिए बीएलओ के रूप में कार्यरत एक शिक्षक की शुक्रवार तड़के दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। विपक्षी दल कांग्रेस और शिक्षक संघ ने बीएलओ की मौत का कारण अत्यधिक काम का दबाव और सुविधाओं की कमी बताया।

सतलासना थाने के एक उपनिरीक्षक ने बताया, सुदासना गांव निवासी दिनेश रावल (50) की बृहस्पतिवार रात्रि घर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वह सरकारी प्राइमरी स्कूल में शिक्षक थे। जाला ने बताया कि रावल की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें वडनगर के एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण दिल का दौरा बताया गया है तथा उनके परिवार ने अभी तक किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। हालांकि, कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने आरोप लगाया कि बीएलओ पर निर्धारित कार्य समय पर पूरा करने का भारी दबाव है। गुजरात राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिग्विजयसिंह जडेजा ने कहा कि उन्हें अन्य शिक्षकों से पता चला है कि रावल बीएलओ संबंधी कार्य के कारण दबाव में थे।

अमृत विचार

श्री राम की सबसे ऊंची प्रतिमा का हुआ अनावरण

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा में शुक्रवार को भगवान श्रीराम की प्रतिमा का अनावरण किया। गोवा सरकार के अनुसार, यह विश्व में राम की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पुनर्जागरण भावी पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐसे समय भी आए जब गोवा के मंदिरों और स्थानीय परंपराओं को भाषा और सांस्कृतिक पहचान पर दबाव के कारण संकट का सामना करना पड़ा, लेकिन ये परिस्थितियां समाज की आत्मा को कमजोर नहीं कर सकीं, बल्कि उन्होंने इसे और भी दृढ़ बनाया। यह गोवा की अनूठी विशेषता है कि इसकी संस्कृति ने हर बदलाव में अपने मूल स्वरूप को बरकरार रखा है।

निजी स्टार्टअप : अंतरिक्ष में लंबी छलांग

भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में लगभग 250 स्टार्टअप चल रहे हैं जो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इन स्टार्टअप का उद्देश्य भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने और देश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाने में मदद करना है।

सरकार ने इन स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें से एक प्रमुख कदम है 1000 करोड़ रुपये के वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना, जो इन स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा। इसके अलावा, सरकार ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य कार्यक्रमों और पहलों की भी शुरुआत की है।

- **अंतरिक्ष अनुसंधान :** निजी स्टार्टअप्स के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें नए प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकसित करने का मौका मिलता है ।
- **उत्पादन :** निजी स्टार्टअप्स के लिए उत्पादन एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को बाजार में उतारने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।
- **निर्यात :** निजी स्टार्टअप्स के लिए निर्यात एक बड़ा अवसर है, क्योंकि इसमें उन्हें अपने उत्पादों को विदेशी बाजारों में बेचने और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने का मौका मिलता है।

निजी स्टार्टअप से देश को लाभ

- **आर्थिक विकास :** निजी स्टार्टअप्स के माध्यम से देश में आर्थिक विकास हो सकता है, क्योंकि वे नए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं।
- **प्रौद्योगिकी में उन्नति :** निजी स्टार्टअप्स प्रौद्योगिकी में उन्नति को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की प्रौद्योगिकी क्षमता में सुधार होता है।
- **अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि :** निजी स्टार्टअप्स अंतरिक्ष अनुसंधान में वृद्धि को बढ़ावा देते हैं, जिससे देश की अंतरिक्ष क्षमता में सुधार होता है।

सरकार की सहायता

- **आईएन-स्पेस :** सरकार ने आईएन-स्पेस की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को समर्थन प्रदान करता है।
- **वेंचर कैपिटल फंड :** सरकार ने वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना की है, जो निजी स्टार्टअप्स को वित्तीय समर्थन प्रदान करता है ।
- **उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना :** सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है, जो निजी स्टार्टअप्स को उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रोत्साहित करती है ।

प्रमुख स्टार्टअप

- **कैटालिक्स स्पेस :** इसके स्व-ऑपरेटिंग स्पेस लैब्स आपके विचारों को अंतरिक्ष में ले जाते हैं और उन्हें सुरक्षित वापस लाते हैं।
- **स्काईरूट एयरोस्पेस :** यह स्टार्टअप लॉन्च वाहनों को विकसित कर रहा है जो अंतरिक्ष में सस्ती पहुंच प्रदान करते हैं।
- **पिक्सेल :** यह स्टार्टअप एक उच्च रिज़ॉल्यूशन हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन बना रहा है।
- **न्यू स्पेस :** यह स्टार्टअप अगली पीढ़ी की एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी विकसित कर रहा है ।
- **अग्निकुल :** यह माइक्रो-नैनो सैटेलाइट्स के लिए ऑर्बिटल क्लास रॉकेट बना रहा है।
- **सैटश्योर :** यह सैटेलाइट डेटा से कृषि व जैसे क्षेत्रों में निर्णय लेने की बुद्धिमत्ता देता है।
- **ध्रुव स्पेस :** यह स्पेस आधारित अनुप्रयोगों के लिए एकीकृत समाधान देता है, जिसमें सैटेलाइट, अर्थ स्टेशन, और लॉन्च सेवाएं शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

आईएनएस करमुक ने अभ्यास में लिया भाग

सिंगापुर। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) करमुक सिंगापुर-भारत-थाईलैंड समुद्री अभ्यास में भाग लेकर सप्ताह भर की भागीदारी पूरी करने के करीब है। एसआईटीएमईएक्स का पांचवां संस्करण 23 नवंबर को शुरू हुआ और इस वर्ष सिंगापुर गणराज्य की नौसेना द्वारा आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य समुद्री सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तीनों देशों की नौसेनाओं की सामूहिक क्षमता को मजबूत करना है।

खालिदा जिया की हालत बेहद गंभीर

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की सेहत बेहद गंभीर है। उनके एक करीबी सहयोगी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। खालिदा जिया (80) के सीने में संक्रमण के कारण हृदय और फेफड़े दोनों प्रभावित होने पर उन्हें रविवार की रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सरकारी न्यूज एजेंसी बीएसएस ने बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर के हवाले से कहा कि कल रात चिकित्सकों ने बताया कि जिया की स्थिति बेहद गंभीर है।

रूस-वेनेजुएला में 19 समझौतों पर हस्ताक्षर

मॉस्को। रूस और वेनेजुएला के प्रतिनिधिमंडलों ने शिक्षा, अनुसंधान, युवा नीति, तेल उत्पादन, शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों को कवर करने वाले तीन समझौतों सहित कुल 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देशों ने उच्च स्तरीय अंतर-सरकारी रूसी-वेनेजुएला आयोग की बैठक के अंतिम अधिनियम पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही 15 सहयोग समझौतों पर भी दोनों हस्ताक्षर किए गये हैं। हस्ताक्षर समारोह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें रूस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप प्रधानमंत्री दिमित्री चेर्निशेंको ने किया।

तुर्किये में पोप लियो का गर्मजोशी से स्वागत

इस्तांबुल। पोप लियो 14वें ने तुर्किये की अपनी पहली विदेश यात्रा में कैथोलिक समुदाय को देश में अपनी छोटी आबादी को मजबूत बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस यात्रा का उद्देश्य ईसाइयों को प्रोत्साहित करना और एकता कायम करने के सदियों पुराने प्रयासों को आगे बढ़ाना है। यात्रा के पहले दिन इस्तांबुल में स्थित कैथेड्रल ऑफ द होली स्पिरिट के अंदर पोप के समर्थन में नारे लगे।

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में भारत संतुलन व जिम्मेदारी की आवाज

चाणक्य रक्षा संवाद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले-हमारा शांति और वार्ता में विश्वास

- राष्ट्र की संप्रभुता, सुरक्षा से कोई समझौता करने को तैयार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत शांति और वार्ता में विश्वास करता है, लेकिन जब राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा की बात आती है, तो वह कोई समझौता नहीं करता। चाणक्य रक्षा संवाद में उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति, प्रौद्योगिकी क्षमताओं और सिद्धांतों का पालन करने वाली विदेश नीति ने इसे बदलते वैश्विक परिवेश में संतुलन और जिम्मेदारी की आवाज़ बना दिया है, और हिंद-प्रशांत तथा ग्लोबल साउथ के देश हमें एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखते हैं।

ग्लोबल साउथ से तात्पर्य ऐसे देशों से है जिनका आर्थिक और औद्योगिक विकास अपेक्षाकृत कम हुआ है। सिंह ने कहा कि भारत जिम्मेदारी की भावना, रणनीतिक स्वायत्तता और सभ्यतागत मूल्यों में निहित आत्मविश्वास के साथ वैश्विक चर्चाओं को आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत शांति और संवाद में विश्वास करता है, लेकिन जब बात लोगों की संप्रभुता और सुरक्षा की आती है, तो हम कोई समझौता नहीं करते। उन्होंने कहा कि भारत ने अग्रणी सुधारों और राष्ट्रों की संप्रभुता के सम्मान तथा नियम-आधारित व्यवस्था के प्रति अपने निरंतर रुख के कारण वैश्विक विश्वास अर्जित किया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हम सुरक्षा और संपर्क को मजबूत करने के लिए सीमा और समुद्री बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हम नए प्लेटफ़ॉर्म और प्रौद्योगिकियों और ढांचों के माध्यम से अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम गति, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए खरीद प्रक्रियाओं में सुधार कर रहे हैं।आत्मनिर्भरता के माध्यम से, हम एक रक्षा औद्योगिक परिवेश का निर्माण कर रहे हैं जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, उद्योग का समर्थन करता है और बाहरी निर्भरता को कम करता है। सिंह ने कहा कि भारत स्टार्ट-अप, डीप-टेक क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास में निवेश कर रहा है, जो भविष्य के युद्धक्षेत्रों को आकार देंगे। डीप टेक से तात्पर्य उन कंपनियों और स्टार्टअप से है, जो महत्वपूर्ण वैज्ञानिक या इंजीनियरिंग नवाचार, जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग या जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। रक्षामंत्री ने भारत को नए दौर के लिए तैयार करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इन सुधारों की बदौलत ही भारत सशक्त, सुरक्षित और विकसित बनेगा। उन्होंने कहा कि जब हम 'सुधार से बदलाव' की बात करते हैं, तो हम सिर्फ़ प्रक्रिया या नीति की बात नहीं कर रहे होते। हम सिर्फ़ मौजूदा हालात में बदलाव की बात नहीं कर रहे होते। हम भारत को एक नए दौर के लिए तैयार करने की बात कर रहे हैं जो इसे सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत में बदल देगा।

नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में चाणक्य रक्षा संवाद 2025 का उद्घाटन करते हुए रक्षामंत्र राजनाथ सिंह। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे।

व्यापक सुधार एक रणनीतिक जरूरत

रक्षा मंत्री ने आतंकवाद सहित विभिन्न क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच सशक्त, सुरक्षित और विकसित भारत बनाने के लिए सेनाओं सहित सभी संस्थाओं में व्यापक सुधारों पर जोर देते हुए कहा है कि ये विकल्प नहीं बल्कि रणनीतिक आवश्यकता है। कहा कि जब हम दुनिया के माहौल और अपने पड़ोस की असलियत को देखते हैं, तो एक बात बहुत साफ़ हो जाती है, हम भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पुरानी व्यवस्था पर भरोसा नहीं कर सकते।

कनाडा में आग, भारतीयों सहित 5 की मौत

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन में भीषण आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसने प्रभावित परिवार से संपर्क किया है तथा उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ब्रैम्पटन में हुई विनाशकारी आग की घटना में भारतीय नागरिकों की मौत से हम बहुत दुखी हैं।

वाणिज्य दूतावास शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है और इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। सीटीवी न्यूज के मुताबिक आग 19-20 नवंबर की देर रात 2.15 बजे मैकलॉघलिन और रिमेंबरेंस रोड के क्षेत्र में 12 बनस वे पर लगी। आग की घटना में तीन महिलाओं और एक छोटे बच्चे की मौत हो गई। पूरे प्रकरण की जांच ओंटारियो के फायर मार्शल कार्यालय द्वारा की जा रही है। कांस्टेबल टायलर बेल ने बताया कि घटनास्थल पर ही तीन महिलाओं और एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई थी।

हांगकांग में आग मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हुई

हांगकांग। हांगकांग में बहुमंजिला आवासीय इमारत में आग लगने के बाद दमकलकर्मियों द्वारा अब भी इमारत में लोगों की तलाश की जा रही है। परिसर की आठ में से सात इमारतें भीषण आग की चपेट में आ गईं जिसके चलते 128 लोगों की मौत हो गई। हांगकांग की भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने इमारत के मरम्मत कार्य से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार किया है अग्निशमन विभाग के उपनिदेशक डेरेक आर्मस्ट्रांग चान ने बताया कि शुक्रवार को इमारतों से और शव बरामद किए गए जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 128 हो गई है। पीड़ितों की तलाश अब भी जारी है। बुधवार को 'वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स' की आठ इमारतों में से एक में भीषण आग लग गई। आग की लपटें तेजी से फैलीं और सात इमारतें इसकी चपेट में आ गईं।

श्रीलंका में तूफान दितवा का कहर, 56 लोगों की गई जान

- मदद के लिए आगे आया भारत राहत सामग्री, दवाएं भेजी

कोलंबो, एजेंसी

चक्रवाती तूफान 'दितवा' ने श्रीलंका में भीषण तबाही मचाई है तथा अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 21 लोग लापता और 14 घायल हुए हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार चक्रवाती तूफान से करीब 50 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक लगातार भारी बारिश और तेज हवाओं से कई जिलों में नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

भारत ने निकटतम समुद्री पड़ोसी के प्रति एकजुटता जताते हुए ऑपरेशन सागर बंधु के तहत तुरंत राहत सामग्री और महत्वपूर्ण मानवीय सहायता भेजी है। स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए भी तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दितवा के कारण हुई तबाही में अपने परिजनों को खोने वाले श्रीलंका के लोगों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं हैं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। बचाव और राहत अभियानों में भारत अपना विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को भी तैनात करेगा।

श्रीलंका की सरकार ने केलानी नदी घाटी के कई निचले इलाकों में अगले 48 घंटे के भीतर बाढ़ की आशंका जताते हुए कोलंबो सहित कई क्षेत्रों को अलर्ट पर रखा है। देश के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटों में अत्यधिक बारिश हुई है। खराब मौसम के कारण भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बीती रात से 15 उड़ानों को तिरुवनंतपुरम और कोचिन की ओर मोड़ा गया।

अमेरिका करेगा नौसेना के हेलीकॉप्टरों का रखरखाव

- 60 रोमियो हेलीकॉप्टरों के लिए 7,995 करोड़ का समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को और अधिक प्रगाढ बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के एमएच 60 रोमियो बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टरों के रखरखाव के लिए 7995 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता पत्र पर अमेरिका के सैन्य बिक्री कार्यक्रम के तहत रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को हस्ताक्षर किए गए।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि पांच वर्ष के लिए हुए इस समझौते में कलपुर्जे, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और आवश्यक घटकों की मरम्मत एवं आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा भारत में 'इंटरमीडिएट' स्तर की मरम्मत और आवधिक रखरखाव निरीक्षण सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इन घरेलू सुविधाओं से न केवल भारत की क्षमता-वृद्धि होगी, बल्कि अमेरिका से आपूर्ति पर निर्भरता में कमी आएगी। यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप मानी जा रही है।

कपिल शर्मा के रेस्तरां में गोलीबारी में गैंगस्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने हास्य कलाकार कपिल शर्मा के कनाडा स्थित रेस्तरां पर सात अगस्त को हुई गोलीबारी में शामिल एक संदिग्ध गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी बंधु मान सिंह ने घटना में शामिल शूटरों को गोलीबारी के लिए साजो-सामान मुहैया कराया था। उसे पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि सिंह ने गोलीबारी के बाद एक कार उपलब्ध कराकर तथा उसके लिए सुरक्षित पार्किंग स्थल की व्यवस्था करके हमलावरों की मदद की थी।

थर्ड वर्ल्ड देशों के प्रवासियों पर लगाएंगे रोक : ट्रंप

- अमेरिका में प्रवेश को लेकर राष्ट्रपति ने की घोषणा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह सभी थर्ड वर्ल्ड देशों से आने वाले प्रवासियों को स्थायी रूप से रोक देंगे और उन विदेशी नागरिकों को देश से बाहर निकाल देंगे जो सुरक्षा के लिए खतरा साबित होते हैं। थर्ड वर्ल्ड शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर गरीब या पिछड़े देशों के लिए किया जाता है।

ट्रंप प्रशासन ने एक अफगान नागरिक रहमानुल्लाह लकनवाल द्वारा नेशनल गार्ड के दो सदस्यों पर गोलीबारी की घटना के बाद आव्रजन पर की जा रही कार्रवाई को और तेज कर दिया है। इस गोलीबारी में घायल हुई अमेरिकी सेना की विशेषज्ञ सारा बेकस्ट्रॉम (20) की मौत हो गयी है जबकि अमेरिका वायु सेना के स्टाफ सॉर्जेंट एंड्रयू वोल्फ (24) की हालत गंभीर बनी हुई है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा कि वह हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आए प्रवासियों को जारी सभी ग्रीन कार्ड की कड़े तरीके से पुनः समीक्षा करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि हालांकि हम तकनीकी रूप से आगे बढ़े हैं लेकिन आव्रजन नीति ने उन उपलब्धियों और बहुत से लोगों की जीवन स्थितियों को कमजोर कर दिया है। मैं सभी 'थर्ड वर्ल्ड' देशों से आने वाले प्रवास को स्थायी रूप से रोक दूंगा ताकि अमेरिकी व्यवस्था पूरी तरह से पुनःसंगठित हो सके। मैं बाइडन (पूर्व राष्ट्रपति) द्वारा लोगों को अवैध रूप से दिए गए प्रवेश को समाप्त कर दूंगा और उन सभी लोगों को देश से बाहर कर दूंगा जो अमेरिका के लिए उपयोगी नहीं हैं।

ग्रीन कार्ड की कठोर समीक्षा का निर्देश

अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के निदेशक जोसेफ एडलो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हर चिंताजनक स्थिति वाले देश से आने वाले प्रत्येक विदेशी नागरिक के ग्रीन कार्ड की पूर्ण और कठोर पुन: समीक्षा का निर्देश दिया है। एडलो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस देश और अमेरिकी जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और अमेरिकी लोग पिछली सरकार की लापरवाही वाली पुनर्वास नीतियों की कीमत नहीं चुकाएंगे। नई नीति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है और यह 27 नवंबर 2025 या उसके बाद दायर किए गए अथवा लंबित सभी अनुरोधों पर लागू होगी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 23.15 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

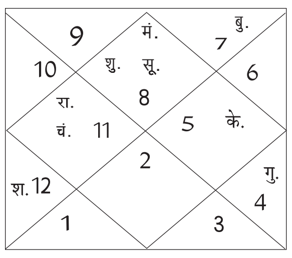

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-पूर्व भाद्रपद 30 नवंबर 02.22 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

मेष — आज व्यवसाय में कुछ धीमापन रहेगा, लेकिन काम में अच्छी गति रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। आप परोपकार के कार्यों में लगे रहेंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

वृष — आज पैतृक व्यवसाय में तेजी आएगी। पुरानी यादें दोबारा ताजा हो सकती हैं। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोग अपनी कूटनीतिक क्षमता का परिचय देंगे। अवसरों का लाभ उठाने में चूक न करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मिथुन — आज बनते कार्यों में रुकावटे आने की आशंका है। मन में नकारात्मक विचार जन्म ले सकते हैं। छोटी बातों को लेकर झगड़ा करने से बचें। अनावश्यक बातों पर विचलित होने से बचें। युवा प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें।

कर्क — आज अपनी दिनचर्या को संतुलित रखें। अवैधानिक कार्यों की ओर आकर्षित होने एवं उनमें रुचि लेने से बचें। आपका मन कुछ अप्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर भी परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज उच्च अधिकारी आपकी अत्यधिक प्रशंसा करेंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। घर के सभी सदस्य आपके ऊपर अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करने से आप प्रसन्न होंगे। पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज कुछ महत्वपूर्ण अनुबंध होने के योग बन रहे हैं। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। परिवार में आपसी प्रेम और स्नेह बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में उच्च पद प्राप्त होगा। रियल एस्टेट से बड़ा धन लाभ होगा। घर में निकट संबंधी और रिश्तेदार आ सकते हैं।

तुला — आज नए व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए दिन अच्छा है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों के कारण परेशानी होगी। व्यर्थ की गतिविधियों में धन खर्च न करें। खानपान में संयम रखें। नसों में खिंचाव और दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक — आज व्यवसाय में बड़ी डील को लेकर परेशानी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। निजी मामलों को लेकर बाहरी लोगों से सलाह न लें। परिवार में कुछ समस्या हो सकती है। शत्रु आपके विरुद्ध सक्रिय रहेंगे।

धनु — आज मांगलिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हो सकते हैं। अविवाहित लड़कियों का विवाह तय हो सकता है। व्यवसाय को लेकर बड़ा निर्णय ले सकते हैं। परिजनों के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है।

मकर — आज आवश्यक कार्य लंबित हो सकते हैं। दूसरों के काम में कमियां न निकालें। आप निर्णय लेने में थोड़ी बहुत चूक कर सकते हैं। पति-पत्नी के बीच संबंधों में दबाव महसूस होगा। समय रहते हुए मामलों को सुलझा लें।

कुंभ — आज कारोबारियों के लिए दिन बहुत शुभ है। नौकरीपेशा लोगों को आधिकारिक यात्रा करनी पड़ सकती है। समाज में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन में सुधार होगा। कम समय में उच्चतम गुणवत्ता का कार्य करेंगे।

मीन — आज आपको आराम अवश्य करना चाहिए। नए कार्यों में रूचि लेंगे। पैरों में दर्द की शिकायत हो सकती है। वैवाहिक जीवन में असंतोष का भाव रहेगा। दिनचर्या कुछ अव्यवस्थित हो सकती है। माता-पिता की सेहत का ध्यान रखें।

सुडोकू-175

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
		7			8			
3				1				
							7	
				5				
						3		
			2					
								5

सुडोकू - 174 का हल

1	5	8	2	7	3	9	4	6
4	7	6	9	8	1	2	5	3
3	9	2	6	5	4	1	7	8
8	1	7	4	3	2	6	9	5
9	4	3	5	6	7	8	1	2
2	6	5	8	1	9	4	3	7
6	3	4	1	2	5	7	8	9
7	8	1	3	9	6	5	2	4
5	2	9	7	4	8	3	6	1

> भारत को 2030 में शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का सम्मान मिला है, जो एक सच्चे खेल राष्ट्र बनने की हमारी यात्रा में एक सशक्त कदम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रत्येक भारतीय खिलाड़ी, खेल प्रशंसक और नागरिक को गर्व से भर देता है।
>
> – नीरज चोपड़ा

स्टेडियम

हल्द्वानी, शनिवार ,29 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अंडर-19 एशिया कप में कप्तानी करेंगे आयुष

नई दिल्ली। उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को शुक्रवार को आगामी अंडर-19 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया। टीम में आक्रामक किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है जबकि 12 से 21 दिसंबर तक दुबई में 50 ओवरों के प्रारूप में खेले जाने वाले इस आयु वर्ग के महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए विहान मल्होत्रा को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है।

पुर्तगाल बना फीफा अंडर-17 विश्व चैंपियन

दोहा। पुर्तगाल ने फीफा अंडर-17 विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रिया को 1-0 से हराकर इस आयु वर्ग में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता। बेनफिका के फॉरवर्ड अनीसियो कैब्राल ने 48 देशों के टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को खेले गये खिताबी मुकाबले के 32वें मिनट में मैच का इकलौता गोल किया। इससे पहले इटली ने तीसरे स्थान के मैच में ब्राजील को शूटआउट में 4-2 से हराया जिससे यूरोप की टीमों ने शीर्ष तीन स्थानों पर अपना दबदबा बनाया। मुकाबला बराबरी पर छूटने के बाद गोलकीपर एलेसेंड्रो लोंगोनी ने दो पेनल्टी बचा कर इटली की जीत पक्की की। फीफा अंडर-17 विश्व कप का यह 20वां सत्र है।

कमिंस की वापसी का इंतजार बढ़ा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिसबेन में होने वाले दिन-रात्रि एशेज टेस्ट के लिए शुक्रवार को घोषित 14 सदस्यीय टीम में कोई बदलाव नहीं किया जिससे चोटिल कप्तान पैट कमिंस के वापसी का इंतजार और बढ़ गया। कमिंस की गैरमौजूदगी में कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में आठ विकेट से जीत दिलाई और मेजबान टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से शुरू होगा। कमिंस हालांकि अभ्यास के लिए ब्रिसबेन जाएंगे।

भारतीय टीम को अब सफेद गेंद की क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा

गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा-ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाने पर जोर

रांची, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार से उबरने की कोशिश कर रही भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने कहा कि टीम को अब तुरंत तैयार होकर सफेद गेंद के क्रिकेट पर ध्यान लगाना होगा क्योंकि आत्मविश्वास से भरी मेहमान टीम से मुकाबला करने के लिए लय हासिल करना बेहद जरूरी है। भारत को कोलकाता और गुवाहाटी में दो टेस्ट हारकर 0-2 से शर्मनाक हार मिली है और अब टीम इसी प्रतिद्वंद्वी से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी।

रविवार को होने वाली सीरीज के पहले मैच से पहले मोर्कल ने स्वीकार किया कि टेस्ट से सफेद गेंद के क्रिकेट में तेजी से बदलाव मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण होता है लेकिन टीम इसके लिए तैयार है। मोर्कल ने जेएससीए स्टेडियम में टीम के पहले अभ्यास सत्र से पहले कहा पिछले दो हफ्ते हमारे लिए निराशाजनक थे लेकिन अब हमें चीजों पर विचार करने के लिए कुछ दिन मिले हैं। उन्होंने कहा अब सबसे जरूरी है कि हम अपनी पूरी ऊर्जा सफेद गेंद की टीम पर लगाएं। पिछले कुछ वर्षों में हम सफेद गेंद के क्रिकेट में अच्छा खेल रहे हैं। मैं आने वाले हफ्तों के लिए उत्साहित हूं। प्रारूप कुछ भी हो, भारत का प्रतिनिधित्व करना अहम है।

मोर्कल ने चेताया कि टेस्ट सीरीज जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम आत्मविश्वास से भरी होगी। उन्होंने कहा रंगीन जर्सी और गेंद का रंग बदलना अलग ऊर्जा लाते हैं। लेकिन दक्षिण अफ्रीका लय में है और आत्मविश्वासी टीम हमेशा खतरनाक होती है। हमें अगले एक-दो हफ्तों में मजबूत शुरुआत करनी होगी और पिछले दो हफ्तों को पीछे छोड़ना होगा।

2026 टी20 विश्व कप की तैयारियों की बात पर उन्होंने साफ किया कि यह वनडे सीरीज केवल विश्व कप अभ्यास नहीं है। टी20 विश्व कप की तैयारी अपनी जगह है, लेकिन जब भी आप भारत की जर्सी पहनते हैं तो आप करोड़ों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मोर्कल ने कहा मेरे लिए फोकस है कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में लय वापस लाई जाए। यह तभी होगा जब हम सफेद गेंद से अच्छा और मजबूत क्रिकेट खेलें। उन्होंने यह भी कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों का टीम में लौटना उत्साहजनक है। के एल राहुल और ऋषभ पंत को एक साथ खिलाने पर उन्होंने कहा मेरा विभाग सिर्फ गेंदबाजी है। चयन की जिम्मेदारी कप्तान और चयनकर्ताओं की है। मोर्कल ने कहा कि रात में खेले जाने वाले मैचों को देखते हुए रांची की परिस्थितियों का ध्यानपूर्वक आकलन करना होगा।

अभ्यास सत्र के दौरान ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, ऋषभ पंत और नीतीश कुमार रेड्डी। एजेंसी

पंत-राहुल ऑर ऑलराउंडर के चयन पर होंगी नजरें

रांची : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच से पूर्व भारत को चयन से जुड़ी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एकादश में ऋषभ पंत की जगह पक्की नहीं है जबकि वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी के बीच अतिरिक्त ऑलराउंडर की जगह के लिए कड़ा मुकाबला है। टीम प्रबंधन जब चयन से जुड़े सवालों का जवाब ढूंढेगा तो सफेद गेंद के सत्र की जरूरतें भी उनके दिमाग में होंगी। संतुलन और यहां की परिस्थितियां काफी हद तक चयन तय करेंगी लेकिन कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिए जाने के साथ सीरीज का पहला मैच चयनकर्ताओं की मध्यावधि योजना की एक झलक दे सकता है। चर्चा का केंद्र यह है कि अगर पंत को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी नहीं दी जाती है तो भी क्या वह कप्तान लोकेश राहुल के साथ एकादश में फिट हो सकते हैं। गुवाहाटी टेस्ट में जिस तरह से पंत आउट हुए उसके लिए उनकी काफी आलोचना हुई है लेकिन वह हमेशा से इसी तरह का क्रिकेट खेलते रहे हैं। कप्तान राहुल अगर विकेटकीपिंग करते हैं तो थिंक-टैंक के सामने एक रणनीतिक दुविधा होगी कि क्या वे पंत को मध्य क्रम में सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर खिला सकते हैं? पंत का खेलना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है क्योंकि वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जबकि भारतीय बल्लेबाजी क्रम में अधिकतर बल्लेबाज दाएं हाथ के हैं। दोनों को एक साथ खिलाना नामुमकिन नहीं है लेकिन यह इस पर निर्भर करेगा कि रांची में शाम को ठंडे मौसम में भारत को बल्लेबाजी में कितनी गहराई चाहिए जहां लक्ष्य का पीछा करने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत पड़ सकती है।

श्रीलंका के खिलाफ महिला टी-20 शृंखला दिसंबर में

- विशाखापत्तनम व तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे पांच मुकाबले

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला टीम 21 से 30 दिसंबर तक विशाखापत्तनम और तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला खेलेगी।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ निर्धारित मैच दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण स्थगित कर दिया गया था। हाल ही में वनडे विश्व कप जीतने के बाद यह भारतीय महिला टीम का पहला मैच होगा।

बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक बोर्ड ने आगामी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला के कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। भारत अगले महीने पांच मैचों की शृंखला के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा। यह शृंखला विशाखापत्तनम में शुरू होगी और शेष मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय महिला टीम को इसी दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू शृंखला में भाग लेना था। श्रीलंका की टीम 2016 के बाद पहली बार भारत में कोई द्विपक्षीय टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज खेलेगी, जिसे मेजबान टीम ने 3-0 से जीता था। भारतीय महिला टीम ने इस साल जुलाई में इंग्लैंड में अपनी पिछली टी20 सीरीज खेली थी। टीम ने शृंखला को 3-2 से जीत कर इतिहास रचा था। यह इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टीम की पहली टी20 शृंखला जीत थी।

कार्यक्रम

1- 21 दिसंबर, विशाखापत्तनम
2- 23 दिसंबर, विशाखापत्तनम
3- 26 दिसंबर, तिरुवनंतपुरम
4- 28 दिसंबर तिरुवनंतपुरम
5- 30 दिसंबर तिरुवनंतपुरम

सम्मान

पहले दृष्टिबाधित टी-20 विश्व कप में ऐतिहासिक खिताबी जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित नोरा सोलोमन फाउंडेशन ने सम्मानित किया। • एजेंसी

उन्नति-तन्वी चमकीं, श्रीकांत पहुंचे सेमीफाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- महिला युगल में त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद एवं मिश्रित युगल में हरिहरन - त्रिशा भी अंतिम चार में

अमृत विचार: शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा और देश की राइजिंग बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में स्थान सुरक्षित किया। इसी के साथ महिला युगल में पिछली विजेता त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद के साथ मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और त्रिशा जॉली भी अंतिम चार में पहुंच गई। वहीं पुरुष एकल में विश्व के पूर्व नंबर वन के.श्रीकांत ने प्रतिद्वंद्वी प्रियांशु राजावत के मैच छोड़ने के चलते सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनकी अब हमवतन मिथुन मंजूनाथ से टक्कर होगी जिन्होंने एक अन्य मैच में शानदार जीत दर्ज की। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल खेले गए। महिला एकल में शीर्ष वरीय भारत की उन्नति हुड्डा व सातवीं वरीय भारत की रक्षिता श्री संतोष रामराज के बीच कड़ी टक्कर हुई। एक घंटा 16 मिनट तक चले इस मैच में उन्नति ने 21-15, 13-21, 21-16 से जीत दर्ज की। वर्ल्ड नंबर 28 उन्नति का पिछले साल सेमीफाइनल में सफर ओलंपिक में दोहरे पदक विजेता पीवी सिंधु के हाथों हार से समाप्त हो गया था। अब वह सेमीफाइनल में चौथी वरीय तुर्किये की नेस्लिहान अरीन से भिड़ेंगी जिन्होंने एक अन्य रोमांचक मैच में भारत की इशारानी बरुआ को 21-19, 13-21, 21-15 से हराया। ओलंपिक पदक विजेता को हराने वाली भारत की 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने हांगकांग चीन की लो सिन यान हैप्पी के खिलाफ 21-13, 21-19 से जीत दर्ज की। तन्वी अब पांचवीं वरीय जापान की हीना अकेची से भिड़ेंगी, जिन्होंने तीसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-8, 21-15 से हराया।

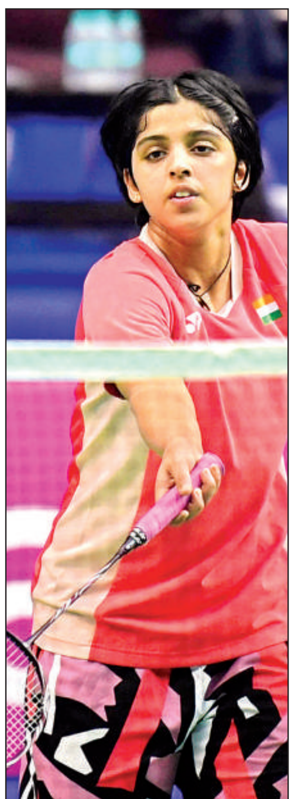

अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के परिणाम

मिश्रित युगल : सातवीं वरीय थाईलैंड की पक्कापोन तीरारतसाकुल व सप्सिरी तेरत्तनाचाईन ने मलेशिया की वी यी हर्न व वानी गोबी को 21-14, 21-11 से हराया।

चौथी वरीय इंडोनेशिया के मरवान फाज़ा व ऐस्युह सलसबीला पुत्रि प्रनाता ने भारत के निथिन एचवी व श्रीनिधि नारायणन को 21-11, 21-12 से हराया।

आठवीं वरीय इंडोनेशिया के देजान फर्डिनानस्याह और बर्नाडिन अनिंदिया वारदाना ने तीसरी वरीय मलेशिया के तियेन सी व लिम चिउ सिएन – मलेशिया को 21-15, 12-21, 21-10 से हराया।

महिला युगल : सातवीं वरीय मलेशिया की ओंग शिन यी और कारमेन तिंग ने भारत की श्रुति मिश्रा व प्रिया कोंज़ेंगबम को 21-13, 22-20 से हराया।

दूसरी वरीय चीनी ताइपे की सुंग शुओ-युन और यू चिएन हुई ने चीनी ताइपे की ही लिन जिआओ मिन और वांग यू किआओ को 21-9, 21-10 से हराया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : उप्र ने जम्मू-कश्मीर को 109 रनों से हराया

कोलकाता, एजेंसी

आर्यन जुयाल के लगातार दूसरे अर्धशतक और प्रशांत वीर के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में जम्मू-कश्मीर को 109 रन से मात दी।

यह उत्तर प्रदेश की लगातार दूसरी जीत है जिससे टीम आठ अंक के साथ ग्रुप बी तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। गोवा के खिलाफ मैच विजयी 93 रन की नाबाद पारी खेलने के बाद आत्मविश्वास से भरे विकेटकीपर-बल्लेबाज जुयाल ने एक बार फिर आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 40 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 51 रन बनाकर उत्तर प्रदेश को छह विकेट पर 193 रन तक पहुंचाया। जम्मू-कश्मीर के उमरान मलिक तीन विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिन-ऑलराउंडर वीर ने बाद में 20 रन देकर तीन विकेट झटके और महज 10 गेंद में नाबाद 37 रन बनाए जिसमें अंतिम ओवर में तेज गेंदबाज औकिब नबी के खिलाफ 24 रन बनाना शामिल रहा।

इससे पहले कप्तान करण शर्मा (24 रन) और जुयाल ने 73 रन की भागीदारी कर टीम को तेज शुरुआत कराई। उमरान मलिक ने जुयाल को उनके अर्धशतक के तुरंत बाद आउट कर दिया। उत्तर प्रदेश ने 24 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिए। लेकिन वीर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने सिद्धार्थ यादव (24 रन) के साथ मिलकर पारी को संभाला और फिर अंतिम ओवर में तूफानी बल्लेबाजी कर मैच की दिशा बदल दी। जम्मू-कश्मीर की शुरुआत बेहद खराब रही और पूरी टीम सिर्फ महज 84 रन पर सिमट गई।

कप्तान शुभम खजूरिया चोट के कारण बल्लेबाज़ी करने नहीं आए। सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल 20 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। लेग स्पिनर विप्रज निगम तीन विकेट और वीर ने मिलकर बल्लेबाजों पर शिकंजा कस दिया।

वहीं, महाराष्ट्र के लिए पृथ्वी साव ने धमाकेदार वापसी करते हुए ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा जबकि आर्शिन कुलकर्णी ने 89 रन बनाए जिसकी बदौलत टीम ने 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद को आठ विकेट से हरा दिया।

जम्मू-कश्मीर के लिए तीन विकेट लेने वाले उमरान मलिक। एजेंसी

जूनियर विश्व कप :जर्मनी ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराया

मदुरै, एजेंसी

गत चैंपियन जर्मनी ने शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 4-0 से हराकर एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की।

सात बार के चैंपियन जर्मनी की ओर से जस्टस वारवेग ने 19वें और 56वें मिनट में मैदानी गोल दागे जबकि बेन हैशबैक (43वें मिनट) और पॉल ग्लेंडर (44वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर एक-एक गोल किया। पूल ए के पहले मैच में आयरलैंड ने कड़े मुकाबले में कनाडा को 4-3 से हराया। आयरलैंड को 13वें मिनट में लुई रोव से बढ़त दिलाई लेकिन गुरनूर भुल्लर ने 26वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। रोव ने 33वें मिनट में एक और मैदानी गोल दागकर स्कोर 2-1 किया जबकि ग्रेगरी विलियम्स ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर आयरलैंड को 3-1 से आगे कर दिया। माइलो थॉम्पसन ने एक और मैदानी गोल दागकर आयरलैंड की बढ़त को 4-1 किया। लेटन डिसूजा ने 48वें और 53वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर कनाडा को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए।

पूल डी के में स्पेन ने मिस्र को 8-0 से हराया, बेल्जियम ने नामीबिया को 12-1 से रौंद दिया। स्पेन की ओर से ब्रूनो एविला ने पेनल्टी कॉर्नर पर तीन गोल दागकर हैट्रिक लगाई जबकि जोसेप मार्टिन ने दो गोल किए।

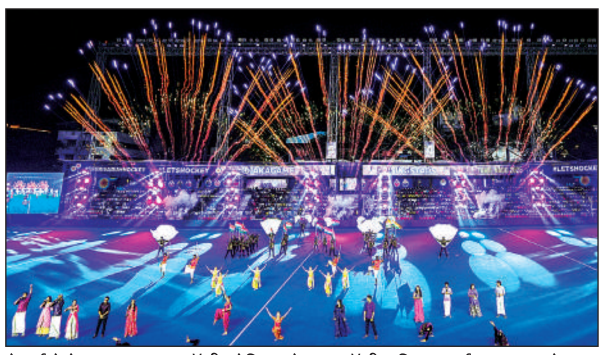

चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में पुरुष हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के शुभारंभ के दौरान कलाकार परफॉर्म करते हुए। एजेंसी

जिम्मेदारी

स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर किया था काम

सैंटियागो भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के कोच नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय मुक्केबाजी के पूर्व हाई परफार्मेंस निदेशक (एचपीडी) सैंटियागो नीवा महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में राष्ट्रीय टीम से फिर से जुड़ गए हैं। अर्जेंटीना में जन्मे स्वीडन के इस पूर्व मुक्केबाज ने 2017 से 2022 तक भारत की पुरुष टीम के साथ बड़े स्तर पर काम किया था। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की, जिनमें तोक्यो ओलंपिक में भारत की अब तक की सर्वोच्च भागीदारी और 2019 पुरुष विश्व चैंपियनशिप में दो ऐतिहासिक पदक शामिल हैं।

नीवा ने कहा भारत वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। मेरे पिछले कार्यकाल में यहां पांच साल शानदार रहे। मैं इस अगले अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। उम्मीद है कि हम साथ मिलकर कुछ बड़ा कर पाएंगे। नीवा के पास दो दशकों से अधिक का उत्कृष्ट अंतरराष्ट्रीय कोचिंग अनुभव है। उन्होंने इस भूमिका में मुक्केबाजी जगत में कुछ शानदार परिणाम हासिल किये हैं। भारत के साथ अपने पहले कार्यकाल के बाद उन्होंने हाल ही में बॉक्सिंग ऑस्ट्रेलिया की हाई परफॉर्मेंस इकाई के मुख्य राष्ट्रीय कोच और तकनीकी प्रमुख के रूप में कार्य किया था। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि सैंटियागो की नियुक्ति भारत में महिला मुक्केबाजी लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। उन्होंने कहा सैंटियागो की नियुक्ति महिला मुक्केबाजी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

वह तकनीकी उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय समझ के साथ हमारी प्रणाली को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा हमारे खिलाड़ियों ने दिखा दिया है कि वे दुनिया के सबसे कठिन मंचों पर भी आगे बढ़ सकते हैं और सैंटियागो के मार्गदर्शन में उनकी प्रगति को देखते हुए हमें विश्वास है कि हम दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत की उपस्थिति और महत्वाकांक्षा को मजबूत करेंगे। नीवा, डी. चंद्रलाल की जगह लेंगे जो कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बने रहेंगे। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक सहित चार पदक जीते हैं।

ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक से आगे ले जाना है नीवा का लक्ष्य

नई दिल्ली : भारतीय महिला मुक्केबाजी के नव नियुक्त मुख्य कोच सैंटियागो नीवा का मानना है कि मौजूदा टीम में काफी प्रतिभा है और उनका लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में कांस्य पदक से आगे बढ़कर इतिहास रचना है। नीवा पहले 2017 से 2022 तक भारत के 'हाई परफॉर्मेंस' निदेशक के तौर पर काम कर चुके हैं जिसमें उन्होंने ज्यादातर काम पुरुष टीम के साथ किया था और अब उन्हें महिला टीम का भविष्य बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। नीवा ने ऑस्ट्रेलिया से पीटीआई को बताया भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम बहुत मजबूत है और मुझे लगता है कि ओलंपिक पदक जीतना बहुत जरूरी है। मैंने सोचा कि महिला टीम में काफी प्रतिभा है तो मैं वहां योगदान देना चाहूंगा ताकि हम लॉस एंजिलिस में इतिहास बना सकें और कांस्य पदक से आगे जा सकें। अब तक सिर्फ तीन भारतीय मुक्केबाजों ने ओलंपिक पदक जीते हैं जिसमें विजेंदर सिंह (2008), एमसी मैरीकॉम (2012) और लवलीना बोरगोहेन (2020) को कांस्य पदक मिले हैं। पेरिस ओलंपिक से भारतीय मुक्केबाज खाली हाथ लौटे थे। उनके मार्गदर्शन में अमित पंघाल ने पुरुषों की विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला और एकमात्र रजत पदक जीता था जबकि तोक्यो ओलंपिक में अब तक सबसे ज्यादा भारतीय मुक्केबाजों की हिस्सेदारी रही थी। वह एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट के 2026 सत्र से पहले जुड़ रहे हैं तो उनके एजेंडे में सबसे पहली चीज चयन नीति को समझना होगा। उन्होंने कहा मुझे यह देखना होगा कि वे किस मॉडल का इस्तेमाल कर रहे हैं और यह कैसे काम करता है। जरूरी बात यह है कि हम सबसे अच्छे मुक्केबाज चुनें। नीवा ने कहा फिर देखना होगा कि चल रहे सभी अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के साथ क्या व्यावहारिक है।